Ranchi ● Thursday, 01 May 2025 ● Year : 03 ● Issue : 106 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज
Published from Ranchi

विश्व श्रमिक दिवस आज

अवकाश की सूचना

विश्व श्रमिक दिवस के अवसर पर **'द फोटोन न्यूज'** कार्यालय में 01 मई को अवकाश रहेगा। अखबार का अगला अंक 03 मई को उपलब्ध होगा। इस दौरान अपने शहर, झारखंड और देश-दुनिया की खबरों से खुद को अपडेट रखने के लिए **www.thephotonnews.com** पर जाएं।

SHARE

सेंसेक्स	:	80,242.24
निफ्टी	:	24,334.20

SARAFA

सोना	:	9,155
चांदी	:	111.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

ढह गई मंदिर की दीवार दबकर 8 लोगों की मौत

VISAKHAPATNAM : बुधवार को तड़के श्री वराहालक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर सिम्हाचलम में चंदनोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं के लिए बना उल्लास का माहौल एक भीषण हादसे में बदल गया। भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण मंदिर परिसर में हाल ही में बनाई गई एक दीवार ढह गई। इसमें दबकर 8 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। मृतकों में 5 पुरुष और 3 महिलाएं शामिल हैं। हादसा तड़के करीब 2:15 बजे हुआ, जब बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए कतार में खड़े थे। हादसा उस समय हुआ, जब श्रद्धालु 300 रुपये की विशेष दर्शन टिकट के लिए बनी कतार में खड़े थे। नई बनी दीवार तेज हवा और बारिश के चलते भरभराकर गिर गई। दीवार के मलबे में कई लोग दब गए। सात लोगों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई, जबकि एक ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मंदिर प्रशासन ने तुरंत 300 रुपये टिकट की कतार को दूसरी दिशा में डायवर्ट कर दिया है ताकि दर्शन और अनुष्ठान सुचारु रूप से चलते रहें। मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त इंतजाम किए हैं।

होटल में लगी भीषण आग 15 लोगों की गई जान

KOLKATA : मंगलवार की रात में कोलकाता के फालपट्टी मछुआ इलाके में एक होटल में आग लगने से 15 लोगों की जान चली गई और 13 लोग घायल हो गए। बुधवार की सुबह तक आग पर काबू पा लिया गया है। 50 लोगों को बचाया गया। पुलिस के मुताबिक, मरने वालों में 2 महिलाएं और 1 बच्चा शामिल है। 12 पुरुष मृतकों में से 8 की पहचान कर ली गई है। पुलिस कमिश्नर मनोज वर्मा ने बताया कि आग ऋतुराज होटल में रात करीब 8:15 बजे लगी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीमों ने मौके पर पहुंचकर राहत-बचाव का काम शुरू किया। अब तक 14 शव निकाले जा चुके हैं। हादसे की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) बनाई गई है। शुरुआती जांच में पता चला है कि होटल की चौथी मंजिल पर लगे बिजली मीटर में शॉर्ट सर्किट होने से आग लगी।

जमशेदपुर की शांभवी ने रचा इतिहास, 10वीं में बनीं नेशनल टॉपर

PHOTON NEWS TEAM : बुधवार को काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशंस (सीआईएससीई) ने कक्षा 10वीं आईसीएसई और 12वीं आईएससी परीक्षाओं का रिजल्ट जारी कर दिया है। छात्र बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर रिजल्ट चेक कर सकते हैं। आईसीएसई 10वीं में 99.09 पास प्रतिशत रहा जबकि आईएससी में 99.02 पास प्रतिशत रहा। आईसीएसई में लड़कियों ने फिर बाजी मारी। आईसीएसई 10वीं में 99.37 प्रतिशत लड़कियां और 98.84 प्रतिशत लड़के पास हुए। जमशेदपुर की बेटी शांभवी जायसवाल ने आईसीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पूरे देश में प्रथम स्थान हासिल किया है। इस अभूतपूर्व उपलब्धि से न केवल जमशेदपुर, बल्कि झारखंड और समूचे देश को गौरव की अनुभूति हुई है।

पेज 04 भी पढ़ें।

10वीं आईसीएसई और 12वीं आईएससी एग्जाम का रिजल्ट जारी

- शांभवी जायसवाल ने 100 प्रतिशत अंक हासिल कर पूरे देश में बढ़ाया झारखंड का मान
- आईसीएसई 10वीं में 99.09 रहा पास प्रतिशत, जबकि आईएससी में 99.02 फीसद
- आईसीएसई 10वीं में 99.37 प्रतिशत लड़कियां और 98.84 फीसद लड़के पास

लोयला स्कूल की छात्रा हैं शांभवी

शांभवी जायसवाल जमशेदपुर के लोयला स्कूल की छात्रा है। शांभवी के पिता, डॉ. अभिषेक जायसवाल, मेहरबाई टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल में रेडियोलॉजिस्ट हैं, जबकि उनकी मां, डॉ. ओजस्वी शंकर, टाटा मणिपाल हॉस्पिटल में स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं। सांभवी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, स्कूल के प्राचार्य, उप-प्राचार्य और शिक्षकों को दिया है। भविष्य की योजनाओं के बारे में बात करते हुए सांभवी ने बताया कि वह 12वीं की पढ़ाई विज्ञान संकाय से पूरी कर आईआईटी से इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त करना चाहती हैं।

बीते साल इतने हुए थे फेल

पिछले साल 12वीं में 52,765 लड़के और 47,136 लड़कियों ने परीक्षा दी थी, जिसमें से 1,303 लड़के और 510 लड़कियां फेल हो गई थीं। 12वीं में फेल हुए छात्रों की कुल संख्या 1,813 थी। वहीं 10वीं में 1,30,506 लड़के और 1,13,111 लड़कियों ने परीक्षा दी थी,ज्ञ जिसमें से 894 लड़के और 395 लड़कियां फेल हुए थे। 10वीं में फेल हुए कुल छात्रों की संख्या 1,289 थी।

आईएससी परीक्षा में छात्राओं का दबदबा

द काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशंस (सीआईएससीई) द्वारा आयोजित इस वर्ष की 10वीं (आईसीएसई) और 12वीं (आईएससी) बोर्ड परीक्षा में इस बार भी झारखंड के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। खास बात यह है कि आईसीएसई की परीक्षा में इस बार छात्रों के मुकाबले छात्राओं ने शानदार सफलता हासिल की है। काउंसिल के मुख्य कार्यकारी सह सचिव डॉ. जोसेफ इमैनुएल ने परिणामों की जानकारी देते हुए बताया कि आईसीएसई बोर्ड परीक्षा में इस वर्ष 99.15 प्रतिशत छात्राएं उत्तीर्ण हुई हैं, जबकि छात्रों का उत्तीर्ण प्रतिशत 98.43 रहा। यह आंकड़े स्पष्ट रूप से दशार्ते हैं कि इस बार लड़कियों ने लड़कों को पीछे छोड़ दिया है। पूरे झारखंड से आईसीएसई की परीक्षा में कुल 130 स्कूलों के 16,180 विद्यार्थी शामिल हुए थे। इनमें 8,297 छात्र और 7,883 छात्राएं थीं। इस परीक्षा में 130 छात्र असफल रहे, जबकि केवल 67 छात्राओं को असफलता का सामना करना पड़ा। 12वीं (आईएससी) बोर्ड परीक्षा के परिणामों में भी छात्राओं ने अपना दबदबा कायम रखा है।

सेंट्रल कैबिनेट की बैठक में लिया गया महत्वपूर्ण फैसला

केंद्र सरकार मूल जनगणना के साथ कराएगी कास्ट गणना

AGENCY NEW DELHI : केंद्र की भाजपा नीत एनडीए सरकार जाति जनगणना कराएगी। यह फैसला बुधवार को सेंट्रल कैबिनेट की बैठक में लिया गया। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि जाति जनगणना, मूल जनगणना में ही शामिल होगी। जनगणना इस साल सितंबर से शुरू की जा सकती है। इसे पूरा होने में एक साल लगेगा। ऐसे में जनगणना के अंतिम आंकड़े 2026 के अंत या 2027 की शुरूआत में आएंगे। हालांकि जनगणना कब से शुरू होगी, इसके बारे में सरकार ने कुछ नहीं कहा है। 2021 में जनगणना को कोविड-19 महामारी के कारण टाल दिया गया था। जनगणना आमतौर पर हर 10 साल में की जाती है। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा, 1947 से जाति जनगणना नहीं की गई। कांग्रेस की सरकारों ने हमेशा जाति जनगणना का विरोध किया। 2010 में दिवंगत डॉ. मनमोहन सिंह सिंह ने कहा था कि जाति जनगणना के मामले पर कैबिनेट में विचार किया जाना चाहिए। इस विषय पर विचार करने के लिए मंत्रियों का एक समूह बनाया गया था। अधिकांश राजनीतिक दलों ने जाति जनगणना की सिफारिश की। इसके बावजूद कांग्रेस सरकार ने जाति का सर्वेक्षण या जाति जनगणना कराने का फैसला किया।

इसी साल सितंबर से शुरू की जा सकती है जनगणना, पूरा होने में लगेगा एक साल

- 2026 के अंत या 2027 की शुरुआत में आएंगे जनगणना के अंतिम आंकड़े
- कोविड-19 महामारी के कारण टाल दी गई थी 2021 में जनगणना

जातियों की गिनती के लिए एक्ट में करना होगा संशोधन

जनगणना एक्ट 1948 में एससी- एसटी की गणना का प्रावधान है। ओबीसी की गणना के लिए इसमें संशोधन करना होगा। इससे ओबीसी की 2,650 जातियों के आंकड़े सामने आएंगे। 2011 की जनगणना के अनुसार, मार्च 2023 तक 1,270 एससी, 748 एसटी जातियां हैं। 2011 में एससी आबादी 16.6 प्रतिशत और एसटी 8.6 प्रतिशत थी। मनमोहन सिंह सरकार के दौरान 2011 में सामाजिक-आर्थिक और जातिगत जनगणना करवाई गई थी। इसे ग्रामीण विकास मंत्रालय, शहरी विकास मंत्रालय और गृह मंत्रालय ने करवाया था। हालांकि इस सर्वेक्षण के आंकड़े कभी भी सार्वजनिक नहीं किए गए। ग्रामीण विकास मंत्रालय की वेबसाइट पर इसके एससी-एसटी हाउसहोल्ड के आंकड़े ही जारी किए गए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अगस्त 2024 में कहा था कि जनगणना उचित समय पर होगी, और यह 2025 में शुरू हो सकती है, जिसमें डेटा 2026 तक प्रकाशित हो सकता है।

प्रधानमंत्री आवास पर हुई सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी की मीटिंग

केंद्र ने पूर्व रॉ चीफ को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड का बनाया चेयरमैन

SRINAGAR : बुधवार को पहलगाम हमले के 8 दिन बाद पाकिस्तानी सेना ने इंटरनेशनल बॉर्डर पर कई चौकियां खाली कर दी हैं। पाकिस्तानी सेना ने इन चौकियों से झंडे भी हटा लिए हैं। कठुआ के पर्गवाल इलाके में ये पोस्ट खाली की गई हैं। पाकिस्तानी सेना एलओसी पर लगातार सीजफायर उल्लंघन कर रही है। पाकिस्तानी सेना ने बुधवार को पहली बार सेना ने इंटरनेशनल बॉर्डर पर भी सीजफायर तोड़ा। इसका भारतीय सेना ने तुरंत जवाब दिया। इस बीच, केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड का नए सिरे से गठन किया है। पूर्व रॉ चीफ आलोक जोशी को इसका चेयरमैन बनाया गया है। प्रधानमंत्री आवास पर सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी (सीसीएस) बैठक खत्म हो गई, जिसमें यह फैसला लिया गया।

पाकिस्तान ने इंटरनेशनल बॉर्डर पर खाली की चौकियां, हटाए पाकिस्तानी झंडे

- एलओसी पर लगातार सीजफायर उल्लंघन कर रही है पाकिस्तानी सेना
- पहली बार सेना ने इंटरनेशनल बॉर्डर पर भी थोड़ा सीजफायर

बायसरन घाटी में मिले 40 कारतूस

पहलगाम अटैक की जांच कर रही एनआईए को बायसरन घाटी से 40 कारतूस मिले हैं। एनआईए के साथ फोरेंसिक टीम के 2 मेंबर्स भी जांच कर रहे हैं। ये मेंबर्स लोकल पुलिस और सीआरपीएफ की मदद से घने जंगलों में भी एविडेंस इकट्ठा कर रहे हैं।

जातिगत जनगणना पर पार्टियों का स्टैंड

विपक्षी पार्टियां : कांग्रेस समेत बीजद, एसपी, राजद, बसपा, एनसीपी शरद पवार देश में जातिगत जनगणना की मांग कर रही हैं। टीएमसी का रुख अभी साफ नहीं है। राहुल गांधी हाल में ही अमेरिका दौरे पर गए थे, वहां उन्होंने जातिगत जनगणना को सही बताया था।

एनडीए : पहले भाजपा जाति जनगणना के पक्ष में नहीं थी। भाजपा ने कांग्रेस समेत दूसरी विपक्षी पार्टियों पर आरोप लगाए थे कि ये जातिगत जनगणना के जरिए देश को बांटने की कोशिश कर रही हैं। हालांकि, बिहार में भाजपा ने ही जातिगत जनगणना का सपोर्ट किया था। बिहार ने अक्टूबर 2023 में जातिगत जनगणना के आंकड़े जारी किए थे। ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य बना था।

वक्फ कानून के खिलाफ अंधेरे में डूब गए सारे घर

राजधानी रांची में बुधवार को मुस्लिम समुदाय के लोगों ने नए वक्फ कानून के विरोध में अपने मकानो में लाइट-बत्ती बंद कर दी। यह कार्यक्रम रात 9 से 9:15 बजे तक 15 मिनट के लिए चलाया गया। इस अवधि में राजधानी की मुस्लिम बस्तियों में अंधेरा छा गया। किसी के घर में भी रोशनी नहीं देखी गई। मुस्लिम समुदाय ने इस प्रकार अनोखे अंदाज में केंद्र सरकार द्वारा लाए गए नए वक्फ कानून का विरोध किया। इसे बत्ती गुल अभियान का नाम दिया गया।

झटका : झारखंड में महंगी हो गई बिजली आज से होगी लागू

PHOTON NEWS RANCHI : बुधवार को झारखंड में बिजली महंगी होने की घोषणा कर दी गई। पहले मई से बिजली की नई दर लागू हो जाएगी। झारखंड विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 की बिजली की नई टैरिफ के लिए आदेश जारी कर दिया गया है। झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग यह आदेश जारी किया गया। नई बिजली टैरिफ की जानकारी देते हुए झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग की ओर से से बताया गया है कि शहरी उपभोक्ताओं के लिए बिजली टैरिफ 20 पैसे प्रति यूनिट बढ़ गई है। ग्रामीण उपभोक्ता की दर में 40 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है। ग्रामीणों को जहां प्रति यूनिट 6.70 रुपये देंगे, वहीं शहरी उपभोक्ताओं को 6.85 रुपये देने होंगे। कृषि उपभोक्ताओं के लिए नई टैरिफ में कोई वृद्धि नहीं की गई है। इससे किसानों को बड़ी राहत मिली है। किसी भी उपभोक्ता से मीटर रेंट नहीं लिया जाएगा।

- ग्रामीण उपभोक्ताओं को 6.70 रुपये व शहरी को प्रति यूनिट देने होंगे 6.85 रुपये
- शहरी उपभोक्ताओं के लिए बिजली टैरिफ में 20 पैसे प्रति यूनिट का इजाफा
- ग्रामीण उपभोक्ताओं को अब हर यूनिट पर 40 पैसे देने होंगे ज्यादा
- कृषि उपभोक्ताओं के लिए नई टैरिफ में कोई नहीं की गई है कोई वृद्धि

नई बिजली टैरिफ की खास बातें

झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग ने जेबीवीएनएल के वित्तीय वर्ष (एफवाई) 2023-24 के टरू-अप, एफवाई 2024-25 के एपीआर और एफवाई 2025-26 के प्रस्तावों को स्वीकृति दी है। एफवाई 2023-24 के लिए जेबीवीएनएल ने 10,847.70 करोड़ रुपये की स्वीकृति मांगी थी, जबकि आयोग ने 7,854.64 करोड़ रुपये को मंजूरी दी है। एफवाई 2024-25 के लिए 10,405.84 करोड़ रुपये और एफवाई 2025-26 के लिए 11,444.90 करोड़ रुपये की मांग के मुकाबले आयोग ने क्रमश: 7,981.30 करोड़ रुपये और 8,980.52 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। प्रस्तावित वितरण हानि 31.26 प्रतिशत (एफवाई 2023-24), 19 प्रतिशत (एफवाई 2024-25 और एफवाई 2025-26) के मुकाबले आयोग ने तीनों वर्षों के लिए 13 प्रतिशत वितरण हानि मान्य की है।

चिंताजनक मस्तिष्क के संतुलित विकास के रास्ते में पॉल्यूशन बड़ी बाधा

लगातार बढ़ते वायु प्रदूषण की मार से मुरझा रहा बचपन

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : मां के गर्भ में पल रहे बच्चे के शारीरिक विकास के साथ-साथ उसके दिमागी विकास का भी संतुलन जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। जन्म के बाद बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में कई कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हाल के अध्ययन में यह महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है कि जिस बच्चे का बचपन जितना अधिक वायु प्रदूषण के माहौल में गुजरता है, उसका मानसिक विकास उतना ही अधिक प्रभावित होता है। शोधकताओं का कहना है कि बचपन में मस्तिष्क का विकास न केवल शारीरिक रूप से बल्कि मानसिक व संज्ञानात्मक (काग्निटिव) दृष्टिकोण से भी बेहद महत्वपूर्ण होता है। यह वह समय होता है, जब बच्चे सोचने, समझने, महसूस करने और प्रतिक्रिया देने की मूलभूत क्षमताएं विकसित करते हैं। एनवायरनमेंट इंटरनेशनल में प्रकाशित बार्सिलोना इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ के नेतृत्व में किए गए इस अध्ययन में पाया गया कि यदि बच्चे जन्म से लेकर 12 वर्ष की आयु तक वायु प्रदूषण के उच्च स्तर के संपर्क में आते हैं तो उनके मस्तिष्क के भीतर स्थित महत्वपूर्ण हिस्सों के बीच संचार संयोजकता यानी फंक्शनल कनेक्टिविटी प्रभावित हो सकती है।

बार्सिलोना इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ के वैज्ञानिकों ने किया है विशेष अध्ययन

मानसिक व संज्ञानात्मक दृष्टिकोण से भी बेहद महत्वपूर्ण होता है मानसिक विकास

- एनवायरनमेंट इंटरनेशनल पत्रिका में प्रकाशित की गई है विस्तृत रिपोर्ट
- असंतुलित दिमागी विकास याददाश्त व निर्णय लेने पर भी डालता है असर
- बचपन में बच्चे सोचने, समझने व प्रतिक्रिया देने की मूलभूत क्षमताएं करते हैं विकसित

नाइट्रोजन डाइऑक्साइड और नाइट्रोजन ऑक्साइड्स दिमागी विकास के लिए सर्वाधिक खतरनाक

आत्मचिंतन और चेतना के स्तर पर असर

नए अध्ययन में यह भी देखा गया कि जिन बच्चों ने ब्रेन स्कैन से एक साल पहले पीएम10 के उच्च स्तर का सामना किया, उनमें सैलेन्स नेटवर्क और मेडियल-पैराइटल नेटवर्क्स के बीच भी जुड़ाव कमजोर हो गया। ये नेटवर्क न केवल आसपास के वातावरण को समझने में बल्कि आत्मचिंतन और चेतना के स्तर को बनाए रखने में मदद करते हैं।

तीन वर्षों तक पड़ता है गहरा प्रभाव

शोधकताओं के अनुसार, प्रदूषण से मस्तिष्क के अमिग्डाला जो भावनाओं को समझने में मदद करता है, हिप्पोकैम्पस जो याददाश्त और सीखने से जुड़ा होता है और कॉडेट न्यूक्लियस जो मोटर फंक्शन और निर्णय लेने में सहायता करता है, जैसे हिस्सों के आपसी संबंध कमजोर हो जाते हैं। जिन बच्चों को जन्म के बाद पहले तीन वर्षों तक वायु प्रदूषण का सामना करना पड़ा, उनके दिमाग के अंदर भावनात्मक और संज्ञानात्मक नियंत्रण से जुड़े हिस्सों के बीच की कड़ी सबसे ज्यादा प्रभावित हुई। यह शोध नीदरलैंड के बच्चों पर किया गया है। वहां वायु प्रदूषण भारत की तुलना में बेहद कम है। इसके बावजूद यदि वहां बच्चों के मस्तिष्क पर इतना गहरा प्रभाव देखा गया है तो भारत जैसे देश, जहां वायु गुणवत्ता बेहद चिंताजनक है, वहां बच्चों पर इसका प्रभाव और भी अधिक गंभीर हो सकता है।

आज से दो दिनों तक तीन राज्यों का दौरा करेंगे पीएम

NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 1 और 2 मई को महाराष्ट्र, केरल और आंध्र प्रदेश का दौरा करेंगे। वे 1 मई को मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में विश्व ऑडियो विजुअल और एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) का उद्घाटन करेंगे। यह सम्मेलन भारत के मीडिया, मनोरंजन और डिजिटल नवाचार के क्षेत्र में वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अनुसार, इस चार दिवसीय सम्मेलन का टैगलाइन निर्माताओं को जोड़ना, देशों को जोड़ना है। इसमें 90 से ज्यादा देशों के लोग हिस्सा लेंगे। इसमें 10 हजार से ज्यादा प्रतिनिधि, 1 हजार क्रिएटर, 300 से ज्यादा कंपनियां और 350 से ज्यादा स्टार्टअप शामिल होंगे। वेव्स का लक्ष्य 2029 तक 50 बिलियन डॉलर का बाजार खोलना है, जिससे वैश्विक मनोरंजन अर्थव्यवस्था में भारत की उपस्थिति का विस्तार होगा। प्रधानमंत्री यहां क्रिएटोस्फियर का दौरा करेंगे और करीब एक साल पहले शुरू की गई 32 क्रिएट इन इंडिया चुनौतियों में से चुने गए क्रिएटर्स से बातचीत करेंगे।

BRIEF NEWS

सम्मानित किए गए सहिया व सीएचओ

HAZARIBAG : उपायुक्त नैन्सी सहाय के निदेर्शानुसार जिला स्वास्थ्य समिति के तत्वधान में बुधवार को स्थानीय नगर भवन में जिला स्तरीय सहिया सम्मेलन-सह आदर्श दंपती सम्मेलन एवं सीएचओ सम्मान समारोह-2025 का आयोजन किया गया। समारोह में उत्कृष्ट कार्य करनेवाली सहिया और सीएचओ के अलावा आदर्श दंपती को सम्मानित किया गया। उन्हें प्रमाण पत्र, शील्ड और पुरस्कार प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर डॉ. शशि जायसवाल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावी बनाने में सहियाओं और सीएचओ की अहम भूमिका होती है। जिला यक्ष्मा पदाधिकारी आरके जायसवाल ने कहा कि जिले को टी.बी. मुक्त बनाने मे अपनी अग्रणी भूमिका निभाकर सहिया और सीएचओ अपना योगदान दे सकते हैं। समारोह में सीएचओ और सहिया को प्रभावी तरीके से स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं के प्रति लोगों को जागरूक करने, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं, धात्री महिलाओं को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया।

ट्रैक्टर से दबकर चालक की हो गई मौत

DUMKA : जिला के रानेश्वर प्रखंड के धानभाषा पंचायत के सुदूर इलाका तालडीह गांव में बुधवार को एक ट्रैक्टर असंतुलित होकर पेड़ से टकरा गया। इस दौरान चालक ट्रैक्टर के चक्के के नीचे आ गया । इससे मौके पर ही उसकी मौत हो गयी। मिली जानकारी के अनुसार जंगल के बीच कच्ची मिट्टी के रास्ते बने हुए है। रास्ते के दोनों तरफ घना पेड़ लगा हुआ है। पथ काफी सकरा है और उबड़ खाबड़ है। इसी रास्ते से चालक ट्रैक्टर चला कर तालडीह गांव जा रहा था। चालक का संतुलन बिगड़ गया और ट्रैक्टर पेड़ से टकरा गया। इससे चालक जमीन पर गिर गया और चालक ट्रैक्टर के चक्के के नीचे आ गया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। चालक (मृतक) का नाम रामसिंह मुर्मू (28) बताया गया है। वह प्रखंड के रंगालिया पंचायत के कुचियाडाली गांव का रहने वाला था। ट्रैक्टर मालिक घटनास्थल से ट्रैक्टर को लेकर फरार हो गया है। ट्रैक्टर में क्या समान लदा हुआ था इसकी पुष्टि नही हो पाई है। मौके पर रानेश्वर थाना प्रभारी बलराम कुमार सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुचकर शव को कब्जे में लिया है। समाचार लिखे जाने तक थाना प्रभारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए दुमका भेजा गया है। ट्रैक्टर की तलाश जारी है।

जमशेदपुर पूर्वी की योजनाओं का हुआ शिलान्यास

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र में विधायक पूर्णिमा साहू ने बुधवार को सीतारामडेरा एवं साकची पूर्वी मंडल क्षेत्र में विधायक निधि से स्वीकृत पांच विकास योजनाओं का शिलान्यास किया। इसमें सीतारामडेरा मंडल अंतर्गत बाबूडीह स्थित आदिवासी कब्रिस्तान में 21,78,200.00 की लागत से शौचालय, गार्ड रूम व पाथ-वे का निर्माण तथा साकची पूर्वी मंडल अंतर्गत नेहरू कॉलोनी में 15,14,300.00 की लागत से आरसीसी नाली, पीसीसी पथ और पेवर्स ब्लॉक का अधिष्ठापन होगा।

टाटानगर से होकर चलने वाली 16 ट्रेनें रद्द

JAMSHEDPUR : खड़गपुर रेल मंडल में विकास कार्यों के कारण टाटानगर से होकर चलने वाली डेढ़ दर्जन ट्रेनें मई में रद्द रहेंगी। रेलवे के सर्कुलर के मुताबिक 2 से 18 मई तक लंबी दूरी की 16 ट्रेनें रद्द होने से हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना होगा। इन ट्रेनों में सांतरागाछी- बादामपहाड़ एक्सप्रेस, शालीमार-उदयपुर एक्सप्रेस, बादामपहाड़ -राउरकेला-बादामपहाड़ एक्सप्रेस, पोरबंदर-सांतरागाछी एक्सप्रेस, हावड़ा-जगदलपुर एक्सप्रेस, कांटाबाजी-हावड़ा इस्पात एक्सप्रेस और हावड़ा -अहमदाबाद एक्सप्रेस को अलग अलग दिनों में रद्द किया गया है।

बेरमो में युवक की टांगी से कर दी गई हत्या, 8 घंटे से ज्यादा मेन रोड रहा जाम

दोस्तों के साथ कार से निकला था विपुल, हमले का कारण स्पष्ट नहीं

PHOTON NEWS BERMO : बोकारो जिला के पेटरवार थाना क्षेत्र अंतर्गत पिछरी स्थित डहरडीह के पुल के समीप मंगलवार देर रात गुलचंद मिश्रा उर्फ गल्लू मिश्रा के 25 वर्षीय पुत्र विपुल कुमार मिश्रा की टांगी (कुल्हाड़ी) से वार कर हत्या कर दी गई। घटना की जानकारी लोगों को आधी रात के बाद लगी। घटना के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर परिजनों ने बुधवार सुबह 7 बजे से फुसरो-जैनामोड़ मुख्य मार्ग को जाम कर दिया, जो दोपहर बाद तक जारी रहा। इससे इस मार्ग का आवागमन दिन भर बाधित रहा। इसकी वजह से 15 किलोमीटर से भी लंबा जाम लग गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने

सड़क जाम करते परिजन व अन्य, इनसेट में मृतक की फाइल फोटो • फोटोन न्यूज

खोजी कुत्ते के सहयोग से सुराग तलाशने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। स्थानीय लोगों ने बताया कि विपुल अपने दोस्त के साथ कार में सवार होकर मंगलवार रात को जा रहा था। इसके बाद रात में ही चीख की आवाज सुनकर लोग पहुंचे, तो वह बेसुध गिरा पड़ा था। पास में ही एक कुल्हाड़ी पड़ी थी। उसके सिर पर कुल्हाड़ी से कई वार किए गए थे। सूचना पर पेटरवार थाना प्रभारी राजू मुंडा दल-बल के साथ पहुंचे। हत्या को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है। संदेह के आधार पर पुलिस एक स्थानीय युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

कार के धक्के से बाइक सवार दो लोगों की हो गई मौत

GUMLA : जिले के सिसई थाना क्षेत्र के छारदा रोड में मंगलवार की देर रात कार के धक्के से दो लोगों की मौत हो गई। इस टक्कर में बाइक सवार करंज थाना क्षेत्र के अंबेरा गांव निवासी 37 वर्षीय जीतवाहन उरांव और महतो उरांव की जान चली गई। जानकारी के अनुसार, दोनों एक बाइक पर सवार होकर सिसई के छारदा रोड स्थित दुकान से केक खरीदने गए थे। केक खरीदने के बाद सड़क के किनारे खड़ी बाइक पर बैठे और जैसे ही घर की ओर मुड़े, तभी पीछे से कार ने दोनों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर होते ही जीतवाहन उरांव की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, बाइक के पीछे बैठा महतो उरांव गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से उसे रेफरल अस्पताल लाया गया, जहां डाक्टर ने जांच कर महतो उरांव की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे रिम्स रेफर कर दिया। रिम्स में इलाज के दौरान बुधवार को सुबह 10 बजे महतो उरांव की भी मौत हो गई। वह दूसरे प्रदेशों में जाकर मजदूरी का काम करता था। फिलहाल वह घर पर ही रह रहा था। वहीं घटना की जानकारी पर सिसई थाना की पुलिस दोनों वाहन को जब्त कर लिया है। कार चालक पिलखी मोड़ का निवासी है। लोगों ने बताया कि चालक शराब के नशे में था। उसके वाहन से शराब की बोतल भी बरामद की गई है। जीतवाहन उरांव होमगार्ड का जवान था और फिलहाल गुमला के पावर हाउस में ड्यूटी पर तैनात था। दो दिन की छुट्टी में वह अपने घर गया था। बुधवार को शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया।

शादी में जाने नहीं दिया गया तो नाबालिग ने कर ली खुदकुशी

AGENCY PALAMU : पलामू जिले के छतरपुर नगर पंचायत क्षेत्र के रामगढ़ में योगेंद्र भुइयां की 16 वर्षीय नाबालिग पुत्री चांदनी कुमारी ने मंगलवार रात फंदे से लटक कर खुदकुशी कर ली। चांदनी हरिहरगंज प्रखंड के सरसोत में बड़ी बहन के साथ एक रिश्तेदार के घर शादी समारोह में जाना चाहती थी, लेकिन परिजनों ने उसे जाने से मना कर दिया था, जिससे वह गुस्से में थी। घर के सभी सदस्य खाना खाने के बाद चांदनी को नहीं देखे तो खोजते हुए घर के अंदर गए तो एक कमरे का दरवाजा बंद पाया।

दरवाजा खोलने के लिए चांदनी को बहुत आवाज लगाई पर वह दरवाजा नहीं खोली। गांववालों की मदद से बंद कमरे की दिवार तोड़ी गई। अन्दर चांदनी साड़ी से फंदा

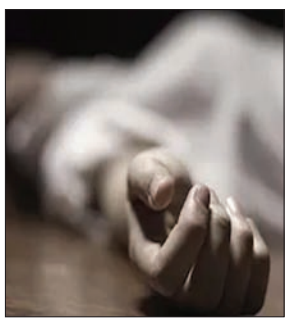

लगाकर झूल रही थी। उसकी मौत हो गई थी। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। छतरपुर थाना के सब इंस्पेक्टर अशोक टोप्पो, योगेन्द्र के घर जाकर चांदनी के शव को फंदे से उतार कर मंगलवार देर रात को ही थाना ले आए। पुलिस ने बुधवार को शव को पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीनगर भेज दिया।

यहां दोपहर 2 बजे एमआरएमसीएच में शव के खराब स्थिति देखकर डॉक्टर ने उसे पोस्टमार्टम के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया। डॉक्टर के अनुसार नाबालिग के चेहरे एवं शरीर के अन्य हिस्से में जख्म के निशान पाए गए हैं। ऐसे में शव को रेफर करने का निर्णय लिया गया। एमआरएमसीएच में पिता योगेन्द्र ने बताया कि खुदकुशी करने से पहले चांदनी गुस्से में छत से कूद गई थी जिससे उसे गंभीर चोट आई थी।

हालांकि पिता की बात से स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो रही थी। चांदनी के आंख में सूजन, हाथ में कटे के निशान एवं अन्य जगह जख्म थे। मामले में सब इंस्पेक्टर ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मामला में कुछ कहा जा सकता है। मामले में जांच पड़ताल की जा रही है।

साढ़े तीन हजार रुपये रिश्वत लेता लेखपाल गिरफ्तार

GOMIA : बेरमो अनुमंडल के गोमिया में लेखपाल होरिल प्रजापति को साढ़े तीन हजार रुपये रिश्वत लेते हुए एसीबी ने गिरफ्तार किया है। प्रजापति शिक्षा विभाग स्थित प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी के कार्यालय में कार्यरत था। वह पारा शिक्षक जयनारायण रविदास से घूस की रकम ले रहे थे। लेखापाल ने पारा शिक्षक से उपस्थिति पंजी में सुधार के लिए रिश्वत मांगी थी। परेशान पारा शिक्षक ने रिश्वत देने की बजाए एसीबी धनबाद टीम को सूचना दी। एसीबी की टीम लेखपाल को गिरफ्तार कर धनबाद ले गई।

वन्यप्राणी आश्रयणी की सुरक्षा के लिए किए जाएंगे कई कार्य

बैठक करते आयुक्त व अन्य • फोटोन न्यूज

HAZARIBAG : उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल अंतर्गत आने वाले हजारीबाग एवं कोडरमा वन्यप्राणी आश्रयणी क्षेत्रों की परिस्थितिकी संवेदी जोन (इको-सेंसेटिव जोन) के अनुश्रवण के लिए गठित निगरानी समिति की बैठक बुधवार को हुई। आयुक्त उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडलीय कार्यालय के सभा कक्षा में हुई बैठक की अध्यक्षता आयुक्त, उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल, हजारीबाग द्वारा की गई। बैठक का उद्देश्य अधिसूचना में वर्णित पर्यावरणीय प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन एवं संरक्षण गतिविधियों की निगरानी सुनिश्चित करना था। बैठक में जिन महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया, उसमें जोनल मास्टर प्लान बाह्य स्त्रोत के जरिए तैयार करने, डीवीसी द्वारा संचालित ऊर्जा संयंत्र से उत्सर्जित फ्लाई ऐश/पौंड ऐश के निष्पादन, इको सेंसिटिव जोन में सम्मिलित ग्रामों की सूची एवं नक्शा में भिन्नता, कोडरमा वन्यप्राणी आश्रयणी के ईको सेंसिटिव जोन अंतर्गत मौजा मेघातरी में प्रस्तावित पेट्रोल पंप निर्माण पर विचार करने आदि पर चर्चा की गई।

दिनदहाड़े बदमाशों ने फाइनेंस कर्मी से लूटे 97.4 हजार रुपये

DUMKA : जिला के सरैयाहाट थाना क्षेत्र के केंदुआ गांव के समीप बाइक सवार अपराधियों के जरिये माइक्रो फाइनेंस कंपनी के कर्मी से लूटपाट की घटना का मामला सामने आया है। घटना को लेकर भारत फाइनेंस नामक कंपनी के हंसडीहा ब्रांच के मैनेजर रोहित कुमार के जरिये प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। घटना बीते 28 अप्रैल की है। पुलिस ने घटना के जांच के बाद प्राथमिकी 30 अप्रैल को दर्ज की है। घटना के विषय में मिली जानकारी के अनुसार फाइनेंस कर्मी विभिन्न गांवों से राशि कलेक्शन कर केंदुआ के रास्ते सरैयाहाट जा रहे थे। इसी दौरान केंदुआ पहाड़ के समीप बाईक सवार तीन बदमाशों ने उनका रास्ता रोक उन्हें धक्का दे सड़क पर गिरा दिया और कंपनी की

97,450 रुपये नगद सहित मोबाइल फोन और टैब लूट कर फरार हो गये। इसके बाद उसने 100 डायल पर फोन कर पुलिस को घटना की जानकारी दी। सरैयाहाट दो दिनों में लगातार दो लूट की घटना ने पुलिस का सिरदर्द बढ़ा दिया है। इससे पूर्व बंदरी में पुलिस की वर्दी में आए अपराधी ने लाखों की लूटपाट की थी अब माइक्रो फाइनेंस कर्मी से लूट की घटना को अंजाम दिया है।

एके पंडा बने सेल के निदेशक (वित्त-लेखा) आदेश जारी

BOKARO : स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के नए निदेशक (वित्त-लेखा) अशोक कुमार पंडा बनाए गए हैं। इनके नाम पर कैबिनेट कमेटी ने

बुधवार को अंतिम स्वीकृति प्रदान कर दी है। वे गुरुवार को अपना कार्यभार ग्रहण कर लेंगे। पंडा अभी भिलाई इस्पात संयंत्र के अधिशासी निदेशक (वित्त-लेखा) थे।

सेल के निवर्तमान निदेशक (वित्त-लेखा) एके तुलसीआनी 31 मार्च को रिटायर हो गए थे। इसके बाद से यह पद रिक्त था। इस पद पर उनका कार्यकाल 1 अप्रैल 2025 से 31 दिसंबर 2029 तक प्रभावी होगा।

वेस्ट बोकारो में शुरू हुआ अत्याधुनिक फायर स्टेशन

AGENCY RAMGARH : रामगढ़ जिले के वेस्ट बोकारो एरिया को एक नया फायर स्टेशन मिला है। टाटा कंपनी ने फायर स्टेशन का निर्माण किया है। फायर स्टेशन को स्थानांतरित करने का निर्णय इस वजह से लिया गया क्योंकि इसका पुराना स्थान क्वैरी एबी के पास था, जो अब एक सक्रिय खनन क्षेत्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए अप्रैल 2024 में नए स्टेशन का निर्माण शुरू किया गया।

इसे अप्रैल 2025 में निर्धारित समय सीमा के भीतर सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया। करीब 1,600 वर्ग मीटर में फैले इस आधुनिक फायर स्टेशन में वह सभी सुविधाएं मौजूद हैं, जो किसी भी आपात स्थिति में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करती हैं। इसमें समर्पित

वेस्ट बोकारो का नवनिर्मित फायर स्टेशन • फोटोन न्यूज

फायर टेंडर पार्किंग और रिफिलिंग स्टेशन, अत्याधुनिक कंट्रोल रूम, प्रभारी अधिकारी का कार्यालय, अग्निशमन उपकरणों का संग्रहण केंद्र, 30 कर्मियों के लिए डॉर्मिट्री तथा एक सुव्यवस्थित किचन और डाइनिंग एरिया शामिल हैं। इस नए स्थान से फायर यूनिट वेस्ट बोकारो के किसी भी क्षेत्र तक केवल 10 मिनट में पहुंच सकती है। स्टेशन दो शक्तिशाली फायर टेंडरों से सुसज्जित है, जिनमें प्रत्येक की क्षमता 5000 लीटर पानी और 500 लीटर मैकेनिकल फोम की है। इसके अतिरिक्त, कर्मियों के लिए सुरक्षा जैकेट्स, रेस्क्यू टूल किट्स, स्मोक कटर लाइट्स, फुल-बॉडी हार्नेस, ब्रीदिंग अप्परैटस सहित तमाम अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं। यह फायर स्टेशन केवल एक संरचना नहीं, बल्कि टाटा स्टील की सुरक्षा संस्कृति, समुदाय के प्रति प्रतिबद्धता और सतत विकास के विजन का जीवंत प्रतीक है।

जंक और फास्ट फूड से रहें दूर, हर दिन सुबह या शाम 45 मिनट जरूर चलें

भोजन के समय टीवी-मोबाइल देखने से बढ़ता मोटापा

PHOTON NEWS DHANBAD: ऊंचाई की तुलना में शरीर का वजन यदि 25 बॉडी मास इंडेक्स से ज्यादा हो, तो इसे मोटापा की श्रेणी में रखा जाता है। मोटापा आज विभिन्न गैर संचारी रोग का बड़ा कारण बन रहा है। ऐसे में जरूरी है दिनचर्या में बदलाव, पौष्टिक आहार, तनाव रहित जीवन अपना कर मोटापा और इससे होने वाली बीमारियों से बचा जा सकता है। ये बातें शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज-अस्पताल के प्रीवेंटिव एंड कम्युनिटी मेडिसिन के विभागाध्यक्ष डॉ. रवि भूषण झा ने कहीं।

उन्होंने बताया कि मोटापा होने की वजह से हृदय रोग, लकवा, मधुमेह और ब्लड प्रेशर जैसी बीमारी होना आम बात हो गई है। मोटा पर नियंत्रण नहीं किया गया तो यह आगे चलकर कैंसर और आर्थराइटिस को भी न्योता देता है।

डॉ. रवि भूषण झा

मां के दूध में मोटापा नियंत्रित करने की क्षमता

डॉ. झा ने बताया कि नवजात बच्चे को 6 महीने तक मां के दूध के अलावा कोई ऊपरी आहार नहीं देना चाहिए। ऐसा पाया क्या है की मां के दूध में ऐसे एंजाइम होते हैं, जो मोटापा को नियंत्रित करता है। 6 महीने के जो बच्चे ज्यादा वजन के होते हैं, उससे यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि उसे मां के दूध के अलावा ऊपरी दूध अथवा आहार दिया जा रहा है। जो बच्चे शुरूआत में मोटे होते हैं, आमतौर पर वयस्क होने पर भी वह मोटे रह जाते हैं। यह मोटापा विभिन्न बीमारियों का कारण बनता है।

फास्ट और जंक फूड से बच्चों को रखें दूर

आजकल फास्ट फूड और जंक फूड का चलन काफी बढ़ गया है। इसमें दो गंभीर बातें हैं। यह शरीर के लिए काफी नुकसानदेह होता है, क्योंकि इसके सेवन से शरीर के जरूरी पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं। ऊपर से हाई कार्ब और प्रोटीन होने की वजह से बच्चे जल्दी मोटे हो जाते हैं। ऐसे में फास्ट और जंक फूड से बच्चों को दूर रखें।

मोटापा से बचने के लिए क्या करें

- हर दिन 45 मिनट जरूर पैदल चलें, इसके लिए सुबह होना जरूरी नहीं है, जब भी मौका मिले चाहे दोपहर हो या शाम, टहलने जरूर जाएं।
- जितना खाना खाते हैं, उससे आधा खाना ही खाएं, कोशिश करें कि रात 8 बजे के बाद कुछ भी नहीं खाएं।
- फास्ट फूड, जंक फूड, अल्कोहल, धूम्रपान से दूरी बनाएं।
- जीवन में तनाव को कम करने की कोशिश करें, अपने परिवार को समय दें, घूमने जाएं।

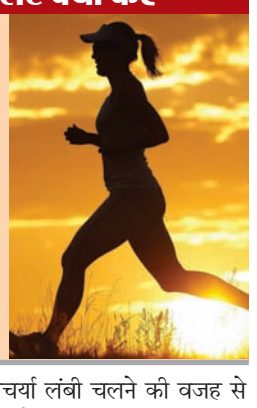

उन्होंने कहा कि लोगों में तेजी से मोटापा बढ़ रहा है, इसका एक बड़ा कारण हाल के दिनों में एक शोध में सामने आया है। उन्होंने बताया कि भोजन करते वक्त लोग मोबाइल या टीवी देखते हैं, तो इससे मस्तिष्क की संवेदी तांत्रिकाएं स्क्रीन पर रहती हैं और उन्हें पता नहीं चल पाता कि पेट को कितना भोजन चाहिए। लोग जरूरत से ज्यादा खा लेते हैं या कुछ ना कुछ खाते रहते हैं। यह दिनचर्या लंबी चलने की वजह से शरीर में अतिरिक्त वसा का जमाव होने लगता है, जो मोटापा का कारण बनता है।

बिजली समस्या को लेकर अधीक्षण अभियंता से मिला चैंबर प्रतिनिधिमंडल

RAMGARH : रामगढ़ जिले में बिजली की समस्या को लेकर रामगढ़ चेंबर ऑफ मर्स एंड इंडस्ट्रीज ने पहल की है। विद्युत आपूर्ति की लचर व्यवस्था के संबंध में अधीक्षक अभियंता से मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने पावरकट की मेंटेनेंस के लिए निर्धारित समय ओवरहेड वायर सहित स्मार्ट मीटर से जुड़ी परेशानियां बतायी। साथ ही इन सब विषयों को लेकर बुधवार को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में विद्युत विभाग 5 एवी स्विच का उपयोग करने, स्मार्ट मीटर लगने के बाद भी बिल निर्गत नहीं होने, बिजली विभाग के अधिकारियों के कार्यालय में बैठने की समय सुनिश्चित होने, बिजली के तारों की स्थिति जर्जर अवस्था को ठीक करने, रामगढ़ शहर में 33 हजार केबीए के ओवर हेड तार को अंडरग्राउंड करने, भुरकुंडा बाजार में जर्जर तारों को ठीक करने जैसी मांग शामिल हैं। इन सभी मुद्दों पर अधीक्षक अभियंता ने चेंबर के प्रतिनिधिमंडल से वार्ता की।

बहरागोड़ा कॉलेज की सभी सूचनाएं पारदर्शी हों : प्राचार्य

शिक्षकों व कर्मचारियों के साथ बैठक करते प्राचार्य

BAHRAGORA : बहरागोड़ा कॉलेज में बुधवार को प्राचार्य डॉ. बीके बेहरा की अध्यक्षता में शिक्षक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों की बैठक हुई' अपने संबोधन में प्राचार्य ने कहा कि कॉलेज से संबंधित हर सूचना पारदर्शी होनी चाहिए। मॉडल कॉलेज के रूप में चयन के उपरांत प्राप्त राशि के खर्च का संपूर्ण ब्यूरो मानव संसाधन विकास विभाग रांची को उपलब्ध करा दिया गया है' पिछली बार सीमित संसाधन के बावजूद नैक से हमें ग्रेड-बी प्राप्त हुआ था' चार-पांच वर्षों में संसाधनों का काफी विकास हुआ है' उन्होंने महाविद्यालय के वेब पेज को उच्च दर्जे तक ले जाने और उसे व्यवस्थित करने का निर्देश दिया' विद्यार्थियों की उपस्थित पंजी का संधारण नियमित तौर पर होना चाहिए' आवश्यकता आधारित शिक्षकों की कक्षा से संबंधित विस्तृत जानकारी संधारित की जाए। पिछले 5 वर्ष में विद्यार्थियों से प्राप्त प्रोजेक्ट की कॉपी भी संधारित की जाए। लाइब्रेरी में उपलब्ध पुस्तकों की सूचना भी संधारित करें' राज्य सरकार की ओर से कॉलेज का चयन आर्ट ऑफ कॉलेज के रूप में किया गया है' इसका श्रेय भी सभी कर्मचारियों को है' हम सभी को अभी से नैक की तैयारी में जुट जाना है'

BRIEF NEWS

एक्सीलेंट पब्लिक स्कूल में हुआ योग जागरूकता शिविर का आयोजन

RANCHI : बुधवार को आनंद मार्ग प्रचारक संघ के तत्वाधान में शहर के सिमलिया स्थित एक्सीलेंट पब्लिक स्कूल के प्रांगण में एक दिवसीय योग जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 500 बच्चों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के मुख्य प्रशिक्षिका रांची के प्राख्यात स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर आचार्या करुणा शाहदेव ने योग की महत्ता के वैज्ञानिक पक्ष पर बच्चों को प्रशिक्षित किया। उन्होंने योग के बिषय में बताते हुए कहा किसंयोगो योगो इत्युक्तो जीवात्मा का परमात्मा में मिल जाने की जो प्रक्रिया है इसे ही योग कहते हैं। परम पुरुष का सबसे जटिल संरचना मानव संरचना है।

मौलाना अंसारुल्लाह कासमी बनाए गए शहर काजी

RANCHI : हजरत मौलाना कारी अंसारुल्लाह कासमी को शहर काजी बनाया गया। यह निर्णय झारखंड सरकार के राजस्व निबंधन व भूमि सुधार विभाग ने काजी अधिनियम के तहत शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल के आदेश पर हुआ हैं। राजस्व निबंधन व भूमि सुधार विभाग ने अधिसूचना जारी किया है। इसमें लिखा है कि काजी अधिनियम 1880 संख्या-12 कंडिका 2 शक्तियों का प्रयोग करते हुए झारखंड राज्यपाल के आदेश से हजरत मौलाना कारी अंसारुल्लाह पिता स्वर्गीय कारी अलीमुद्दीन मदीना मस्जिद हिंदपीढ़ी को रांची जिलान्तर्गत भारतीय मुस्लिम समुदाय के बीच विवाह अनुष्ठानिरुत करने तथा प्रमाण-पत्र देने हेतु शहर काजी की अनुज्ञप्ति देते हैं एवं उन्हें विवाह निबंधक घोषित करते हैं।

सरला बिरला स्कूल में एआई हेल्थ मशीन का हुआ उद्घाटन

RANCHI : सरला बिरला पब्लिक स्कूल में एक विशेष मशीन का उद्घाटन किया गया, जिसे एआई पावर्ड हेल्थ स्क्रीनिंग कीओस्क कहा जाता है। इस मशीन का नाम प्रोफिलैक्सिस है। यह मशीन छात्रों के स्वास्थ्य की जांच के लिए विकसित की गई है और इसके माध्यम से ब्लड प्रेशर, सुगर लेवल तथा श्वसन प्रणाली की जाँच जैसे कई महत्वपूर्ण परीक्षण किए जा सकते हैं। इस पहल का उद्देश्य यह है कि किसी भी बीमारी की समय रहते पहचान की जा सके, जिससे छात्रों का स्वास्थ्य बेहतर बना रहे और उनका समग्र विकास हो सके।

हिज्ब-उत-ताहिर की शबनम है बेहद खतरनाक, धार्मिक कट्टरता के मिले सबूत

PHOTON NEWS RANCHI : आतंकी संगठन हो या फिर उनके स्लीपर सेल, झारखंड अक्सर इन्हें लेकर चर्चा के केंद्र में रहा है। देश के कई राज्यों में बम धमाकों में शामिल रहे संदिग्ध आतंकी झारखंड के विभिन्न शहरों से गिरफ्तार होते रहे हैं। लेकिन, पहली बार झारखंड से एक संदिग्ध महिला को भी गिरफ्तार किया गया है। उसके मोबाइल में विस्फोटक जानकारियां भरी पड़ी हैं। ये हैं धनबाद से गिरफ्तार शबनम। शबनम को ही आतंकी संगठन हिज्ब-उत-ताहिर का एक बड़ा हैंडलर माना जा रहा है।

भारत में प्रतिबंधित आतंकी संगठन हिज्ब उत-ताहिर के झारखंड मॉड्यूल के खुलासे के बाद धनबाद के वासेपुर में हड़कंप मचा हुआ है। झारखंड पुलिस के एंटी टेररिस्ट स्कॉट ने पहली बार झारखंड से एक संदिग्ध महिला को गिरफ्तार किया है। 20 वर्षीय महिला बेहद खतरनाक बताई जा रही है। झारखंड एटीएस के एसपी ऋषभ झा ने बताया कि पहले तो शबनम शक की घेरे में नहीं थी, लेकिन जब उसके मोबाइल की जांच की गई तो पूरी एटीएस की टीम भी हैरान हो गई। आरोपी के मोबाइल में कई ऐसे तथ्य पाए गए हैं, जो बेहद आपत्तिजनक हैं।

झारखंड मॉड्यूल के खुलासे के बाद धनबाद के वासेपुर में मचा है हड़कंप

चार लोग हुए थे गिरफ्तार

एटीएस की टीम ने संदिग्ध महिला के साथ इस मामले में कुल चार लोगों को गिरफ्तार किया था। जिसमें संदिग्ध शबनम का पति भी शामिल है। संदिग्ध के मोबाइल से जानकारी मिली है कि वह लगातार अपने आसपास के लोगों को भी जिहाद के लिए भड़का रही थी। अपने पति और बाकी गिरफ्तार संदिग्धों को भी उसी ने भड़काया था। शबनम के मोबाइल से एटीएस को कई अहम जानकारी मिली है। उसके मोबाइल पर देश विरोधी मैसेज भी मिले हैं। एटीएस संदिग्ध के मोबाइल पर मैसेज भेजने वालों के बारे में जानकारी इक्ट्ठा कर रही है। साथ ही उसके दूसरे राज्यों या फिर विरोधी कनेक्शन के बारे में भी जानकारी जुटा रही है।

हथियारों और दस्तावेजों की जांच शुरू

एटीएस एसपी ऋषभ झा के अनुसार, संदिग्धों के पास से दो बेहद उम्दा किस्म के हथियार बरामद हुए हैं। बरामद हथियार विदेशी है या देश में निर्मित है, इसकी भी जांच की जा रही है। एटीएस अफसरों के अनुसार संदिग्धों के पास से जब्त दस्तावेजों की जांच शुरू कर दी गई है। गौरतलब है की झारखंड एटीएस ने हिज्ब उत-ताहिर संगठन से जुड़े चार संदिग्धों को शनिवार को धनबाद के वासेपुर से गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार आरोपियों में धनबाद के वासेपुर अलीनगर से 21 वर्षीय गुलफाम हसन, भूली के आजाद नगर अमन सोसायटी से 21 वर्षीय आयान जावेद, शमशेर नगर गली नंबर-3 से आयान की पत्नी 20 वर्षीय शबनम परवीन और 20 वर्षीय मोहम्मद शहजाद आलम शामिल हैं।

शबनम से शादी के खिलाफ थे अयान के परिजन

एटीएस की जांच में यह बात भी सामने आई है कि धनबाद के वासेपुर के भूली आजाद नगर निवासी आयान जावेद की शादी शबनम परवीन से हुई थी। इस रिश्ता से आयान जावेद के परिजन खुश नहीं थे। वे इस रिश्ता का विरोध करते थे। परिवार के विरोध के बावजूद आयान जावेद ने शबनम से शादी कर ली। बताया जा रहा है कि आयान जावेद के परिजनों को शबनम की गतिविधि की जानकारी थी?। उन्हें यह पता था कि वह कुछ देश विरोधी कार्यों से जुड़ी हुई है। जिसकी वजह से आयान का परिवार शबनम को पसंद नहीं था।

दोबारा निर्णय के लिए निचली अदालत को भेजने से पहले दोषपूर्ण आदेश को स्पष्ट रूप से करें रद्द

डीसीएलआर खुद दे सकते थे आदेश, सीओ को भेजा तो स्पष्ट निर्देश जरूरी : हाईकोर्ट

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट ने पिछले दिनों अपने एक आदेश में कहा है कि जब कोई अपीलीय पदाधिकारी किसी मामले को दोबारा निर्णय के लिए निचली अदालत को भेजता है तो उसे दोषपूर्ण आदेश को स्पष्ट रूप से रद्द करना चाहिए। साथ ही मामले के निष्पादन के लिए समय सीमा भी तय करनी चाहिए, ताकि अनावश्यक विलंब से बचा जा सके। हाईकोर्ट ने यह आदेश एक रिट याचिका की सुनवाई करते हुए दिया, जिसमें गिरिडीह जिले के याचिकाकर्ता मोहम्मद सफराज मिर्जा ने गिरिडीह सीओ द्वारा भूमि का म्यूटेशन नहीं किये जाने के विरुद्ध हाईकोर्ट का रुख किया था। दरअसल सरफराज की म्यूटेशन अर्जी को सीओ ने इस आधार पर खारिज कर दिया कि उन्होंने जरूरी भूमि दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किये थे। सीओ के आदेश को उन्होंने भूमि सुधार उप समाहर्ता (डीसीएलआर) गिरिडीह के पास अपील की। डीसीएलआर ने इस मामले को फिर से सीओ को सुनवाई कर आदेश पारित करने के लिए भेज दिया। लेकिन सीओ की ओर से सुनवाई में काफी देर की गयी।

हाईकोर्ट ने याचिका का निपटारा करते हुए गिरिडीह डीसीएलआर को निर्देश दिया कि आदेश की प्रति प्राप्त होने या प्रस्तुत किये जाने की तारीख से चार सप्ताह के भीतर नया आदेश पारित करें।

स्पेशल ब्रांच के दरोगा अनुपम की हत्या के आरोपियों को हाईकोर्ट से बेल

RANCHI : स्पेशल ब्रांच के दरोगा अनुपम कच्छप की हत्या के दो आरोपियों मनोहर कुमार सिंह और संजय सिंह को हाईकोर्ट ने बेल दे दी है। हाईकोर्ट ने दोनों को 25-25 हजार के निजी मुचलके जमा करने और आधार कार्ड में बदलाव नहीं करने और ट्रायल के दौरान इस केस से जुड़े गवाहों को प्रभावित नहीं करने की शर्त पर बेल दी है। मनोहर कुमार सिंह और संजय सिंह की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट के न्यायधीश जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की कोर्ट में सुनवाई हुई। आरोपियों की ओर से अधिवक्ता सूरज किशोर प्रसाद ने बहस की। दरअसल पिछले वर्ष दो अगस्त की देर स्पेशल ब्रांच के दरोगा अनुपम कच्छप की गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी।

जेवीएम के भाजपा में विलय को चुनौती देने वाली याचिका में बाबूलाल बने प्रतिवादी

RANCHI : भारतीय जनता पार्टी में झारखंड विकास मोर्चा के विलय को स्वीकृति देने के भारतीय निर्वाचन आयोग के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने बाबूलाल मरांडी को प्रतिवादी बनाने का आग्रह स्वीकार कर उन्हें प्रतिवादी बनाया है। अब अदालत इस मामले में गर्मी छुट्टियों के बाद सुनवाई करेगा।

दरअसल वर्ष 2019 में हुए विधानसभा चुनाव में झारखंड विकास मोर्चा (जेवीएम) के तीन प्रत्याशियों बाबूलाल मरांडी, प्रदीप यादव और बंधु तिर्की की जीत हुई थी। चुनाव में जीत के बाद जेवीएम सुप्रीमो बाबूलाल मरांडी ने पार्टी का विलय बीजेपी में कर लिया था।

बाबूलाल मरांडी के इस फैसले का विरोध करते हुए दो विधायक प्रदीप यादव और बंधु तिर्की कांग्रेस में शामिल हो गए। बीजेपी में जेवीएम के विलय को भारत निर्वाचन आयोग ने सही माना। आयोग के इस फैसले को प्रदीप यादव ने हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी। उसी याचिका पर हाईकोर्ट सुनवाई कर रहा है।

विद्यार्थियों को लक्ष्य प्राप्ति के लिए शिक्षा देती है हमारी यूनिवर्सिटी : स्वामी सत्यचैतन्य

PHOTON NEWS RANCHI : हमारी यूनिवर्सिटी सिर्फ डिग्रियां नहीं बांटती, बल्कि विद्यार्थियों को वह शिक्षा देती है, जिससे वे अपने लक्ष्य की प्राप्ति कर सकें। बुधवार को रांची प्रेस क्लब में मीडिया के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कटक स्थित श्री श्री यूनिवर्सिटी के कार्मिक निदेशक स्वामी सत्यचैतन्य ने यह बात कही। इस दिन रांची के शिक्षाविदों, शिक्षाप्रेमियों, झारखंड राज्य के प्रमुख गणमाध्यम संस्थानों और महाविद्यालय जाने के लिए तैयारी करते हुए विद्यार्थियों के लिए एक सुनहरा अवसर प्रदान किया। क्योंकि कटक, ओडिशा से आए हुए श्री श्री यूनिवर्सिटी के कर्त्ताधाताओं ने उनको ज्ञानलोक से संबंधित दिशा-निर्देश किया। विश्वविद्यालय के कार्मिक निदेशक स्वामी सत्यचैतन्य, फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन तथा वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. (डॉ.) रबी नारायण सतपथी प्रमुख उन समूहों के सामने अपने पक्ष रखते हुए नैतिक मूल्यबोध आधारित शिक्षा और शिक्षण संस्थानों के बारे में विस्तार से वर्णन किया।

स्वामी जी ने पत्रकारों के प्रश्नों के उत्तर देते हुए केंद्र सरकार की राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सराहना की और बोले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज समय की मांग है और सभी को इसके बारे में सीखना जरूरी है। हमारे सभी विभागों की सभी शाखाओं में इसका उपयोग सही मायने में हो रहा है। इसके साथ ही बातों-बातों में उन्होंने बताया कि श्री श्री विश्वविद्यालय किस प्रकार गुणात्मक शिक्षा के प्रचार और प्रसार के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है। वर्ष 2009 में स्थापित और 2012 से क्रियाशील यह विश्वविद्यालय प्रति वर्ष लगभग सौ प्रतिशत विद्यार्थियों को नियुक्ति के अवसर प्रदान करती है। वर्तमान में विश्वविख्यात मानवतावादी और आध्यात्मिक गुरु परम पूज्य श्री श्री रविशंकर जी द्वारा स्थापित इस विश्वविद्यालय में 28 राज्यों और 8 देशों से लगभग 3500 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं।

मदरसे के बच्चे समाज की रीढ़ हैं : मौलाना तहजीबुल हसन

PHOTON NEWS RANCHI : बुधवार को एक दिवसीय मजलिस तहफ्फुज अवकाफ व शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन जामिया अरबिया कासिमुल-उलूम बयासी जिला रांची झारखंड का आयोजन किया गया। तहफ्फुज अवकाफ पर भी विस्तृत चर्चा हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता हाफिज अब्दुस सुभान अल-हुसैनी ने की और संचालन जामिया अरबिया कासिमुल-उलूम बयासी के प्रधानाचार्य हजरत मौलाना मुशर्रफ आलम कासमी ने किया। अपने स्वागत भाषण में उन्होंने मदरसों की महत्ता पर प्रकाश डाला और कहा कि आज केंद्र सरकार इन मदरसों को बंद करना चाहती है, जबकि ये मदरसे धर्म के किले हैं। आज वक्फ का दर्जा खत्म करने की साजिश हो रही है। हम पहलगाम हमले में शहीद हुए लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। इस दौरान कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि हजरत मौलाना हाजी सैयद तहजीबुल-हसन रिजवी इमाम जुमा मस्जिद जाफरिया रांची ने अपने संबोधन में कहा कि छात्र का स्थान महान है। ये मदरसे के बच्चे समाज की रीढ़ हैं। इस समय हर जगह वकफ की चर्चा हो रही है। हमारे अपने लोगों ने ही वकफ को नुकसान पहुंचाया है। ये वक्फ की दुकान का किराया के खुद 15,000 रुपये लेते हैं और वक्फ बोर्ड को 500 रुपये दे रहे हैं। आज लोग उलेमा के खिलाफ बोल रहे हैं।

सीसीएल में 74 सेवानिवृत्त कर्मियों को दी गई विदाई

RANCHI : बुधवार को सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के मुख्यालय में सेवानिवृत्त होने वाले 74 कर्मियों को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। इनमें मुख्यालय में कार्यरत सात कर्मी- कुणाल,मुख्य प्रबंधक (उत्खनन), उत्खनन विभाग, राम कुमार सिंह, मुख्य प्रबंधक (खनन), वन विभाग, अरुण कुमार श्रीवास्तव, कार्यालय अधीक्षक, सुरक्षा एवं बचाव विभाग, तारा कुजूर, मैट्रन, गांधीनगर अस्पताल, श्याम सुंदर माजी, वरीय डीईओ, मार्केट एंड सेल्स विभाग, शेख तोफिर, कूक, वेलफेयर कैंटीन एवं जयंती चौधरी,जूनियर डीईओ, सिक्योरिटी विभाग भी शामिल रहे। समारोह में सीसीएल के निदेशक (मा.सं.) हर्षनाथ मिश्र एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी पंकज कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मिला एफजेसीसीआई शिष्टमंडल, सौंपा ज्ञापन

PHOTON NEWS RANCHI : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से बुधवार को फेडरेशन ऑफ झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (एफजेसीसीआई) के शिष्टमंडल ने राजभवन में मुलाकात की। शिष्टमंडल ने हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की और इसे मानवता के विरुद्ध जघन्य अपराध बताया।

शिष्टमंडल ने कहा कि यह कायराना हमला न केवल कश्मीर में शांति और पर्यटन को बाधित करने का कुत्सित प्रयास है, बल्कि वहां के स्थानीय लोगों की आजीविका पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला है।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि अनुच्छेद 370 के हटने के बाद से जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों की संख्या में ऐतिहासिक रूप से वृद्धि हुई थी। इस हमले से कश्मीर के पर्यटन विकास के साथ-साथ इस सेक्टर से जुड़े लोगों की आजीविका भी प्रभावित हुई है।

शिष्टमंडल ने इस सुनियोजित आतंकी घटना में शामिल दोषियों एवं उनके सहयोगियों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की बात कही।

शिष्टमंडल ने राज्य की गिरती विधि-व्यवस्था की ओर भी राज्यपाल का ध्यान आकृष्ट कराया।

सीसीएल मुख्यालय में विद्युत सुरक्षा व लोटो कार्यान्वयन पर हुई कार्यशाला

RANCHI : बुधवार को सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के मुख्यालय, रांची में विद्युत सुरक्षा, शटडाउन प्रक्रिया एवं लोटो के कार्यान्वयन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला। इस कार्यक्रम का उद्घाटन सीसीएल के निदेशक (तकनीकी/संचालन) चंद्रशेखर तिवारी द्वारा किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में खनन क्षेत्रों में विद्युत सुरक्षा, संरचित शटडाउन प्रक्रियाएं एवं लोटो प्रणाली के प्रभावी कार्यान्वयन की आवश्यकता और प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। इस कार्यशाला में सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों से आए कोलियरी अभियंता (विद्युत एवं यांत्रिक) तथा इलेक्ट्रिकल सेफ्टी ऑफिसर्स सहित कुल 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

बोकारो में आठ नक्सलियों के एनकाउंटर में मारे जाने के बाद बढ़ी दहशत

पुलिस की लगातार कार्रवाई से नक्सलियों में मचा हड़कंप

PHOTON NEWS RANCHI : नक्सलियों को जड़ से खत्म करने के लिए झारखंड पुलिस ने कमर कस ली है। पुलिस की लगातार कार्रवाई से झारखंड में नक्सलियों में हड़कंप मचा हुआ है। खासकर जब से बोकारो में आठ नक्सलियों का एक साथ एनकाउंटर हुआ है, तब से नक्सलियों में बेचैनी ज्यादा बढ़ गई है। आलम यह है कि दर्जन भर नक्सली आत्मसमर्पण के लिए पुलिस और केंद्रीय बलों से संपर्क करने में जुट गए हैं।

झारखंड में नक्सलियों के खिलाफ पुलिस का अभियान और एनकाउंटर में इनामी नक्सलियों के मारे जाने के बाद नक्सल संगठन में खलबली मची हुई है। झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया कि कई जिलों में नक्सली आत्मसमर्पण के लिए एसपी से संपर्क कर रहे हैं। डीजीपी ने बताया कि लगातार आत्मसमर्पण के लिए नक्सली हमारे जिलों के एसपी से संपर्क कर रहे हैं। ऐसे में वे भी चाहते हैं कि जो युवा रास्ता भटक कर हिंसा के मार्ग पर चल पड़े हैं, वे मुख्य धारा से जुड़ें।

दर्जन भर नक्सली आत्मसमर्पण के लिए लगा रहे मदद की गुहार

बेहतर है झारखंड सरकार की आत्मसमर्पण नीति

झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया कि झारखंड सरकार की आत्मसमर्पण नीति बेहद आकर्षक है। सरेंडर करने वाले नक्सलियों को सामान्य जेल के बजाय ओपन जेल में रखा जाता है। वहीं जो नक्सली आत्मसमर्पण करते हैं, उन्हीं को इनाम की राशि भी मिलती है। इस सरेंडर पॉलिसी का अगर इनामी नक्सली फायदा उठाते हैं तो वह एक बेहतर जीवन गुजार सकते हैं अन्यथा अगर उनकी जानकारी किसी आम नागरिक या सुरक्षा बलों को मिलती है और वह पुलिस तक उसकी सूचना पहुंचाते हैं या पकड़े जाते हैं, तो नक्सली की गिरफ्तारी के बाद रिवार्ड मनी आम पब्लिक या फिर सुरक्षाबलों के पास जाएगा। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि नक्सलियों के पास अब दूसरा कोई रास्ता नहीं है।

जिलों के एसपी के डीजीपी का निर्देश

मिली जानकारी के अनुसार, झारखंड के लोहरदगा, लातेहार, पलामू से लेकर कई जिलों में एक्टिव नक्सली कैडर आत्मसमर्पण के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। ऐसे में डीजीपी के द्वारा सभी जिलों के एसपी को यह निर्देश जारी किया गया है कि जो भी नक्सली कैडर पुलिस के सामने सरेंडर करना चाहते हैं। उनकी मदद कर उन्हें मुख्य धारा से जोड़ा जाए। डीजीपी ने जिलों के एसपी को यह भी निर्देश दिया है कि वो आत्मसमर्पण के लिए संपर्क करने वाले नक्सली कैडरों को झारखंड सरकार की आत्मसमर्पण नीति के तहत मिलने वाले लाभ की भी जानकारी दें।

हेराल्ड केस के साथ कांग्रेस की बढ़ रही संविधान को लेकर चिंता : बाबूलाल

RANCHI : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने बुधवार को कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर जमकर निशाना साधा है। मरांडी ने कहा कि झारखंड में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे संविधान बचाने की बात करने आ रहे हैं, तो क्या सबसे पहले आते ही वे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से हाफि जुल हसन के इस्तीफे की मांग करेंगे? क्योंकि ऐसे संविधान विरोधी व्यक्ति के साथ गठबंधन में बने रहना और उसी समय संविधान बचाओ रैली करना तो दोहरा चरित्र की परिभाषा ही है। उन्होंने कहा कि यह कोई इत्तेफाक नहीं है कि जैसे-जैसे नेशनल हेराल्ड केस की परतें खुलती जा रही हैं, कांग्रेस पार्टी की संविधान को लेकर चिंता भी बढ़ती जा रही है।

सेवानिवृत्त जनसेवक लेटेंगा उरांव को नम आंखों से दी गई विदाई

PHOTON NEWS RANCHI : बुधवार को बेड़ो प्रखंड कार्यालय में एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें जन सेवक लेटेंगा उरांव को उनकी सेवानिवृत्ति पर नम आंखों से विदाई दी गई। इस अवसर पर प्रखंड कर्मियों, अधिकारियों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने उनकी सेवाओं को याद करते हुए भावपूर्ण शब्दों में शुभकामनाएं दीं। समारोह की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) राहुल उरांव ने की। उन्होंने कहा कि लेटेंगा उरांव सहज, शालीन और कर्मठ अधिकारी रहे हैं। उन्होंने हमेशा समय का पालन करते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया। प्रधान सहायक फारूक नदीम ने कहा,लेटेंगा उरांव एक ईमानदार और समर्पित जनसेवक रहे। यह मेरे कार्यकाल का पहला अवसर है जब किसी कर्मचारी की सेवानिवृत्ति के दिन ही पेंशन, जीपीएफ सहित सभी कागजी प्रक्रियाएं शत-प्रतिशत पूर्ण हो पाई हैं इस अवसर पर प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी संजय तिर्की, राजेश नायक, सौरभ महली, परमानंद साहू, करमू कंदीर सहित अन्य कर्मियों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए लेटेंगा उरांव की सेवा भाव, कर्तव्यनिष्ठा एवं सौम्य व्यक्तित्व की सराहना की। समारोह में मुखिया लक्ष्मी कोया समेत अनेक प्रखंड कर्मी उपस्थित रहे।

समाचार सार

वरिष्ठ पत्रकार सिद्धिनाथ दूबे का निधन

ADITYAPUR : वरिष्ठ पत्रकार सिद्धिनाथ दूबे (75) का बुधवार को आदित्यपुर एलआईजी-रो हाउस स्थित आवास पर दोपहर में निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार देर शाम पार्वती घाट, बिष्टुपुर में संपन्न हुआ। स्व. दूबे कुछ माह से बीमार चल रहे थे। वे अपने पीछे पत्नी, पुत्र अमित, तीन विवाहित पुत्री सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। वे बक्सर (बिहार) जिला अंतर्गत शाहपुर थाना क्षेत्र के मूल निवासी थे।

मनीषा को दसवीं में मिला जिले में दूसरा स्थान

GHATSILA : संत जोसेफ कॉन्वेंट स्कूल काशिदा की 10वीं की परीक्षा में मनीषा झा ने 99.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिला में दूसरा स्थान हासिल किया है। मनीषा को गणित व अंग्रेजी में 98 को छोड़कर बाकी सभी विषयों में 100 में 100 अंक प्राप्त हुए हैं। इसी विद्यालय की करिश्मा गर्ग ने 98 प्रतिशत अंक लाकर विद्यालय में दूसरा और जिले में सातवां स्थान हासिल किया है। इस विद्यालय में तीसरा स्थान कृतिका मंडल, शहनवाज अली व आयुष कुमार महतो ने 92 प्रतिशत अंक लाकर प्राप्त किया है। धालभूमगढ़ निवासी सरकारी चिकित्सक डॉ. एसके झा की पुत्री मनीषा झा आईआईटी में दाखिला लेना चाहती है। वह कभी ट्यूशन नहीं पढ़ी।

संस्कृति बचाने को आगे आएं युवा : जगत माझी

ANANDPUR : चक्रधरपुर अनुमंडल अंतर्गत मनोहरपुर के आनंदपुर प्रखंड में बुधवार को कुडुख सरना पड़हा सद बमड़ी के तत्वावधान में झंडा पुनर्स्थापना कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक जगत माझी उपस्थित हुए। पारंपरिक नृत्य व पूजा-अर्चना के बाद विधायक ने कहा कि सामाजिक संस्कृति की रक्षा के लिए युवा पीढ़ी को आगे आना चाहिए। गंझू बरूवा व बसंती बरूवा के नेतृत्व में हुए कार्यक्रम में अर्चना ग्रुप, सीता ग्रुप, अंजू ग्रुप अनिता एंड करिश्मा ग्रुप, अलबिना एंड मीना ग्रुप, सीता मिंज ग्रुप आदि ने भजन व जतरा गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में कुडुख सरना जागरण मंच के अध्यक्ष रोबी लकड़ा, बुधेश्वर धनवार, सुनील तिर्की, कैलाश कुजूर, धर्मेंद्र बरूवा, जगरा तिर्की, मंगल सिंह एक्का, इदन उरांव, मनीष उरांव, अजय कच्छप, संजीव गंताइत, राजू सिंह समेत काफी संख्या में महिला-पुरूष उपस्थित रहे।

अहमदाबाद-हावड़ा एक्सप्रेस में यात्री की मौत

CHAKRADHARPUR : अहमदाबाद-हावड़ा एक्सप्रेस से यात्रा कर रहे एक यात्री की हार्ट अटैक से मौत हो गई। शव को चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन पर उतारा गया और इसकी सूचना परिजनों को दे दी गई। परिजन चक्रधरपुर के लिए रवाना हो गए। जानकारी के अनुसार, छत्तीसगढ़ के दुर्ग निवासी 70 वर्षीय मोहम्मद रफीक राउरकेला आ रहे थे। बोगी संख्या एस-1 के सीट नंबर 73 पर बैठे रफीक की तबीयत बिगड़ गई, जिससे वे राउरकेला में नहीं उतर सके। यात्रियों ने राउरकेला के बाद बेहोशी की हालत में देखने पर ट्रेन के टीटीआई को सूचना दी। टीटी ने चक्रधरपुर स्टेशन मास्टर को इसकी जानकारी दी। बता दें कि यात्री का छोटा भाई मोहम्मद फिरोज चक्रधरपुर रेल मंडल के एसएंडटी विभाग में चीफ ओएस के पद पर कार्यरत है। वे चक्रधरपुर जीआरपी पहुंच गए।

चाईबासा में ढाई करोड़ की लागत से बनेगा मंदिर

CHAIBASA : चाईबासा के टूंगरी स्थित मां तारा मंदिर परिसर में ढाई करोड़ की लागत से नए मंदिर का निर्माण होगा। इसका भूमिपूजन बुधवार को किया गया। इस मौके पर सचिव रितेश चिरानियां ने बताया कि चाईबासा शहर के बीचो-बीच टूंगरी में मां तारा मंदिर को नया स्वरूप दिया जाएगा। सभी के सहयोग से करीब ढाई करोड़ की लागत से भव्य मंदिर का निर्माण होगा। भूमिपूजन के पश्चात श्रद्धालुओं ने भंडारे का भोग-प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर उद्योगपति सह समाजसेवी मुकुंद रूंगटा व समाजसेवी बनवारी लाल नेवटिया भी उपस्थित थे।

अनुमंडल अस्पताल में लगा रक्तदान शिविर

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर स्थित अनुमंडल अस्पताल में बुधवार को रक्तदान शिविर लगाया गया, जिसमें 29 यूनिट रक्त संग्रह हुआ। स्वास्थ्य विभाग के निर्देश पर लगे शिविर का उद्घाटन विधायक सुखराम उरांव ने किया। इस मौके पर अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अंशुमन शर्मा, गौरीशंकर महतो, करण महतो, मनोज कुमार साह, श्यामल साव, जगन्नाथ प्रसाद महतो, विजय सिंह सामड, आर्यन हांसदा, भोलेनाथ बोदरा, पूर्ण चंद्र मुखी, बासुदेव मुखी आदि भी मौजूद थे।

सरकारी अस्पताल में शुरू हुई आईसीयू सुविधा

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर के अनुमंडल अस्पताल में बुधवार को विधायक सुखराम उरांव ने अल्ट्रासाउंड व दो बेड के आईसीयू कक्ष का उद्घाटन किया। इस मौके पर अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अंशुमन शर्मा, मनोज कुमार साह, पवन कुमार, जगन्नाथ प्रसाद महतो समेत काफी संख्या में स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थे।

जदयू के प्रदेश अध्यक्ष खीरू महतो पहुंचे

JAMSHEDPUR : जदयू के प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सदस्य खीरू महतो बुधवार शाम को जमशेदपुर पहुंचे। यहां उनका जगह-जगह स्वागत किया गया। महतो 1 मई को जदयू, पूर्वी सिंहभूम के तत्वावधान में बिष्टुपुर स्थित मिलानी हॉल में आयोजित होने वाले मजदूर दिवस सह कार्यकर्ता सम्मान समारोह में शामिल होंगे।

युवक की नदी में डूबकर हो गई मौत

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के झींकपानी थाना अंतर्गत टुटुगुटु के कासिया गांव निवासी रामजा पुरती (42) की नहाने के दौरान पानी में डूबकर मौत हो गई। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि मृतक रामजा पुरती मंगलवार को गांव स्थित नदी में नहाने गया था। लेकिन घर वापस नहीं आया। नदी की ओर शौच करने गए एक व्यक्ति ने पानी में शव देखा। इसके बाद उसने घटना की जानकारी ग्रामीणों को दी। जानकारी मिलते ही ग्रामीण नदी किनारे पहुंचे और शव को पानी से बाहर निकला। उसे आनन-फानन सदर अस्पताल चाईबासा लाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

दसवीं में 99.3 प्रतिशत रहा पूर्वी सिंहभूम जिले का रिजल्ट

100 प्रतिशत अंक लाकर शांभवी बनी नेशनल टॉपर, 77 प्रतिशत को 90 प्रतिशत से अधिक अंक मिले

रिजल्ट की खुशी मनाता शांभवी का परिवार ● फोटोन न्यूज

● इस बार 5088 छात्र हुए थे परीक्षा में शामिल

10वीं परीक्षा के पांच साल का रिजल्ट

वर्ष		प्रतिशत
2025	:	99.3
2024	:	99.2
2023	:	99.3
2022	:	99.4
2021	:	98.6
2020	:	98.2

PHOTON NEWS JSR: काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) ने बुधवार को आईसीएसई (10वीं) का परीक्षा परिणाम जारी कर दिया। पिछले साल की ही तरह इस बार भी शहर के स्कूलों का परिणाम शानदार रहा है और करीब 99.3 प्रतिशत बच्चे पास हुए हैं। 10वीं में करीब 77 प्रतिशत से अधिक स्टूडेंट्स का स्कोर 90 प्रतिशत से अधिक है। 97 से 100 प्रतिशत के बीच मार्क्स प्राप्त करने वाले स्टूडेंट्स की संख्या करीब 6 प्रतिशत है। इस साल 10वीं की परीक्षा में शहर के 5088, स्टूडेंट्स शामिल हुए थे। इसमें से 2610 लड़के, तो 2478 लड़कियां हैं। अगर पास प्रतिशत की बात करें तो यहां भी लड़कियां आगे रहीं।

जहां 99 प्रतिशत लड़के तो 99.6 प्रतिशत लड़कियां पास हुई हैं। लोयोला की छात्रा शांभवी जायसवाल को 100 प्रतिशत अंक प्राप्त हुआ है और व नेशनल टॉपर बनी हैं।

जमशेदपुर का रिजल्ट : एक नजर

आईसीएसई 10वीं के टॉप फाइव

छात्र	प्रतिशत	स्कूल
1. शांभवी जायसवाल	100	लोयोला स्कूल
2. वंश जवानपुरिया	99.40	डीबीएमएस इंग्लिश स्कूल
3. कुमार अविनाश	99.20	डीबीएमएस इंग्लिश स्कूल
4. कुणाल खेमका	99	डीबीएमएस इंग्लिश स्कूल
5. लुव्या अग्रवाल	98.8	डीबीएमएस इंग्लिश स्कूल

12वीं साइंस के टॉप फाइव

1. अनुष्या सिंह	99.5	एलएफएस, टेल्को
2. डी साहू	99.25	एलएफएस, टेल्को
3. निकुंज अग्रवाल	99	डीबीएमएस इंग्लिश स्कूल
3. वेदांत सारस्वत	99	नरभेराम हंसराज इंग्लिश स्कूल
4. शौर्या मिश्रा	98.75	एलएफएस टेल्को
4. बर्तिका कुमार	98.75	नरभेराम हंसराज इंग्लिश स्कूल
5. प्रियंका चक्रवर्ती	98.50	हिलटॉप स्कूल, टेल्को

प्रतीकात्मक तस्वीर

आईएससी में शहर के 98.35 प्रतिशत छात्र हुए पास, आगे रहीं लड़कियां

इस प्रकार है पांच साल का रिजल्ट

वर्ष		प्रतिशत
2025	:	98.4
2024	:	98.35
2023	:	98.3
2022	:	98.2
2021	:	98.6
2020	:	98.25

JAMSHEDPUR : काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) ने रविवार को आईएससी (12वीं) का परीक्षा परिणाम जारी कर दिया। इसमें शहर के 4410 विद्यार्थी शामिल हुए थे। जिसमें 2115 लड़कियां तो 2295 लड़के शामिल है। अगर पास प्रतिशत की बात करें तो इस बार शहर के 98.4 प्रतिशत विद्यार्थी पास हुए हैं। इसमें 97.9 प्रतिशत लड़के तो 98.9 प्रतिशत लड़कियां पास हुई हैं। अगर साइंस व कॉमर्स टॉप टेन की सूची पर नजर डालें तो यहां भी लड़कियां लड़कों से आगे हैं। इंटरमीडिएट में एलएफएस की अनुष्या सिंह 99.5 प्रतिशत अंक लाकर जिला टॉपर बनी हैं।

बेल्डीह चर्च स्कूल में पेरेंट्स मीटिंग के दौरान स्कूल का गेट बंद करने पर हंगामा

सुबह 8.30 शुरू होनी थी मीटिंग, उसी समय गेट बंद करने का अभिभावकों ने लगाया आरोप

PHOTON NEWS JSR : बिष्टुपुर स्थित बेल्डीह चर्च स्कूल में बुधवार को हंगामा हो गया। यह हंगामा पैरेंट्स-टीचर मीटिंग को लेकर अभिभावकों ने किया। अभिभावक इस बात पर नाराज थे कि उन्हें पैरेंट्स-टीचर मीटिंग में बुलाया गया था, लेकिन जब वे अंदर जाने लगे तो गेट बंद कर दिया गया। बताते हैं कि बेल्डीह चर्च स्कूल में बुधवार को पैरेंट्स-टीचर मीटिंग होनी थी। सभी अभिभावकों को इसका मैसेज भी दिया गया था। स्कूल की वेबसाइट पर भी पैरेंट्स टीचर मीटिंग होने की बात बताई गई थी। यह मीटिंग दो स्लॉट में होनी थी। पहला स्लॉट सुबह 8.30 बजे शुरू होना था और दूसरा स्लॉट 10 बजे शुरू होना था। अभिभावकों का कहना है कि वे 8.31 बजे तक स्कूल पहुंच गए थे। लेकिन, जब अंदर घुसने लगे तो गेट बंद कर लिया गया और कहा गया कि अब 10 बजे की मीटिंग में आइए। कुछ अभिभावकों का कहना है कि वे 8.45 बजे स्कूल पहुंचे थे, उन्हें भी अंदर नहीं जाने दिया गया। ठीक 8.30 बजे स्कूल का गेट बंद कर दिया गया था। अभिभावकों का कहना है कि जब स्कूल ने समय दिया था तो उन्हें कैंपस में प्रवेश करने देना चाहिए था। पेरेंट्स अपना काम छोड़कर स्कूल पहुंचे थे। अब वह स्कूल से घर जाते और फिर वापस 10 बजे आते तो उनका समय बर्बाद होता। एक अभिभावक का कहना था कि वह काफी दूर परसूडीह से आए हैं। क्या अब वे 10 बजे तक इंतजार करें और फिर उसके बाद मीटिंग करके घर जाएं। एक अभिभावक का कहना था कि उसे ऑफिस जाना है। मीटिंग करके वह घर जाकर इसकी तैयारी करता। लेकिन, अब उसका समय नष्ट हो चुका है। हंगामा होते ही स्कूल के अन्य कर्मचारियों ने गेट पर पहुंचकर किसी तरह अभिभावकों को समझाया। बेल्डीह स्कूल की वाइस प्रिंसिपल एसए मोहंती का कहना है कि पैरेंट्स मीटिंग के लिए जो अभिभावक 8.30 बजे तक आ गए, उन्हें अंदर जाने दिया गया। उनके साथ मीटिंग भी हुई। जो अभिभावक 8.45 बजे स्कूल पहुंचे थे, उन्हें मीटिंग में जाने दिया जाता तो मीटिंग डिस्टर्ब होती।

बेल्डीह चर्च स्कूल गेट के बाहर जुटे अभिभावक व बच्चे ● फोटोन न्यूज

सरडेगा में निरीक्षण करने पहुंचे डीआरएम तरुण हुरिया ● फोटोन न्यूज

सरडेगा रनिंग रूम हादसे में विजिलेंस जांच की मांग

PHOTON NEWS CKP : चक्रधरपुर रेल मंडल के सरडेगा स्थित एमसीएल रनिंग रूम में 23 अप्रैल को सुरक्षा की अनदेखी एक गंभीर हादसे का कारण बन चुका है। किचन में जर्जर सिलिंडर पाइप से गैस लीक होकर विस्फोट होने की घटना पूरे दक्षिण पूर्व रेलवे जोन में इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। इस बीच आज चक्रधरपुर के डीआरएम तरुण हुरिया ने सरडेगा स्थित रनिंग तुम पहुंच कर घटनास्थल का जायजा लिया। इसके साथ ही उन्होंने रनिंग रूम का किचन दूसरी जगह स्थानांतरित करने के निर्देश दिए। इस दौरान डीआरएम के साथ रेलवे बोर्ड के अधिकारी भी मौजूद थे। ज्ञात हो कि पिछले दिनों डीआरएम हुरिया ने पत्रकारों को बताया था कि इस घटना से जुड़े ठेकेदार समेत अन्य दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। लेकिन, अबतक इस मामले में किसी पर कोई कारवाई नहीं की गई है। यूनियन ने इस हादसे की जांच विजिलेंस से कराने की मांग रखी है।

डीएमएफटी फंड में हुआ बड़ा घोटाला : बड़कुंवर गागराई

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला प्रशासन पर भाजपा के वरिष्ठ नेता सह पूर्व मंत्री बड़कुंवर गागराई ने डीएमएफटी फंड में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। बुधवार को चाईबासा स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से गागराई ने कहा कि डिस्ट्रिक्ट मिनिरल फाउंडेशन ट्रस्ट के फंड को खर्च करने के लिए जो प्रावधान बनाए गए हैं उनका उल्लंघन करते हुए गुजरात के सिलवासा की कंपनी जियोलिन इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड को जिले के 890 प्राथमिक विद्यालयों को मॉडल प्राथमिक विद्यालय बनाने का कार्य आवंटित किया गया है। इस कंपनी को 40 करोड़ 81 लाख रुपये की राशि से प्रत्येक विद्यालय में आठ तरह के सामान और उपकरण की व्यवस्था करनी है। पूर्व मंत्री ने कहा कि जिला प्रशासन की ओर से जिला योजना शाखा को योजना के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जो पूरी तरह गलत है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रशासनिक पदाधिकारी और जन प्रतिनिधियों की सहमति से ही यह सारा खेल हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना अखबार में विज्ञापन दिए यह टेंडर दिया गया है। जब इसकी पूरी जांच पड़ताल की गई तो जिला प्रशासन ने अखबार में विज्ञापन देने की बात कही, लेकिन अखबार का नाम नहीं बताया। इससे कई सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने इस मामले की पूरी जांच करने की बात कही है।

बड़कुंवर गागराई

आदित्यपुर रेलवे स्टेशन की डिप्टी सीटीआई की संदिग्ध हालात में मौत

JAMSHEDPUR : आदित्यपुर रेलवे स्टेशन में पदस्थापित डिप्टी सीटीआई प्रेम लता (52) की मंगलवार की रात संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। प्रेम लता के पति अनिल कुमार पोद्दार के अनुसार, रात करीब 10 बजे खाना खाने के बाद वह कुर्सी पर बैठकर आराम कर रही थीं, तभी उन्हें अचानक सांस लेने में तकलीफ होने लगी। घबराकर अनिल कुमार कार निकालने गए, लेकिन जब वे वापस लौटे तो देखा कि उनकी पत्नी बेसुध पड़ी हैं और मुंह से झाग निकल रहा है। आनन-फानन में एक पड़ोसी की मदद से वे उन्हें टीएमएच (टाटा मेन हॉस्पिटल) ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। प्रेम लता अपने परिवार के साथ रेलवे ट्रैफिक कॉलोनी में रहती थीं। बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। पति अनिल कुमार ने बताया कि उन्हें अब तक मौत के स्पष्ट कारणों की जानकारी नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद ही वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

जमशेदपुर से सटे गांवों को नगर निकाय बनाने का हो रहा विरोध

PHOTON NEWS JSR : जमशेदपुर के आसपास के गांव कीताडीह बागबेड़ा, छोटा गोविंदपुर, परसुडीह, घोड़ाबांधा आदि के ग्रामीण अपने ग्राम पंचायत को नगर निकाय नहीं बनने देना चाहते हैं। यहां के ग्रामीणों का कहना है कि अगर उनके क्षेत्र को नगर निकाय में बदल दिया गया तो उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ेगा। एक ग्रामीण का कहना है कि जुगसलाई में घरों से कचरा एकत्र करने के लिए पैसा लिया जाता है। इसके अलावा, भारी भरकम होल्डिंग टैक्स लिया जाता है। अगर उनके क्षेत्र भी नगर निकाय में शामिल हो गए तो उन्हें यह सब शुल्क देने होंगे। इन ग्राम पंचायतों के मुखिया ने बुधवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को संबोधित ज्ञापन डीसी अनन्य मित्तल को सौंपा। इस ज्ञापन में मांग की गई है कि उनके क्षेत्र को ग्राम पंचायत ही बने रहने दिया जाए। उनके इलाकों को नगर निकाय नहीं बनाया जाए। इनका कहना है कि उनके क्षेत्र को नगर पंचायत में तब्दील करने की प्रक्रिया चल रही है। इस प्रक्रिया को रोका जाए।

डीसी ऑफिस पहुंचे विभिन्न पंचायतों के मुखिया ● फोटोन न्यूज

क्या है सरकार की मंशा

सरकार की मंशा है कि जमशेदपुर से सटे पंचायतों को नगर निकाय बनाया जाए। पहले यहां छोटा गोविंदपुर, गदड़ा, परसुडीह, बागबेड़ा आदि को मिलाकर एक नया नगर निकाय बनाने का प्रस्ताव था। लेकिन, अब सरकार सोच रही है कि जुगसलाई नगर परिषद के आसपास का क्षेत्र बागबेड़ा, कीताडीह आदि को जुगसलाई में ही जोड़ दिया जाए। गौरतलब है कि साल 2019 में नगर विकास विभाग ने जिला प्रशासन को शहर से सटी पंचायतों को नगर निकाय में तब्दील करने का प्रस्ताव भेजा था। ग्रामीण इलाकों में इसका विरोध हुआ था। इसके बाद प्रस्ताव ठंडे बस्ते में चला गया था।

मानगो में पायल टॉकीज रोड पर बनेंगे 17 पियर, फ्लाईओवर निर्माण में चल रहा है ड्रिल का काम

मानगो चौक से पारडीह की ओर 4 महीने तक बाधित रहेगा यातायात

MUJTABA RIZVI @ JSR : मानगो फ्लाईओवर का निर्माण तेज गति से चल रहा है। अब मानगो चौक से पारडीह जाने वाली पायल टॉकीज रोड पर पियर (पिलरनुमा ढांचा) बनाने की प्रक्रिया शुरू है। इस रोड पर 17 पियर बनाए जाएंगे। इसके लिए 12 ड्रिल की जा चुकी है। पांच जगह पर ड्रिल करना बाकी है। ड्रिलिंग का काम चल रहा है। माना जा रहा है कि एक महीने के अंदर ड्रिल का काम पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद पियर निर्माण शुरू होगा। पियर बन जाने के बाद पियर कैप बनाए जाएंगे। तब तक लगभग 4 महीने तक इस रोड पर यातायात बाधित रहेगा।

मानगो चौक से पायल टॉकिज जाने वाली रोड पर हो रहा निर्माण ● फोटोन न्यूज

कुछ दूर तक वन-वे रहेगी सड़क

पायल टॉकीज रोड पर जहां अभी ड्रिलिंग का काम चल रहा है, वहां लगभग 200 मीटर सड़क वन-वे है। सड़क बंद होने से यातायात में दिक्कत हो रही है। बच्चों के स्कूल आने जाने के समय पर और शाम को जाम की स्थिति हो जाती है। वाहन रेंग कर चलते हैं। एक ही लेन से दोनों तरफ के वाहनों का आवागमन होता है। पथ निर्माण विभाग के अधिकारियों का कहना है कि लगभग 4 महीने तक जब तक पियर कैप बनकर तैयार होने तक लोगों को ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ेगा। एक बार मानगो फ्लाईओवर बन जाने के बाद हमेशा के लिए जाम की समस्या खत्म हो जाएगी।

ड्रिलिंग के बाद शुरू होगा पाइल फाउंडेशन का काम

मानगो फ्लाईओवर के निर्माण कार्य में लगी कंपनी के मैनेजर का कहना है कि पायल टॉकीज रोड पर अभी ड्रिलिंग का काम चल रहा है। ड्रिलिंग का काम पूरा होने के बाद पाइल फाउंडेशन बनाया जाएगा। पाइल फाउंडेशन के बाद पियर तैयार होंगे और फिर उनके ऊपर पियर कैप बनाया जाएगा।

किस रोड पर कितने पियर

मानगो फ्लाईओवर के निर्माण के लिए कुल 57 पियर बनाए जाएंगे। इनमें से 17 पियर मानगो चौक से पारडीह जाने वाले पायल टॉकीज रोड पर बनेंगे। मानगो चौक से ब्लू बेल्स स्कूल तक डिमना रोड पर 14 पियर बन चुके हैं। मानगो चौक से स्वर्णरेखा नदी की तरफ गांधी घाट के पास कुल 26 पियर बनाए जाएंगे। इधर भी पियर निर्माण का काम तेजी से चल रहा है। मानगो चौक से स्वर्णरेखा नदी की तरफ सड़क पर पियर का निर्माण बाकी है।

अगले साल तैयार हो जाएगा फ्लाईओवर

गौरतलब है कि मानगो के लोगों को जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए यहां 3 किलोमीटर 400 मीटर लंबा फ्लाईओवर का निर्माण चल रहा है। फ्लाईओवर का निर्माण इब्रा इस्कान और गुजरात की दिनेश चंद्र अग्रवाल की ज्वाइंट वेंचर वाली कंपनी कर रही है। इस ओवरब्रिज में 52 स्पान होंगे। माना जा रहा है कि फ्लाईओवर का काम अगले साल मार्च से पहले ही पूरा हो जाएगा।

अक्षय तृतीया को लेकर गंगा स्नान के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

अजगैबीनाथ गंगा तट पर गंगा स्नान करते श्रद्धालु

AGENCY BHAGALPUR : अक्षय तृतीया के बुधवार को जिले के सुल्तानगंज के अजगैबीनाथ गंगा तट पर गंगा स्नान करने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल सहित अन्य प्रदेशों से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने सुल्तानगंज के पवित्र उतरवाहिनी गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। इसके बाद फल, फूल, मेवा और अक्षर धूप दीप से मां गंगा की पूजा अर्चना कर अपने और अपने परिवार की सुख शांति और समृद्धि की कामना की। साथ ही श्रद्धालुओं ने गंगा तट पर अवस्थित बाबा अजगैबीनाथ मंदिर में बेलपत्र, फूल, अक्षय धूप में नैवेद्य से पूजा अर्चना कर अपने और अपने परिवार की सुख शांति और समृद्धि की कामना की। बिहार झारखंड सहित अन्य प्रदेशों से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा तट पर अपने बच्चों का मुंडन संस्कार कराया और गंगा में पाठी दान कर पुण्य की भागी बने। गंगा स्नान करने वाले श्रद्धालु ने गंगा तट पर घड़ा, चावल, दाल, आलू वस्त्र इत्यादि चीज ब्राह्मण को दान किया। शास्त्रों के अनुसार अक्षय तृतीया के दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करने से व्यक्ति को धन समृद्धि और सुख की प्राप्ति होती है। यही कारण है कि हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ गंगा तट पर गंगा स्नान को लेकर उमड़ी हुई है। वहीं हजारों श्रद्धालु गंगा स्नान के बाद गंगाजल भरकर बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर के लिए वाहन से रवाना हुए।

BRIEF NEWS

सड़क दुर्घटना में एक की मौत, दूसरा गंभीर रूप से घायल

NAVADA : जिले के कौवाकोल थाने के योगाचक गांव के निकट बुधवार को मोटरसाइकिल ने बस में सीधी टक्कर मार दी। जिससे मोटरसाइकिल पर सवार एक युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को ग्रामीणों के सहयोग से अस्पताल भेजा गया है। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी है। लेकिन समाचार लिखे जाने तक पुलिस घटनास्थल पर नहीं पहुंच सकी है। प्रत्यक्ष दर्शियों ने बताया कि मृतक युवक की पहचान नहीं हो पाई है। ग्रामीणों ने बताया कि बस कौवाकोल से नवादा की ओर जा रही थी। इस बीच काफी रफ्तार में विपरीत दिशा से आ रही मोटरसाइकिल ने बस में सीधी टक्कर मार दी। जिससे बस भी क्षतिग्रस्त हो गई।

अग्नि अनुष्ठान से बच्चों का हो रहा इलाज

BHAGALPUR : भागलपुर के घंटाघर इलाके में इन दिनों एक मंदिर में पुजारी द्वारा बीमारी के इलाज का ऐसा तरीका अपनाया जा रहा है, जिसे देखकर लोग दंग हैं। दावा किया जा रहा है कि यहां कठिन बीमारियों का इलाज एक अनोखे अंदाज में किया जाता है। यहां बीमार बच्चों को कपड़े से ढक दिया जाता है और फिर पुजारी उनके ऊपर आग फेंकते हैं। स्थानीय मान्यता है कि इस अनोखे तरीके से वर्षों से चली आ रही बीमारियों का इलाज होता है। पुजारी का दावा है कि यह अग्नि अनुष्ठान एक पारंपरिक विधि है, जिसमें ईश्वर की कृपा और मंत्र शक्ति के जरिये रोगों का नाश होता है। बच्चों को कपड़े में पूरी तरह लपेटा जाता है, ताकि आग सीधे उनके शरीर को न छुए। इतना ही नहीं जब बच्चों के ऊपर आग फेंका जाता है तो बच्चे डर से रोने लगते हैं। इलाज कराने आए बच्चों के परिजन ने कहा कि हम लोग बरसों से यहां आ रहे हैं।

गायत्री महायज्ञ के दौरान नालंदा में उमड़ा जनसैलाब

NALANDA : नालंदा जिले के हरनौत प्रखंड अंतर्गत छतियाना गांव में आयोजित 24 कुण्डीय शक्ति संवर्धन गायत्री महायज्ञ में बुधवार को सामूहिक जप, ध्यान, देवपूजन, गायत्री महायज्ञ के साथ-साथ विभिन्न संस्कार संपन्न हुए। इस अवसर पर शांतिकुंज हरिद्वार से पधारी पांच सदस्यीय टोली ने युग संगीत और प्रवचन भी प्रस्तुत किया। यज्ञ मंडप की परिक्रमा करने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी पड़ी। गौरतलब है कि आयोजन प्रज्ञा मंडल छतियाना द्वारा किया गया है। आयोजन समिति के संयोजक अजय कुमार सिंह, सह-संयोजक विनायक कुमार और सदस्य मुकेश कुमार ने बताया कि बुधवार को 6 गर्भवती माताओं का पुष्यवन संस्कार, 40 बच्चों का विद्यारंभ संस्कार, 2 बच्चों का मुंडन संस्कार, 25 श्रद्धालुओं का गुरु दीक्षा संस्कार, 5 बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार और 5 बच्चों का नामकरण संस्कार संपन्न कराया गया है।

सीएम नीतीश कुमार ने अतिथिगृह के कमरों और अन्य भागों का लिया जायजा

मुख्यमंत्री ने बोधगया में नवनिर्मित महाबोधि अतिथिगृह का किया उद्घाटन

AGENCY PATNA : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को बोधगया में नवनिर्मित महाबोधि अतिथि गृह, का शिलापट्ट अनावरण कर एवं फीता काटकर उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री ने अतिथि गृह का निरीक्षण किया इस दौरान उन्होंने दूसरे और सातवें तल पर जाकर अतिथिगृह के कमरों एवं अन्य भागों का जायजा लिया और वहां की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। आठ एकड़ में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के बने अतिथि गृह में पर्यटकों के ठहरने के लिए 120 कमरे बनाये गये हैं। देश-विदेश से आनेवाले पर्यटकों की आवश्यकताओं और उनकी सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए इस अतिथिगृह का निर्माण कराया गया है। इस अतिथि भवन में पर्यटकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। बोधगया में प्रतिवर्ष लाखों पर्यटक और श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए लिए देश-विदेश से आते हैं, जिन्हें अब ठहरने में काफी सहूलियत होगी। महाबोधि अतिथिगृह में पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बोधगया का अतिथिगृह काफी अच्छा बना है। हमलोग चाहते थे कि यहां अतिथि गृह का निर्माण कराया जाए। बहुत पहले हमने इसको लेकर योजना बनाई थी। यहां देश और विदेशों से भारी तादाद में पर्यटक आते हैं। जिनके ठहरने की व्यवस्था नहीं होने के कारण वे लोग महाबोधि मंदिर में दर्शन पूजन के बाद वापस लौट जाते थे। महाबोधि अतिथि गृह का निर्माण हो जाने से पर्यटकों को यहां ठहरने में काफी सहूलियत होगी।

अतिथि गृह का फीता काटकर उद्घाटन करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने महाबोधि मंदिर में भगवान बुद्ध की पूजा अर्चना की। साथ ही उन्होंने बोधि वृक्ष की भी पूजा की और राज्य के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री को बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति द्वारा प्रतीक चिह्न एवं अंग वस्त्र भेंट किया गया। इसके बाद गया में मुख्यमंत्री ने बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान (बिपार्ड) में अवस्थित मेजर ध्यानचंद खेल परिसर का शिलापट्ट अनावरण कर एवं फीता काटकर उद्घाटन किया। इस दौरान स्वीमिंग पूल में खिलाड़ी ने तैराकी कर मुख्यमंत्री के समक्ष प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री ने 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025' के तहत होनेवाले मुकाबलों की तैयारियों का जायजा लिया और खेल ट्रैक तथा खेल मैदान में खिलाड़ियों को उपलब्ध कराए जानेवाली सुविधाओं की जानकारी ली।

● महाबोधि अतिथि गृह

मुख्यमंत्री ने 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2025' के शुभंकर का अनावरण किया। महाराष्ट्र के एक खिलाड़ी ने मुख्यमंत्री के समक्ष मलखम्ब खेल का प्रदर्शन किया। साथ ही 11 वर्ष के एक बच्चे और बच्ची ने योग करतब का प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की और उनका उत्साहवर्द्धन किया। मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों से बातचीत के दौरान कहा कि आप लोग मन लगाकर अभ्यास करें और प्रतियोगिता के दौरान खेल भावना के साथ अपने खेलों में बेहतर प्रदर्शन करें।

सुबह-सुबह शराब पीकर स्कूल पहुंचे हेडमास्टर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

EAST CHAMPARAN : सुबह-सुबह ही शराब पीकर स्कूल पहुंचे हेडमास्टर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामला कुड़वाचैनपुर थाना क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय खरुही का है। शराब पीकर लड़खड़ाते पांव और बड़बडाते जुबान के साथ स्कूल पहुंचे हेड मास्टर बच्चो और शिक्षको के सामने हंगामा करने लगे, जिसकी सूचना बच्चों ने अपने अभिभावकों को दी और फिर अभिभावकों ने पुलिस को इस मामले की जानकारी दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने कुड़वाचैनपुर थाना क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय खरुही के हेडमास्टर ढाका थाना क्षेत्र के विशंभरपुर निवासी रामस्वार्थ महतो को गिरफ्तार कर लिया। शिक्षा की अलख जगाने वाले और लोगो को शराबबंदी का शपथ दिलाने वाले हेडमास्टर की इस कारनामें की चर्चा पूरे जिले में हो रही है। पुलिस ने गिरफ्तारी के बाद हेडमास्टर का मेडिकल जांच करवाया, जिसमें शराब पीने की पुष्टि हो चुकी है और अब उनके ऊपर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

नालंदा सदर अस्पताल से ठेला पर शव ले जाने के मामले में डीएम ने की कार्रवाई

AGENCY NALANDA : ठेला पर शव ले जाने संबंधित मामला उजागर होने पर और सदर अस्पताल द्वारा शव वाहन उपलब्ध नहीं कराए जाने के पर डीएम ने कड़ा संज्ञान लेते हुए कारवाई का निर्देश जारी किया है। डीएम के निर्देश के आलोक में आज बुधवार को अनुमंडल पदाधिकारी बिहार शरीफ एवं सुश्री कृष्ण जोशी,सहायक समाहर्ता नालंदा ने सदर अस्पताल की गहन जांच की। जांच के दौरान बताया गया कि सदर अस्पताल में दो शव वाहन उपलब्ध हैं,जहां एक वाहन को एसीयू के द्वारा बिना अस्पताल प्रशासन के अनुमति के दूसरे जिला में भेजा गया है और दूसरा मरम्मती के अभाव में बेकार पड़ा है। इस संबंध में संबंधित एसीयू के अधिकारियों से स्पष्टीकरण तलब किया गया है।

'आपका शहर, आपकी बात' कार्यक्रम में नागरिकों ने रखी अपनी मांग

AGENCY NALANDA : नालंदा जिला मुख्यालय स्थित नगर निगम के कार्यालय सभागार मे आज बुधवार को आयोजित आपका शहर आपकी बात कार्यक्रम अंतर्गत वार्ड संख्या 50 के लंगड़िया बीघा में संदीप कुमार भारती, नालंदा की अध्यक्षता में बिहारशरीफ नागरिकों के साथ नागरिक सुविधाओं की उपलब्धता हेतु मुहल्ला सभा का आयोजन किया गया है।

इस संबंध में नगर निगम एवं आवास विभाग बिहार के निदेशानुसार नगर निगम एवं नगर निकायों (निगम एवं परिषद) के विस्तारित क्षेत्रों के नागरिकों को विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ प्रदान करने हेतु आम नागरिकों से उनका मंतव्य प्राप्त करने के उद्देश्य से आपका शहर आपकी बात कार्यक्रम की जाती है। इस अवसर पर मुहल्ले के नागरिकों ने अपने क्षेत्र में विकास के लिए आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु अनेकों बातें रखी है। जिसमें मुख्यतः पेयजल के लिए हर घर नल का जल योजना का पूरे वार्ड में विस्तार किया जाना है।

पूरे क्षेत्र में जल निकास हेतु नाला का निर्माण कार्य पर बिशेष जोर दिया गया है। साथ हीं सामुदायिक स्तर पर कार्यक्रम किये जाने हेतु सामुदायिक भवन की निर्माण। चौक चौराहे पर रौशनी की व्यवस्था के साथ सा वार्ड 50 में बिजली के खुले तारों को कवर वाले तारों से बदला जाना संबंधित प्रस्ताव रखे गये।

डीएम ने 6 लाभुकों को प्रदान की एक-एक लाख रुपये की सहायता राशि

ARARIA : डीएम अनिल कुमार द्वारा मुख्यमंत्री अंतजार्तीय विवाह प्रोत्साहन अनुदान योजना के तहत 03 लाभुकों को बुधवार को एक एक लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान की।स्मिता स्मिथ, रानो कुमारी, सजल श्रद्धा को डीएम ने एक-एक लाख रुपए की सावधि जमा प्रदान की। मौके पर डीएम ने बताया कि समाज में व्याप्त जाति बंधनों को तोड़ने के उद्देश्य से समाज कल्याण विभाग के सामाजिक सुरक्षा निदेशालय के द्वारा मुख्यमंत्री अन्तजार्तीय विवाह प्रोत्साहन अनुदान योजना का संचालन किया जाता है। इस योजना के तहत अपने जाति से इतर किसी दूसरे जाति में विवाह करने पर सरकार के द्वारा एक लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि सावधि जमा के रूप में प्रदान की जाती है।

व्यवसायी के पुत्र की गोली मारकर हत्या, आक्रोशितों ने किया प्रदर्शन

AGENCY ARARIA : जिले के फुलकाहा थाना क्षेत्र में कपड़ा व्यवसायी अशोक गुप्ता के 20 साल के पुत्र दीपक कुमार गुप्ता उर्फ दीपू की गोली मारकर हत्या कर दी गयी। उसका शव बुधवार को बरामद हुआ।दीपक कुमार गुप्ता उर्फ दीपू मंगलवार शाम से ही घर से लापता था और परिजन ने उन्हें खोजने की काफी कोशिश की,लेकिन उसका कोई अता पता नहीं चल पाया और बुधवार को नरपतगंज अचरा मुख्य सड़क मार्ग में खून से लथपथ उनका शव मिला। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सड़क के किनारे शव पड़े होने की सूचना दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची फुलकाहा थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अररिया सदर अस्पताल भेजा। इधर घटना की सूचना जैसे ही फुलकाहा बाजार के ग्रामीणों और दुकानदारों को मिली। लोगों ने आक्रोश में घटना के खिलाफ प्रदर्शन किया। बाजार को बंद कर सड़क जाम करते हुए आवागमन को ठप्प कर दिया और सड़क पर आगजनी कर विरोध जताया। मृतक दीपक कुमार गुप्ता उर्फ दीपू नवाबगंज पंचायत के फुलकाहा बाजार का रहने वाला था और अपने माता पिता का इकलौता बेटा था। मौके पर पहुंची फुलकाहा थानाध्यक्ष ने प्राथमिकी जांच में युवक की कनपटी में गोली मारकर हत्या करने की बात कही। सूचना के बाद मौके पर फारबिसगंज एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा समेत कई थाना की पुलिस पहुंची।

साइबर अपराधियों पर नकेल कसने की तैयारी

बैंक में फर्जी खाता रखा है तो हो जाएं सावधान, एक्शन मोड में डीजीपी

AGENCY PATNA : राज्य के डीजीपी विनय कुमार ने साइबर अपराधियों पर नकेल कसने की तैयारी में हैं। साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए उन्होंने विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया है। उन्होंने फर्जी बैंक खातों की पहचान कर जल्द से जल्द कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। डीजीपी ने साइबर थानाध्यक्षों से मामले को गंभीरता से दर्ज करने, साइबर अपराधियों के मोडस ऑपरेंडी की सूची बनाने और साइबर जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया ताकि साइबर अपराधों पर रोक लगाई जा सके।

साइबर क्राइम की खबरों को लें गंभीरता से

डीजीपी की अध्यक्षता में आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) के सभा कक्ष में सभी साइबर थानों के पुलिस उपाधीक्षक सह थानाध्यक्ष के साथ समीक्षा बैठक की गई। इस बैठक में ईओयू के एडीजी नैयर हसनैन खान के साथ कई वरीय पुलिस अधिकारी भी उपस्थित थे। डीजीपी ने साइबर थानाध्यक्षों को निर्देश दिया कि हर हाल में साइबर अपराध से संबंधित मामलों को गंभीरता से दर्ज किया जाए। साइबर अपराधियों के मोडस ऑपरेंडी की सूची बनाकर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। वैसे संदिग्ध बैंक खाते जिसमें लगातार भारी मात्रा में पैसे का लेन-देन हो रहा है, उनका सत्यापन कर कार्रवाई की जाए।

हर स्तर पर मामले की जांच का निर्देश

डीजीपी ने कहा कि साइबर मामलों के अनुसंधान में तेजी लाई जाए और लंबित मामलों का बोझ कम किया जाए। साइबर जागरूकता अभियान नियमित रूप से चलाया जाए। डिजिटल अरेस्ट, चारधाम यात्रा में बुकिंग के नाम पर साइबर ठगी के ट्रेंड जैसे अन्य सभी साइबर अपराधों में कार्रवाई कर ऐसे अपराधों पर रोक लगाई जाए। थाने पर साइबर अपराध की हर सूचना पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। समीक्षा बैठक में डीजीपी और एडीजी ने निर्देश दिया कि एनसीआरपी पोर्टल पर दर्ज शिकायतों की तुलना में हाथों हाथ मिले आवेदन पर हुई प्राथमिकी की जांच साइबर थानों में की जाए। वरीय अधिकारी लगातार साइबर थानों के कार्यों की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए निरीक्षण करें।

साड़ी चुराती महिलाओं का वीडियो वायरल छानबीन में जुटी पुलिस

BHAGALPUR : इन दिनों भागलपुर जिले में सोशल मीडिया पर एक सीसीटीवी फुटेज काफी तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि किस तरह से तीन महिला जिले के सुल्तानगंज के अब्जूगंज स्थित एक कपड़े की दुकान में पहुंचती है और दुकानदार से साड़ी दिखाने की बात कहती है। महिलाएं दुकानदार को अलग-अलग साड़ी दिखाने की बात में उलझाए रखती है। इसी बीच एक महिला जिसके गोद में बच्चा रहता है काफी तेजी से साड़ी के एक बंडल को अपने शरीर के अंदर छुपा लेती है। फिर बातों बातों में ही दुकान से रफूचक्कर हो जाती है। दुकानदार को जब इस बात का एहसास होता है तो वह सीसीटीवी फुटेज चेक करता है और उसके बाद उसे महिलाओं के करतूत की जानकारी मिलती है।

पुस्तक पाकर छात्रों ने कहा, थैंक्यू एसीएस सर

AGENCY BHAGALPUR : विभागीय आदेशानुसार जिले के मध्य विद्यालय जगदीशपुर में बुधवार को ग्राम पंचायत जगदीशपुर की मुखिया लालमती देवी की अध्यक्षता में अभिभावकों की उपस्थिति में नये सत्र का पाठ्य पुस्तक वितरण किया गया। नये पाठ्य पुस्तक मिलने पर छात्रों के चहरे खिल उठे, सभी ने एक साथ शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव को थैंक्स कहा। इस अवसर पर मुखिया ने सभी अभिभावक से कहा कि सभी समय पर प्रत्येक दिन पोशाक में बच्चों को विद्यालय भेजें, जिससे वे अच्छी शिक्षा ग्रहण करते हुए सरकारी योजना का लाभ उठा सके। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक आशुतोष चन्द्र मिश्र ने पुस्तक को सुरक्षित रखने के लिए छात्रों के साथ मिलकर पुस्तक पर कवर लगाया। इस कार्यक्रम में शिक्षिका बीबी नाहिदा, नवल किशोर पंजियारा, प्रतिमा मिश्रा, मुरली कुमार मंडल, भारती कुमारी, पुष्पलता कुमारी, मिनाक्षी कुमारी सहित अभिभावक उपस्थित थे।

वन विभाग की आधारहीन चिंता

बड़ी मुश्किल से 17 साल बाद हिमाचल प्रदेश सरकार जागी, तो वन विभाग नाहक ही चिंता ग्रस्त हो गया। वन अधिकार कानून 2006 दो साल बाद दो हजार आठ में अधिसूचित होने के बाबजूद आज तक लागू किए जाने को तरस रहा था। यह कानून संसद द्वारा वनवासी और अन्य वननिर्भर समुदायों के प्रति ब्रिटिश हुकूमत में किए गए ऐतिहासिक अन्याय को दूर करने के लिए इन समुदायों की वनों पर निर्भरता को ध्यान में रखते हुए वनों पर कानूनी रूप में कुछ अधिकार देने की बात करता है, जिसमें 2005 की 13 जनवरी से पहले यदि आजीविका के लिए वन भूमि का प्रयोग किया जा रहा है या आवास और पशुशाला आदि बनाई है तो उतनी वन भूमि पर आदिवासी और अन्य वन निर्भर समुदायों को इस्तेमाल का हक प्रदान करने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा सामुदायिक रूप से वनों में जो बरतनदारी हक, परंपरा से इन समुदायों को छूट के रूप में प्राप्त है, उन्हें कानूनी अधिकार के रूप में दिए जाने का प्रावधान है। बरतनदारी में वनों के प्रबंधन की जिम्मेदारी देने के साथ इनके संरक्षण संवर्धन का कर्तव्य भी निर्धारित किया गया है। स्थानीय विकास के लिए जरूरी वन भूमि के हस्तांतरण की प्रक्रिया भी वन संरक्षण अधिनियम की लंबी प्रक्रिया से बाहर निकाल कर इस कानून के तहत आसान की गई है, जिसके लिए दिल्ली की ओर देखने की जरूरत नहीं बल्कि वन अधिकार समिति की संस्तुति से वन मंडल अधिकारी के स्तर पर ही एक हेक्टेयर तक भूमि का स्थानीय विकास की 13 मदों के लिए हस्तांतरण किया जा सकता है बशर्ते उसमें 75 से ज्यादा पेड़ न आते हों। इस तरह यह कानून न केवल आदिवासी और अन्य वन निर्भर समुदायों की आजीविका का संरक्षण करता है, बल्कि वन संरक्षण कार्य में स्थानीय जन सहयोग को बढ़ा कर वन संरक्षण कार्य को भी मजबूत करता है। स्वयं वन विभाग भी वन संरक्षण में जन सहयोग के लिए साझा वन योजना जैसे प्रयोग सफलता पूर्वक कर चुका है। हालांकि यह प्रयोग अनमने भाव से ही किए गए थे फिर भी परिणाम उत्साह वर्धक रहे हैं। इसलिए कोई कारण नहीं है कि उक्त अधिनियम के अंतर्गत कानूनी तौर पर प्रबंधन के अधिकार मिलने पर, समुदाय कामयाब नहीं होगा, बल्कि कानूनी तौर पर पूर्ण सशक्त होने पर सामुदायिक प्रबन्धन बहुत सफल होगा। आखिर पंचायतों को भी जब संवैधानिक संस्था का दर्जा दिया गया तो सारा कार्य सफलता पूर्वक संभाल ही रही हैं। फिर किसी को खुली छूट भी तो दी नहीं जा रही है, बल्कि वन प्रबंधन समितियों को नियम कानूनों के प्रति जवाबदेह बनाने की व्यवस्था है। पिछले दिनों जब हिमाचल प्रदेश सरकार ने जनजाति विकासमंत्री जगत सिंह नेगी के नेतृत्व में वन अधिकार कानून को लागू करने के लिए मिशन मोड में कार्य शुरू किया तो वन विभाग सकते में आ गया। एक पत्र जिलाधीशों, मुख्य अरण्यपालों और वन मंडल अधिकारियों को जारी किया गया, जिसमें तथाकथित दिशा-निदेर्शों की बात की गई है, जबकि कानून को लागू करने का काम वन अधिकार अधिनियम के तहत जनजातीय विभाग को सौंपा गया है। वन विभाग का काम केवल साझा निरीक्षण में हाजिर होना है या उपमंडल समितियों और जिला स्तरीय समितियों में सहयोग देना है। दिशा-निर्देश तो पहले ही एक्ट, नियम और केंद्रीय दिशा निदेर्शों के रूप में आ चुके हैं। अब सवाल यह पैदा होता है कि इस समय, जब सरकार इस कानून को लागू करने के प्रति गंभीरता से काम करने जा रही है, तो विभाग की ओर से यह पत्र क्यों जारी किया गया। सत्रह साल तक विभाग को यह याद क्यों नहीं आई। फिर वीडियोग्राफी करने और सैटेलाइट फोटो का प्रयोग करने के सुझाव क्यों दिए गए, जबकि एक्ट में उनका कोई जिक्र नहीं है। इससे साफ यह शक जाहिर होता है कि वन विभाग अब फिर इस कानून को लागू करने के काम में अड़ंगा लगाना चाहता है। पत्र में कोनिफर पेड़ों की ही चिंता जाहिर की गई है यानी टिंबर देने वाले पेड़ ही इनके लिए पेड़ हैं। ऊंचाई पर भी क्लाइमेक्स जंगल में तो बान, बुरांस, खरशु, मोहरू, चिरन्दी जैसे अनेक वृक्ष प्रजातियां हैं। उनको तो ये लोग कोयला जलाने के लिए काट कर खुद नष्ट करते रहे हैं और उनके रोपण की भी कोई कोशिश नहीं की जाती थी। अभी कुछ वर्षों से ही ये प्रयास शुरू हुए हैं। अभी भी कितना सफल होते हैं पता नहीं। शिवालिक के सघन मिश्रित वनों को गर्डलिंग करके सुखाया गया और चीड़ के वनों में बदल दिया गया। यह काम सुधार वानिकी के नाम पर किया गया। इसी कारण वन्य प्राणी जंगली फलों और चारे के अभाव में खेतों में अत्यधिक नुकसान करने लग गए हैं, जिससे स्थानीय आजीविका का कितना नुकसान हुआ इसका आकलन तक नहीं किया गया है। असल में ये लोग अभी तक भी उपनिवेशवादी मानसिकता से बाहर नहीं निकल पाए हैं। जंगल पोलिसिंग से नहीं बचे हैं लोगों के सहयोग और जागरुकता से बचे हैं। उपनिवेशवादी प्रबंधन ने ही लोगों को वनों से दूर किया था। उनको फिर से वनों के साथ जोड़ने का यह कानून मौका देता है, जिसका लाभ होगा। डरने की जरूरत नहीं, बल्कि मिलकर बेहतर वन प्रबंधन विकसित करने पर ध्यान देने की जरूरत है। वन विभाग यदि अपनी विशेषज्ञता का उपयोग आने वाले समय में आजीविका वानिकी की ओर करे तो बेहतर होगा। ऐसे वन जो बिना काटे रोजी रोटी दे सकें, वही संरक्षित पर्यावरण की गारंटी हैं। टिंबर देने वाले पेड़ तो कट कर ही कुछ दे सकते हैं।

जम्मू-कश्मीर : कौन सा भारत बना रहे हम

ANALYSIS

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

अब पहलगाम हमला पार्ट-2 है, जिसे 22 अप्रैल 2025 को 26 लोगों की जान लेकर अंजाम दिया गया है और कई घायल हैं। हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के फ्रंट ग्रुप द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है, जो पाकिस्तान का आतंकी संगठन है। टीआरएफ जम्मू-कश्मीर में सक्रिय है और भारत इसे पहले ही आतंकवादी संगठन घोषित कर चुका है। यह गुट 2019 में तब सामने आया था, जब जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाया था। टीआरएफ ने अब तक सुरक्षाकर्मियों और आम लोगों पर कई हमले किए हैं, जिनमें 2020 में भाजपा नेता और उनके परिवार की हत्या के साथ 2023 में पुलवामा में कश्मीरी पंडित संजय शर्मा की हत्या भी शामिल है। साल 2019 के पुलवामा हमले में भी टीआरएफ का नाम आया था। आज न जाने कितने टीआरएफ जैसे आतंकी संगठन भारत में पल रहे हैं। देखने में यही आता है कि इनके निशाने पर गैर मुसलमान खासकर हिंदू रहते हैं। आखिर हिंदुओं को ही क्यों टारगेट किया जाता है। जो लोग आज इसे हमला पार्ट-2 कह रहे हैं, उन्हें भी समझ लेना चाहिए कि यह कोई एक, दो, तीन, चार, पांच या अन्य जिसे गिनतियों में समाहित किया जा सके, वह जिहादी या गैर-मुसलमानों के प्रति चलनेवाला अभियान (पार्ट) नहीं है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने अंदर तक झकझोर दिया है। कहने को कहा जा रहा है कि विदेशी साजिश थी, पाकिस्तान का हाथ था, लेकिन यह हाथ घर के अंदर आया कैसे। घर के भी कोई अपने थे, जो इस पूरे आतंकवादी घटनाक्रम में शामिल हैं। इंटेलिजेंस इनपुट कह रहा है कि छह आतंकियों में से तीन भारत के नागरिक थे, जिन्होंने विदेशी इस्लामिक आतंकवादियों के साथ मिलकर हिंदुओं का खून बहाया है। घटना के बाद से मीडिया में कई रिपोर्ट आई हैं, जिनमें से अनेकों में इस बात को दोहराया गया है कि पुलवामा हमला पार्ट-1 था, जो 14 फरवरी 2019 को हुआ था, जिसमें 40 भारतीय सुरक्षा कर्मियों की जान गई थी। इस हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने ली थी। अब पहलगाम हमला पार्ट-2 है, जिसे 22 अप्रैल 2025 को 26 लोगों की जान लेकर अंजाम दिया गया है और कई घायल हैं। हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के फ्रंट ग्रुप द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है, जो पाकिस्तान का आतंकी संगठन है। टीआरएफ जम्मू-कश्मीर में सक्रिय है और भारत इसे पहले ही आतंकवादी संगठन घोषित कर चुका है। यह गुट 2019 में तब सामने आया था, जब जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाया था। टीआरएफ ने अब तक सुरक्षाकर्मियों और आम लोगों पर कई हमले किए हैं, जिनमें 2020 में भाजपा नेता और उनके परिवार की हत्या के साथ 2023 में पुलवामा में कश्मीरी पंडित संजय शर्मा की हत्या भी शामिल है। साल 2019 के पुलवामा हमले में भी टीआरएफ का नाम आया था। आज न जाने कितने टीआरएफ जैसे आतंकी संगठन भारत में पल रहे हैं। देखने में यही आता है कि इनके निशाने पर गैर मुसलमान खासकर हिंदू रहते हैं। आखिर हिंदुओं को ही क्यों टारगेट किया जाता है। जो

लोग आज इसे हमला पार्ट-2 कह रहे हैं, उन्हें भी समझ लेना चाहिए कि यह कोई एक, दो, तीन, चार, पांच या अन्य जिसे गिनतियों में समाहित किया जा सके, वह जिहादी या गैर-मुसलमानों के प्रति चलनेवाला अभियान (पार्ट) नहीं है। भारत में मोहम्मद बिन कासिम से लेकर अब तक अनेक आक्रमण हो चुके हैं। इतिहास में मुहम्मद बिन कासिम के बाद 10वीं शताब्दी से तुर्क आक्रमण शुरू हुए, जिनमें महमूद गजनवी, मुहम्मद गोरी, बाबर, तैमूर लंग, अलाउद्दीन खिलजी जैसे अंध जिहादियों के आक्रमण प्रमुख हैं। भारत पर पहली बार मुस्लिम आक्रमण 712 ईसवी में हुआ था, तब से लेकर अब तक 1337 साल गुजर चुके हैं, इतने दिनों में सांस्कृतिक भारत कई हिस्सों में बंट चुका है। भारतीय उपमहाद्वीप के अनेक देश इसके प्रमाण हैं, पीढ़ियों के स्तर पर भारत आज अपनी 45 पीढ़ियां औसतन पार कर चुका है, उसके बाद भी शेष भारत और यहां का ज्यादातर बहुसंख्यक समाज (हिंदू) है, वह समझना ही नहीं चाहता कि आखिर ये इस्लामिक जिहादी घटनाएं बार-बार क्यों हो रही हैं। क्यों मजहब के नाम पर अलग देश लेने के बाद भी ये रुकने का नाम नहीं लेतीं। इसी संदर्भ में यह ऐतिहासिक प्रसंग है, जिसके मर्म को सभी को समझना चाहिए, जब भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष रहे मौलाना मुहम्मद अली ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि अपने मजहब और अकीदे के मुताबिक मैं एक गिरे से गिरे और बदकार मुसलमान को भी महात्मा गांधी से बेहतर समझता हूं। यह चर्चित घटना 1924 की है, जिस का विवरण डॉ. आंबेडकर ने अपनी पुस्तक पाकिस्तान और पार्टिशन आफ इंडिया (1940) में दिया है। पूछने पर मौलाना ने अपनी बात को बार-बार दोहरा कर कहा, ताकि गलतफहमी न रहे। समझने के लिए यहां इतना जान लें कि मौलाना मुहम्मद अली बड़े प्रतिष्ठित आलिम थे और गांधीजी के अन्यतम सहयोगी भी रहे थे। इससे भी मौलाना की संजीदगी समझी जा सकती है। मौलाना ने अपने रिलीजन का केंद्रीय तत्व बड़ी सुंदरता से रखा था, जहां आचरण नहीं, विश्वास मुख्य है। इसी से अभी भारत, इजराइल, सीरिया, ईराक, युरोप के देशों में तबाही कर रहे लश्कर-ए-तैयबा, पासबान-इ-अहले हदीस, जैश-ए-मोहम्मद, तहरीक-ए-फुरकान, हरकत-उल-मुजाहिदीन, हरकत उल-अंसार, हिजबुल मुजाहिदीन, अल-उमर मुजाहिदीन, जम्मू एंड कश्मीर इस्लामिक फ्रंट, अल-बद्र, जमात-उल-मुजाहिदीन, अल-कायदा, दुख़्तरान-ए-मिल्लत, इंडियन मुजाहिदीन, इस्लामिक स्टेट आफ इराक एंड द लेवेंट, जमात-उल-मुजाहिदीन, इस्लामी स्टेट (आईएसआईएस), बोको हरम, तालिबान या लश्करे-तोयबा आदि संगठनों के कामों का भी सही वर्गीकरण कर लेना चाहिए। वे सिरफिरे नहीं हैं, वे बेकार में हिंसा नहीं कर रहे हैं, उनका मकसद साफ है। जैसा भ्रमवश या लोगों को भुलावे में रखने के लिए कह दिया जाता है कि आतंकवादी का कोई मजहब या धर्म नहीं होता, वे उतने ही मुसलमान हैं, इसलिए किसी मुसलमान के लिए गांधीजी जैसे गैर-मुस्लिमों से अधिक अपने हैं। जिहादी, आतंकवाद के संदर्भ में इस सत्य को ठीक से समझकर ही भारत पर हो रहे राजनीतिक, आध्यात्मिक, अन्य हिंसात्मक, लव जिहाद, लैंड जिहाद जैसे अनेक प्रकार के आक्रमणों को समझा जा सकता है। ईसाइयत और इस्लाम की वैसी मान्यताओं के ठीक विपरीत हिंदू धर्म किसी मतवाद, विश्वास आदि को धर्म का आधार नहीं मानता। इसीलिए हिंदू धर्म उस तरह सामाजिक-राजनीतिक और हिंसक रूप से संगठित धर्म या मत, पंथ नहीं है, जो अपनी और दूसरों की गिनती आदि का ध्यान रखते हुए धर्म (मजहब) की चिंता कर सके। यह इस की कठिनाई भी है, जो इस पर इस्लाम अथवा ईसायत के संगठित आक्रमणों को अपेक्षाकृत आसान बनाती रही है अर्थात हिंदू धर्म की विशेषता एक विशेष परिस्थिति में इसकी दुर्बलता भी बनी रही है। इसी कारण लगातार हिंदू धर्म अरक्षित भी हो रहा है। इसकी इमारत किसी मत-विश्वास पर नहीं, बल्कि सृष्टि मात्र के साथ संबंध पर आधारित है। रिलीजन वाले मतवाद अपने आसपास बाड़ा बनाते हैं। जो उस के भीतर हैं वे अपने हैं और बाकी सब गैर और प्रायः शत्रु भी माने जाते हैं। लेकिन चूंकि हिंदू धर्म ऐसे बाड़े नहीं बनाता और किसी को गैर नहीं मानता। इसी से वह अकेला और अरक्षित भी रह जाता है। मत-विश्वास पर संगठित नहीं होने के कारण उस के अनुयायी आक्रामक रिलीजनों के प्रहार के सामने असहाय हो जाते हैं। जैसे कश्मीरी हिंदू असहाय मारे गए और अपने ही देश में विस्थापित, शरणार्थी बनने को विवश हुए। यह स्वतंत्र भारत में हुआ, पश्चिम बंगाल, समेत कई राज्यों में निरंतर हो रहा है। आज पहलगाम के आतंकवादी हमले में भी वही हुआ है और हिंदुओं को चुन-चुन कर नाम पूछ कर मार दिया गया है। कहना होगा और यही सत्य भी है। वस्तुतः आज जो भारत में घट रहा है, वह दुनिया पर कब्जे की नीति रखने वाले, संगठित धर्मांतरणकारी रिलीजनों को हिंदू धर्म के बराबर कह कर भारत को पिछले कई सौ साल से निरंतर विखंडन के लिए खुला छोड़ दिये जाने का परिणाम है। क्या हम इसे पहचानने से भी इनकार करते रहेंगे संदर्भ पुस्तक : आध्यात्मिक आक्रमण और घर वापसी (शंकर शरण-विजय कुमार) वास्तव में जब तक भारत के मदरसों एवं अन्य जगह दीनी तालीम के नाम पर, कभी अल्लाह, कभी रसूल, फिर कभी जिहाद के लिए और नफरत फैलाने वाले पाठ पढ़ाये जाते रहेंगे, तब तक भारत में आगे भी गैर मुसलमान (हिंदू एवं अन्य) इसी तरह से मारे जाते रहेंगे।

अश्वत्थामा शापित नहीं, बल्कि सप्तर्षि

बीते वर्ष कल्कि-2898 एडी नामक फिल्म प्रदर्शित हुई। इस काल्पनिक कथा में अमिताभ बच्चन ने अश्वत्थामा का पात्र निभाया है। साथ ही शाहिद कपूर की अश्वत्थामा फिल्म भी निमार्णाधीन है। इन फिल्मों के माध्यम से महाभारत में खलनायक के रूप में चित्रित अश्वत्थामा एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं। भारत में जब से न्यूज चैनल शुरू हुए हैं, लगभग हर हिंदी चैनल ने मध्यप्रदेश की नर्मदा नदी के किनारे या असीरगढ़ किले के मंदिर में पूजा करने वाले अश्वत्थामा पर स्टोरी दिखाई है। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि महाभारत के 5000 वर्ष बाद भी यदि श्रीकृष्ण, कौरव और पांडवों के अलावा कोई सबसे चर्चित पात्र है तो वह अश्वत्थामा है। मौजूदा समय में अधिकतर लोगों को अश्वत्थामा की पहली पहचान अपने घर के बड़ों द्वारा बोले जाने वाले सप्त चिरंजीवियों के श्लोक से हुई होगी। घर के धार्मिक वातावरण वाले दादा-दादी या नाना-नानी अपने नाती-पोतों से यह श्लोक जरूर बुलवाते थे- अश्वत्थामा बलिव्यासो हनुमांश्च विभीषणः। कृपः परशुरामश्च सप्तैते चिरंजीविनः॥ सप्तैतान् संस्मरेन्नित्यं मार्कण्डेयमथाष्टमम्। जीवेद्वर्षशतं सोऽपि सर्वव्याधिविवर्जितः॥ इस श्लोक के भावानुसार, जो व्यक्ति प्रतिदिन इन सात चिरंजीवियों और आठवें ऋषि मार्कंडेय का स्मरण करता है, वह दीघार्यु और रोगमुक्त रहता है। अब प्रश्न उठता है- जो स्वयं घायल है, वह दूसरों को निरोग कैसे बना सकता है। यह विचार अपने आप यह सिद्ध करता है कि अश्वत्थामा के माथे पर नासूर बनी चोट केवल एक कल्पना है, क्योंकि यदि वह सचमुच घायल होता, तो श्लोक लिखने वाला उसे चिरंजीवियों की सूची में न रखता। यह पहला तार्किक विचार है। वही गोवर्धन के क्रियायोग गुरु शैलेंद्र शर्मा अपने गहन अध्ययन के आधार पर अश्वत्थामा की एक अलग ही कहानी बताते हैं। शास्त्रों और धर्मग्रंथों का अध्ययन करने के बाद गुरुजी ने निष्कर्ष निकाला कि अश्वत्थामा केवल सप्त चिरंजीवी नहीं, बल्कि शापमुक्त भी हैं। इतना ही नहीं, उनका नाम आधुनिक सप्तर्षियों में भी लिया गया है और वे भविष्य के व्यास भी हैं। महाभारत में अश्वत्थामा का चरित्र प्रतिशोध और प्रायश्चित की गाथा है। महाभारत के शल्य पर्व के अनुसार, द्रोणाचार्य और कृपी ने पुत्र प्राप्ति के लिए हिमालय की तलहटी (आज के उत्तराखंड) में भगवान शिव की तपस्या की थी। द्रोणाचार्य ने शिव जैसे तेजस्वी और बलशाली पुत्र की इच्छा की थी। परिणामस्वरूप दिव्य मणि के साथ अश्वत्थामा का जन्म हुआ। जन्म लेते ही घोड़े जैसी आवाज में रोने के कारण उसका नाम अश्वत्थामा रखा गया। शिव पुराण में अश्वत्थामा को भगवान शिव का अवतार माना गया है। अश्वत्थामा का चरित्र करुण, रौद्र और बीभत्स रस से भरपूर है। बचपन में जब उनकी मां कृपी ने उसे दूध की मांग पर आटे में पानी डालकर पिलाया, तब पहली बार उसकी करुण छवि दिखाई दी। महाभारत युद्ध में वह एक अपराजित योद्धा बनकर सामने आया, यह उसका रौद्र रूप था। युद्ध के अंतिम चरण में जब उसने द्रौपदी के 5 पुत्रों की हत्या की और उत्तरा के गर्भ पर ब्रह्मास्त्र चलाया, तब वह बीभत्स व अमानवीय प्रतीत हुआ, लेकिन यदि हम इसकी गहराई से पड़ताल करें तो यह सब उसके पिता द्रोणाचार्य की कपट से हुई हत्या का प्रतिशोध था। महाभारत युद्ध के दौरान पांडवों ने झूठी अफवाह फैलाई कि अश्वत्थामा मारा गया। यह सुनकर गुरु द्रोणाचार्य ने शस्त्र त्याग दिए और दृष्टद्युम्न ने उनकी हत्या कर दी। वहीं भीम द्वारा दुर्योधन को घायल करने के बाद अश्वत्थामा कौरव पक्ष का सेनापति बना। महाभारत के सौप्तिक पर्व के अनुसार, अश्वत्थामा, कृपाचार्य और कृतवर्मा रात को एक पेड़ के नीचे विश्राम कर रहे थे। वहीं एक उल्लू को उन्होंने देखा जो कौवों के बच्चों को मारकर खा गया। इससे उन्हें रात्रि में सोए हुए पांडवों के शिविर पर हमला करने का विचार आया। जब अश्वत्थामा पांडव शिविर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि स्वयं भगवान शंकर शिविर के रक्षक हैं। शिव के रूप का वर्णन महाकाल रूप में किया गया है। यहां वर्णित शिव जी व्याघ्रचर्मधारी, अनेक नेत्र और भुजाओं वाले, जिनके तेज से अनेक विष्णु प्रकट हो रहे हैं। यह दृश्य देखकर भी अश्वत्थामा रुका नहीं और शिव से युद्ध का निश्चय किया, लेकिन उसके सभी अस्त्र-शस्त्र शिव के शरीर में समा गए। इस पराजय से व्यथित होकर उसने आत्मदाह करने का निर्णय लिया। जैसे ही उसने अग्नि उत्पन्न कर उसमें कूदने की कोशिश की, स्वयं भगवान शिव प्रकट हुए। शिव ने उसमें प्रवेश किया और बोले, अब समय आ गया है, पांडवों की रक्षा का कार्य पूरा हुआ। शिव का किसी शरीर में प्रवेश करने का यह इकलौता उल्लेखित उदाहरण है। इसके बाद अश्वत्थामा ने शिव से प्राप्त खड्ग लेकर तथा भगवान शिव के आवेश से आवेशित हो कर पांडव शिविर में प्रवेश किया और जिसको देखा उसे मार डाला। दृष्टद्युम्न की हत्या उसने मुक्के मारकर की और द्रौपदी के पांच पुत्रों को पांडव समझकर मार डाला। इस भीषण नरसंहार का वर्णन सौप्तिक पर्व में भयावह और सारगर्भित रूप से किया गया है। पांडव और श्रीकृष्ण उस रात शिविर में नहीं थे, वे पहले ही गंगा तट पर विश्राम के लिए चले गए थे। अगली सुबह जब वे लौटे, तो ब्रह्मास्त्र चलाने और उत्तरा के गर्भ पर हमला करने की घटना हुई। उसके बाद श्रीकृष्ण ने अश्वत्थामा से मणि निकाल ली और उसे 3 हजार वर्षों तक अकेले भटकने का शाप दिया। यदि तर्क के आधार पर विचार करें तो आज महाभारत को 5000 वर्ष हो गए ऐसा मानें, तो अश्वत्थामा लगभग 2000 वर्ष पूर्व ही शापमुक्त हो गया होगा। भगवान से शाप मिलने के बाद अश्वत्थामा महर्षि वेदव्यास के पास गए और उपाय पूछा। व्यास ने उन्हें रामेश्वरम् जाकर कार्तिक स्नान और शिव उपासना करने का मार्ग बताया। अश्वत्थामा ने धनुषकोटि में एक महीने तक शिव की तपस्या की और कार्तिक की अंतिम रात शिव तांडव स्तोत्र का पाठ किया और हुए भगवान शिव ने उन्हें शापमुक्त किया।

Social Media Corner

सच के हक में...

बसव जयंती के पावन अवसर पर जगद्गुरु बसवेश्वर जी को नमन। मानवजाति इस ऋषि के प्रति ऋणी है, जिन्होंने अपने अनुभव मंडपम के माध्यम से साझाकरण, समानता और भक्ति के हमारे सभ्यतागत मूल्यों पर आधारित लोकतंत्र की नींव रखी। उनकी विरासत मानवता को एक बेहतर दुनिया के लिए प्रेरित करेगी।

(गृह मंत्री अमित शाह का 'एक्स' पर पोस्ट)

बालू माफिया और झारखंड सरकार की मिलीभगत का आलम यह है कि अब सभी अवैध काम खुलेआम हो रहे हैं। अराजकता की सारी हदें पार की जा चुकी हैं। शर्म की बात तो यह है कि यह सब हेमंत सोरेन की नाक के नीचे नहीं, बल्कि उनकी सीधी देखरेख में हो रहा है। पूरे घाटशिला अनुमंडल में केवल बहरागोड़ा साइट से ही बालू उठाव के लिए वैध लीज और चालान जारी होते हैं, लेकिन इलाके में बाकी जगहों से भी सरेआम अवैध रूप से बालू लोड किया जा रहा है। स्थानीय लोग जब शिकायत करते हैं, तो प्रशासन की ओर से कोई सुनवाई नहीं होती।

(बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

पहलगाम : अब भारत की पारी शुरू

पहलगाम का आतंकी हमला हताशा में किया गया ऐसा कुकृत्य है, जिस पर हमेशा की तरह सुई पाकिस्तान की तरफ घूमती है। खुद आतंकवाद का दंश झेल रहा एक देश सरकारी और तैयार आतंकियों के जरिये भारत को बार-बार गहरे जख्म देने की नापाक नीति पर चल रहा है। पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के एक संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने पर्यटकों पर हुए इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी ली है। इस दुखद घटना ने वर्ष 2008 में दुस्साहसपूर्ण ढंग से मुंबई और भारत को हिलाकर रख देने वाले लश्कर-ए-तैयबा द्वारा रचे गए नरसंहार की याद दिला दी है। यह महज संयोग नहीं कि यह हमला 26/11 के आरोपित तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण और पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के भारत विरोधी बयान के बीच हुआ है। मुनीर ने पिछले हफ्ते ही कश्मीर को अपने देश की गले की नस बताकर 22 अप्रैल के हमले की भयावहता की जमीन तैयार कर दी थी। एक ओर जहां बलूच विद्रोह ने मुनीर व सेना की नींद उड़ा रखी है, वहीं उन्होंने दो-राष्ट्र सिद्धांत को उछालना चुना। दावा किया कि हिंदुओं व मुसलमानों में कोई समानता नहीं है। गैर मुस्लिमों को निशाना बनाना और वह भी अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की भारत यात्रा के दौरान यह स्पष्ट करता है कि आतंकवादियों व उनके आकाओं ने भाजपा नेतृत्व वाली सरकार को चुनौती दे दी है। पाकिस्तान ने पर्यटकों की मौत पर शोक व्यक्त करने का प्रपंच तो रचा, लेकिन हमले की निंदा करने से परहेज किया। उरी(2016) और पुलवामा (2019) की तरह क्या पहलगाम हत्याकांड भी ऐसी प्रतिक्रिया को जन्म देगा। मोदी सरकार, क्या पाकिस्तान को फिर से सबक सिखाने के लिये भारी दबाव में है। वैसे कूटनीतिक मोर्चे पर भारत के लिये अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में इस्लामाबाद को बेनकाब और शर्मिंदा करने का एक बड़ा अवसर है। पहलगाम जांच के नतीजों और राणा से पूछताछ से भारत के इस रुख की पुष्टि होने की उम्मीद है कि पाकिस्तान आज भी आतंकवाद का केंद्र बना हुआ है। बहरहाल, पहलगाम के बैसरन में पाक पोषित आतंकियों ने जो खूनी खेल खेला, उसने पूरे देश को झकझोरा है। सैर-सपाटे के लिए गए लोगों को मौत मिलेगी, ऐसी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। लेकिन, एक हकीकत है कि देश-विदेश के 26 पर्यटक आतंकियों की गोली के शिकार हुए। हमले ने शेष देश के साथ कश्मीर की आत्मा को भी झकझोरा है। यह त्रासदी सिर्फ जम्मू-कश्मीर की ही नहीं है बल्कि इस हमले ने पूरे देश को गहरा जख्म दिया है। उल्लेखनीय तथ्य यह है कि इस पीड़ादायक हादसे के बाद घाटी के लोगों ने एकजुट होकर हमले की निंदा की है। घाटी में 35 साल बाद पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बंद का आयोजन किया गया है। बुधवार को बंद के आह्वान के बाद श्रीनगर में अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। लोग सड़कों पर दुख और आक्रोश व्यक्त करते नजर आए। कहा कि यह घटना कश्मीर की अतिथि और शांति की भावना के साथ विश्वासघात है। लश्करे-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन के इस हमले का मकसद पर्यटकों में खौफ पैदा करना और घाटी में सामान्य स्थिति की वापसी को रोकना था। यहां उल्लेखनीय है कि बीते साल जम्मू-कश्मीर में पैंतीस लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे थे। पहलगाम जैसी जगह में जहां सत्तर फीसदी लोगों की आजीविका पर्यटन से जुड़ी है, वहां स्थिति सामान्य होने में अब लंबा वक्त लगेगा। आने वाले दिनों के लिये पर्यटकों ने अपनी यात्राएं रद्द कर दी हैं। बहरहाल, इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद केंद्र सरकार ने युद्धस्तर पर कार्रवाई की है। प्रधानमंत्री मोदी अपनी विदेश यात्रा को बीच में ही रोककर भारत लौटे हैं। गृहमंत्री अमित शाह ने भी घाटी पहुंचकर तत्काल जमीनी स्थितियों का आकलन होने तक पूरी सरकारी मशीनरी की ताकत झोंक दी है। तात्कालिक प्रतिक्रिया के तौर पर इस संवेदनशील क्षेत्र की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। वहीं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमलावरों को यथाशीघ्र कड़ा जवाब दिया जाएगा।

पर्याप्त कड़ाई नहीं

पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा करने वाला संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) का बयान जरूरी तो था, लेकिन काफी नहीं। भारत और अपने एक नागरिक को खोने वाले नेपाल के प्रति संवेदना जाहिर करने वाले इस बयान के मुताबिक, सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने इस बात को दोहराया कि आतंकवाद अपने सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक है। सुरक्षा परिषद के सदस्यों में इस साल पाकिस्तान बतौर एक निर्वाचित अस्थायी सदस्य शामिल है। बयान में इस हमले को अंजाम देने वाले अपराधियों और उनके प्रायोजकों को न्याय के कटघरे में लाने की जरूरत पर भी जोर दिया गया। हालांकि, यूएनएससी ने इस हमले की शुरू में जिम्मेदारी लेने वाले द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) का न तो नाम लिया और न ही यूएनएससी द्वारा नामित आतंकवादी संगठन, लश्कर-ए-तैयबा के साथ उसके रिश्तों का जिक्र किया। न ही अतीत की भांति इसने भारत सरकार के साथ सहयोग की स्पष्ट बात कही। अंत में इस बयान में आतंकवादियों द्वारा गैर-मुसलमानों को निशाना बनाने के इरादे का कोई जिक्र नहीं किया गया, जो सांप्रदायिक तनाव भड़काने के मकसद से की गई एक घिनौनी हरकत है। पिछले ऐसे बयानों से तुलना करने पर यह साफ हो जाएगा कि इसकी भाषा को इसलिए नरम कर दिया गया, क्योंकि पाकिस्तान परिषद का सदस्य है (2025-26) और उसे चीन का समर्थन हासिल है। चीन ने अतीत में पाकिस्तान की आलोचना करने वाले बयानों पर वीटो लगाने की कोशिश की है। यह भी निराशाजनक है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के वर्तमान अध्यक्ष, फ्रांस के दूत द्वारा तैयार किए गए इस वक्तव्य में अमेरिका, रूस और ब्रिटेन सहित परिषद के अन्य सदस्यों से ठोस सुझाव नहीं लिए गए। अब जबकि सरकार और सुरक्षा बल आतंकवादियों को पकड़ने के लिए जम्मू एवं कश्मीर में आतंकवाद-रोधी अभियानों और सीमा पार संभावित सैन्य विकल्पों पर चर्चा कर रहे हैं, लिहाजा भारत का अगला विकल्प संयुक्त राष्ट्र महासभा में ज्यादा कड़े शब्दों में बयान देना हो सकता है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Drones are changing war and India must catch up

IN a seminar hosted by the Centre for Joint Warfare Studies on March 10, General Anil Chauhan, India's Chief of Defence Staff, emphasised the transformative role of unmanned aerial systems, commonly known as drones, in modern warfare and called for doctrinal clarity on the employment of drones.Drones have been around for decades in the military arsenal of countries. What is new is the extensive use of drones in the Russia-Ukraine war, from the tactical battlefield to achieving strategic effects. As the Indian military increasingly looks to induct drones into service, key insights from the Ukraine conflict should guide this effort.

The start of the Ukraine war saw the traditional employment of large, slow-flying drones, like Ukraine's Bayraktar TB2 and Russia's Orion, in surveillance and strike roles. However, these drones were vulnerable to air defence systems and soon disappeared from the skies, replaced by smaller military drones, like the Ukrainian Furia and the Russian Orlan-10.The real transformation occurred when Ukraine turned to commercial off-the-shelf drones, repurposing thousands of them as combat tools. By the war's second year, drone operations had massively expanded in scale and sophistication. In 2023, the Ukrainian army raised over 60 special drone strike units embedded in combat brigades and independent drone groups, institutionalising drone warfare.With the increasing role of drones on the battlefield, their numbers expanded exponentially. Oleksandr Syrskyi, Ukraine's commander-in-chief, said over 1.3 million drones had been delivered to frontline soldiers in 2024. Russian President Vladimir Putin has stated that Russia was ramping up its drone production to nearly 1.4 million in 2024, a tenfold increase from the previous year.Today, small quadcopters costing less than $1,000 dominate the tactical battlefield, carrying out a variety of roles —intelligence, surveillance, target acquisition and kinetic strikes. This omnipresence of drones has dramatically compressed the kill chain: spotting a target and directing fire on it is often done in just minutes or even seconds. A February 2025 study by the Royal United Services Institute estimates that tactical drones account for 60 to 70 per cent of the damaged and destroyed Russian systems.

Russia's success in driving Ukrainian forces out of Kursk in March 2025 has been attributed to the mass employment of fibre-optic drones. These drones are tethered to their operator via a physical cable and are immune to electronic jamming. Ukraine troops described their retreat from Kursk as a "horror movie" as drones "hunted them day and night."Drones have also had strategic impacts away from the frontlines. Ukrainian uncrewed surface drones (USVs) have sunk Russian warships, compelling Russia to relocate much of its Black Sea fleet to ports like Novorossiysk, effectively ceding control of large parts of the Black Sea. USVs carrying drones have attacked Russian gas platforms and other targets around the Black Sea.As drones proliferate in the Indian military, they must not be treated as standalone assets but integrated into a combined arms operation. The control of thousands of drones in the sky will require a network-centric approach to manage the information overload. Ukraine has adopted the DELTA system, which integrates data from multiple sources, including drone video feeds, open-source intelligence and satellite imagery, to present a real-time picture to commanders, enabling quick targeting.

A current deficit in India's military power is the limited inventory of conventional missiles for engaging targets deep in enemy territory. Long-range strike drones can fill this gap. According to a report by the Center for Strategic and International Studies, Russia carried out 8,484-long-range strikes against Ukraine between September and December 2024. More than 90 per cent of these strikes were carried out by attack drones, mostly Shahed drones imported from Iran. While relatively slow and often intercepted, the Shaheds are cheap (about $35,000 each) and are being used in large numbers as expendable cruise missiles.

How demolitions changed the mood in Kashmir

At work, he consulted experts and peers alike. He was open to critique and to correction. He analysed all aspects in minute detail before he took a decision.

THE April 22 terror strike at Baisaran in Jammu and Kashmir that killed 26 tourists from across India has exposed what people in Kashmir have known all along — that the "normalcy" in Kashmir that Union Home Minister Amit Shah frequently boasted of was not real. It had been achieved by means of a severe crackdown — one that created an artificial silence in the Valley, with tourists being encouraged to travel to Kashmir, for sightseeing and for pilgrimages, to give life to the normalcy story.The ambushes on military vehicles and civilians in Jammu and the regularity with which encounters continued to take place showed that cross-border infiltration was not a thing of the past. It also bared gaps in intelligence. The infiltrators were tech-savvy, using new apps and devices that do not require SIM cards to communicate with one another. They hid out for weeks before striking. They appeared well trained.The unguarded Baisaran meadow in Kashmir presented the attackers with a twin opportunity — to bring international attention back to Kashmir by puncturing the hot-air balloon of normalcy and create shock and grief in the rest of India, similar to the one after the Pulwama attack in 2019 or the Mumbai attack of 2008. They grabbed the opportunity and after carrying out the bloodbath, melted back into the forests from which they had suddenly emerged for their deadly mission.The attack presents a unique challenge for the Modi government. After responding to the Jaish-e-Mohammed's Uri attack in 2016 with the so-called "surgical" strike across the Line of Control and an escalated military response to the 2019 Pulwama attack in the form of an air strike on a Jaish-e-Mohmmed madarsa in Balakot in Pakistan's North West Frontier Province — both publicly declared moves that were received with much applause for Prime Minister Narendra Modi's "muscular" riposte to Pakistan — the government can't be seen as doing anything less now.Whether such a step will prevent another Uri, Pulwama or Baisaran cannot be predicted. Certainly, India's two previous retaliations were no deterrent. Also, it remains unclear what those responses achieved on the ground. Rather, terrorists appear to hold the upper hand, with their ability to wind up India into a military posture against Pakistan at regular intervals.Among the government's immediate actions was to put the Indus Waters Treaty "in abeyance", which some ministers interpreted disingenuously for domestic audiences as "not allowing a drop of water to flow into Pakistan." Water will continue to flow across the border. And the reason is that even with the three rivers allotted to India, there is no way to stop the flow except by building more infrastructure to dam the water. The same is the case with the western rivers allotted to Pakistan. That work will take years, if not decades.As India mulls its next big move, the work of investigating the attack and identifying the terrorists and those behind them is important. Investigators have said some of the attackers were Pakistani. The government holds Pakistan responsible for the attack, which was initially claimed by The Resistance Front, which security agencies say is a proxy of the Pakistan-based Lashkar-e-Toiba. It withdrew the claim four days later, echoing the widespread view in Pakistan that this was a 'false flag operation'.Only a thorough investigation can substantiate India's conclusion that the Pakistani state is behind this attack. For domestic audiences, an allegation is enough. For Pakistan, no amount of evidence is enough, as counter-terrorism expert Ajai Sahni told me in an interview. Even after its agencies held the Lashkar-e-Toiba responsible for the 2008 Mumbai attack, Pakistan continues to deny responsibility.For the international community, though, whose support and solidarity India will need if a military response of some kind is being contemplated, evidence of that link would be all important. In 2008, it was the phone calls that nailed Pakistan's involvement in the attacks on Mumbai. In 2019, the JeM, based in Paksitan's Bahawalpur, claimed that attack through a video message.While the investigation continues without a breakthrough yet, those who carried out the Baisaran attack must be congratulating themselves on how the government and sections of India are playing to a predictable script.Within a few hours of the massacre, Kashmiris came out to protest against the attack and proclaimed solidarity with the rest of the country. While some may have done so out of compulsion and circumstances to prove their loyalty to the watching eyes of the security forces and agencies, it is also true that for many, it was a spontaneous expression of anger, horror and grief at what had happened.But if the perpetrators were worried at this backlash against them, the mood in the Valley changed within days, to be replaced with one of anger against the government.The reversal came as those in charge took the questionable decision of demolishing homes of local men and boys suspected of having joined cross-border terror groups and detaining hundreds of people for questioning.In all, nine homes were blasted to rubble. In some cases, it had been years since the families had seen these men. In one case, a neighbour's home was also razed.The changed mood was articulated by political parties as they called for a halt to this mindless punishment. An audio message, purportedly from someone named Ahmed Salaar, warned of a revenge that would be "a house for a house, a family member for a family member."It is unclear if razing the family homes of Kashmiris who may or may not have been involved in the Baisaran attack was aimed at placating Indians demanding quick "justice". After all, large sections of India are now more used to bulldozers than investigations, charge-sheets and trials. In Kashmir, though, it only means another layer of alienation.The demolitions, which took place despite and in violation of the Supreme Court's orders against the practice, have now stopped.But while the world waits for what happens next between India and Pakistan, the quick turnaround in public sentiment in the Valley, the harassment of Kashmiri students in other parts of India and, most definitely, the communal slurs directed at Muslims across the country, holding them all responsible for the attack, must be music to the ears of the perpetrators of Baisaran.

J&K stands united

Assembly roots for peace after terror attack

THE Jammu and Kashmir Assembly has sent out a strong message of peace and communal harmony in the wake of the Pahalgam terror attack. During a special House session, it unanimously passed a resolution condemning the massacre that has shocked, angered and saddened not only J&K but the entire country. The horrifying incident has come just six months after the Omar Abdullah-led government took charge following peaceful and highly participative elections in the state-turned-UT. Right now, the biggest challenge for the CM is to ensure that the gains from the revival of the democratic process are not frittered away.

Omar sees a ray of hope for Kashmir in the spontaneous outrage and grief, "coming straight from the hearts of the people", after the massacre. "Every mosque observed silence (in memory of the victims)," he noted. Indeed, this heartwarming sign indicates that all is not lost. The welcome spirit of unity, compassion and resilience can counter the disruptive elements who want to push a resurgent J&K back into that nightmarish era of the early 1990s.

Omar has candidly admitted that he failed in his responsibility of sending tourists safely back home. Refusing to exploit the tragedy for political ends, he has declared that he will not use this moment to seek statehood. It's inevitable that J&K's UT status will not end as long as terrorism keeps rearing its ugly head. However, the wholehearted involvement of Kashmiris and their elected representatives in the fight against terror can make a visible difference on the ground. A lot will depend on the support provided by the Centre and various states to the beleaguered UT. Helping Kashmir pick up the pieces after a devastating blow should become a national priority.

Coercion is the norm for India, Pak

Cross-border terrorism has persisted despite peace moves and our avowed muscularity

INDIA has suffered another horrendous Pakistan-sponsored terror attack that has claimed the lives of tourists from across the country. It has rudely shaken the sense of normalcy in Jammu and Kashmir.

This attack, which may not be the last, is yet another reminder that after suffering Pak terror for more than 40 years, several peace moves and our avowed muscularity of the last decade, there is no end to this scourge. There is a complete impasse in the bilateral relationship, diplomacy has taken a back seat and both countries are dependent on deterrence and coercion to manage it. Pakistan has all along regarded state-sponsored terrorism as an instrument of coercion. The relative restraint it exercised on its terror machine in recent years was the result of internal compulsions and FATF scrutiny. However, sporadic, small terror attacks never ceased.There have been telltale signs of late that Pakistan might try to ratchet up terror in J&K. It has been blaming India for its own failures in Balochistan. After the recent train hijacking there, the Pakistan army said it would take on Baloch militants as well as their facilitators and abettors inside or outside Pakistan. Army Chief Gen Asim Munir raked up Kashmir during a recent address to overseas Pakistanis. There have been reports of increased infiltration bids and ceasefire violations by the Pakistan army across the Line of Control (LoC).Our government took the following decisions in response to the Pahalgam attack: the Indus Waters Treaty to be held in abeyance; immediate closure of the integrated check post at Attari; scrapping of the SAARC visa (meant for top functionaries and some other categories in SAARC nations) for Pakistanis; and overall strength of the respective High Commissions cut down from 55 to 30, along with the expulsion of Pakistani military, air and naval advisers from India. Subsequently, the government also decided to suspend visa services to Pakistani nationals.

No military CBMs (confidence-building measures) have been touched. With the exception of the first, the above measures are symbolic. The Indus treaty has already been in the doldrums, with India repeatedly asking for its modification. The suspension of this treaty, which continued functioning even during the wars of 1965 and 1971, is meant to mount pressure on Pakistan. It will give India a free hand in building hydroelectric and storage projects on Indus, Jhelum and Chenab. However, in the absence of the necessary infrastructure to store and divert Pakistan's share of water for our own use, our capacity to withhold Pakistan's water or regulate the timing of flow to hurt crop sowing there remains limited. Building such infrastructure in a mountainous terrain, besides being technically challenging, is costly and time-consuming.

Pakistan has reciprocated the steps on the land border closure, SAARC visa and the strength of missions. In addition, it has suspended Afghanistan's exports to India through its territory, closed its airspace for all Indian aircraft, and said it shall exercise its right to hold all bilateral agreements with India, including but not limited to the Simla Agreement, in abeyance. This presumably covers military CBM agreements also.

Is Pakistan trying to question the sanctity of the LoC under the 1972 agreement? With its existing vulnerabilities, is Pakistan in a position to challenge it by waging a war against India? The neighbour has also threatened that any attempt to stop or divert its share of water under the Indus treaty will be considered an act of war and responded to with full force across the complete spectrum of national power. Pakistan has thus held out the nuclear threat as in earlier crisis situations.The following factors need particular examination in the above context:First, considering the telltale signs of a likely increase in Pak-sponsored terror, why were we unable to prevent the Pahalgam attack? To be sure, even the best counter-terror measures cannot plug all gaps for a determined adversary to get through. However, questions like how the presence of terrorists in the vicinity of the attack site, full of tourists, missed the attention of our intelligence; and why, going by media reports, there were no security personnel around to engage them, will continue to linger. I am sure the government will go into such issues to draw appropriate lessons.

Second, the measures announced so far are largely symbolic. In the case of the Indus treaty, we have to see what steps, if any, the government takes to enhance its impact on the ground in the short run. The Cabinet Committee on Security has resolved that perpetrators of the attack will be brought to justice and their sponsors held to account. Ideally, the government of the day should be able to choose the necessary retaliatory steps without the constraint of having to publicise them. However, the bar having been raised by the highly publicised Balakot strike after the egregious Pulwama attack has given rise to expectations of at least similar action now. We will have to wait and see what further retaliatory step(s) the government takes.

Third, the terrorists killed tourists after ascertaining their religion in a mischievous attempt to create communal friction in India. The befitting answer to them and their mentors is adherence to our tradition of religious harmony.Finally, coercion is a means to an end by way of leveraging its impact to bring the adversary to a more reasonable position. Our coercive measures so far have not secured an enduring change in Pakistan's conduct. We will have to wait and see the impact of the latest measures. Pakistan's first response has been belligerent, aimed at creating a standoff to invite intervention by influential countries. Because of the nature of our relationship with Pakistan, coercion seems to be becoming an end in itself as there is no other endgame in sight. In this environment, the adversary can inflict pain on us occasionally in spite of the best efforts of our security setup.

Explained: Why Bajaj Finserv shares tumbled 6% after Q4 results

NEW DELHI. Shares of Bajaj Finserv fell sharply in early trade on Wednesday, slipping as much as 6.2% to Rs 1,936 on the Bombay Stock Exchange (BSE), after the company's March quarter results disappointed investors despite showing healthy year-on-year growth. As of 9:39 am, the stock was trading 5.88% lower at Rs 1,943.65.In its Q4FY25 earnings, Bajaj Finserv reported a 14% year-on-year (YoY) rise in both net profit and revenue, posting Rs 2,417 crore in profit and Rs 36,595 crore in revenue.Sequentially, the company saw an 8% rise in PAT from Rs 2,231 crore in Q3FY25, while revenue climbed 14% quarter-on-quarter (QoQ) from Rs 32,042 crore in the previous quarter.

For the full fiscal year, Bajaj Finserv posted a 9% YoY rise in net profit to Rs 8,872 crore, up from Rs 8,148 crore in FY24.Annual revenue rose 21% to Rs 1,33,821 crore, compared with 1,10,382 crore in the previous year.However, rising costs appear to have weighed on investor sentiment. Total expenses surged 15% YoY to Rs 30,603 crore in Q4, and were also up 16% sequentially. The company cited higher employee benefits, finance costs, and commission expenses as key contributors.Bajaj Finserv also declared a dividend of Re 1 per share for FY25, with payment scheduled by July 29, 2025.Despite the post-results drop, Bajaj Finserv shares have gained 20% over the past year. Year-to-date, the stock is up 23% and a 6-month return of 11%.

Meanwhile, shares of Bajaj Finance also fell nearly 5% on the BSE after its Q4 results were slightly below expectations, leading to mixed reviews by brokerages.

India to supply 4.12 lakh tonne green hydrogen derivatives to Japan, Singapore

NEW DELHI. India will supply a total of 4.12 lakh tonne of green hydrogen derivatives to Japan and Singapore, said Minister for New and Renewable Energy Pralhad Joshi on Tuesday.The minister also launched Green Hydrogen Certification Scheme of India (GHCI), aimed at establishing a framework to certify green hydrogen production and ensure transparency, traceability, and market credibility. The GHCI mandates that all green hydrogen producers—except those producing solely for export—must undergo a certification process to verify that their hydrogen is produced exclusively using renewable energy sources."India has entered into agreements with Singapore and Japan for the supply of 4.12 lakh tonne of green hydrogen derivatives. Our country is emerging as a global leader in the field of green hydrogen. Under the leadership of Prime Minister Narendra Modi, we are committed to achieving our target of 5 million metric tonnes of green hydrogen production by 2030," Joshi said.The certification process will be conducted by Accredited Carbon Verification (ACV) Agencies listed by the Bureau of Energy Efficiency (BEE). Once India's carbon market is launched in 2026, the green hydrogen certificates will also become tradable assets within the market.Joshi said certification is crucial to ensure that green hydrogen is truly green. With defined standards now in place, our green hydrogen will carry a mark of quality and credibility, making it globally competitive and export-ready. The National Green Hydrogen Mission, launched in January 2023 with an outlay of Rs 19,744 crore, aims to establish a green hydrogen production capacity of at least 5 million metric tonnes per year by 2030.

GCCs see 16.4% gender pay gap at senior levels

New Delhi. Though the country's Global Capability Centres (GCCs) are growing rapidly and hiring a large number of people, the GCC ecosystem faces a major gender pay gap, as the latest findings from TeamLease indicates a disparity of 16% between male and female employees.

As per the findings, gender pay disparities in this sector are alarmingly pronounced, especially in senior and technical roles where women face significant obstacles to career advancement. A detailed sector-wise analysis reveals inequalities in the BFSI segment, with women earning an average of 26.3% less than their male counterparts. This divide grows further at senior levels, with women experiencing a pay gap of 23.8%.

The participation of women in GCCs has seen a dynamic trajectory, with notable growth periods followed by phases of decline and eventual recovery. From 2023 to 2024, GCCs did show a commitment to improve gender diversity, particularly at mid and senior levels, with the percentage in mid-levels growing from 12.12% in 2023 to 13.68% in 2024 and the senior levels witnessing a growth from 8.14% in 2023 to 13.60% in 2024.Neeti Sharma, CEO of TeamLease Digital, said, "The GCC ecosystem in India presents a powerful opportunity to drive change and inclusivity. While the sector has made considerable progress in elevating women into meaningful roles, the gender pay gap reveals a deeper systemic challenge. Now, it is time for organisations to ensure equity in growth, compensation, and leadership visibility.

Bajaj Finance shares tank over 5% after Q4 results. Buy, hold or sell

NEW DELHI. Shares of Bajaj Finance slipped sharply in early trade on Wednesday, even as the company posted strong earnings for the March quarter. The stock was trading 5.2% lower at Rs 8,608.45 at around 10:18 am on the Bombay Stock Exchange (BSE).

The stock reacted to a set of numbers that, while solid on paper, failed to match elevated market expectations. In the fourth quarter of FY25, Bajaj Finance reported a 19% year-on-year jump in net profit to Rs 4,546 crore, driven by a 22% rise in net interest income to Rs 9,807 crore.Total income climbed 23% to Rs 11,917 crore during the same period. The company's consolidated assets under management rose 26% to Rs 4.16 lakh crore, while new loans booked during the quarter surged 36% to 10.7 million.Despite this, investors on Dalal Street seem unimpressed. Higher loan loss provisions, which came in at Rs 2,329 crore compared to Rs 1,310 crore in the year-ago period, dented sentiment.

LATEST TARGET PRICE, BROKERAGE VIEWS

Analysts also flagged a minor decline in net interest margin and the impact of a Rs 290 crore tax reversal that provided one-time support to the bottom line.Adding to the cautious tone was the company's revised guidance under new CEO Anup Saha. Bajaj Finance trimmed its FY26 AUM growth forecast to 24–25%, down from the earlier 25–27% range. Its fee income guidance, pegged at 13–15%, also came in lower than expected, raising concerns about operating leverage.To offset some of the investor disappointment, Bajaj Finance announced a raft of shareholder-friendly moves. These included a 1:2 stock split, a 4:1 bonus issue, a special dividend of Rs 12, and a final dividend of Rs 44 per share.Still, these announcements weren't enough to lift the stock, which has risen in only one of the past five sessions.Analyst commentary reflected the split in sentiment. HSBC maintained a Buy rating with a price target of Rs 10,800, confident in the company's ability to deliver 25% EPS growth through FY28. Jefferies also held a bullish view with a Rs 10,440 target, citing credible leadership transition and moderated credit costs. Emkay Global reiterated its Add rating with a Rs 9,200 target, though it revised earnings forecasts slightly lower.In contrast, Citi downgraded the stock to Neutral and cut its price target to Rs 9,830. The brokerage flagged a 9-basis-point drop in NIM, higher-than-expected credit costs, and slower AUM growth as causes for concern.

Macquarie and Bernstein were more bearish, both maintaining Underperform calls with targets below Rs 6,500, warning of valuation risks and earnings headwinds in FY26.

Morgan Stanley, however, backed the stock with an Overweight rating and a target of Rs 10,500, calling FY26 earnings prospects strong despite Q4's minor setbacks.Of the 38 analysts covering Bajaj Finance, 25 continue to recommend buying the stock, while eight suggest holding and five recommend selling. Despite Wednesday's drop, the stock is up over 24% year-to-date and over the past twelve months.

Gold price falls further as easing trade tensions dampen appeal

NEW DELHI. Gold prices dropped on Wednesday, pressured by a firmer dollar and a de-escalation in trade tensions between the United States and its trading partners, while investors awaited key US data for cues on the Federal Reserve's rate outlook.Spot gold was down 0.2% at $3,308.32 an ounce, as of 0242 GMT. US gold futures GCcv1 lost 0.5% to $3,317.50.The dollar edged 0.1% higher against a basket of currencies, making bullion more expensive for overseas buyers.There's been a minor recovery in the broad dollar strength, which led to a little bit of retracement in gold, said Nicholas Frappell, global head of institutional markets, ABC Refinery.

US President Donald Trump signed a pair of orders to soften the blow of his auto tariffs on Tuesday with a mix of credits and relief from other levies on materials.Trump's trade team also touted its first deal with a foreign trading partner, developments that eased investor worries about his erratic trade policies.

China has waived the 125% tariff on ethane imports from the U.S. imposed earlier this month, two sources with knowledge of the matter said on Tuesday.Bullion, a safeguard against political and financial turmoil, last soared to a record high of $3,500.05 per ounce on April 22 due to global economic uncertainties.

Market participants will scan economic data including US personal consumption expenditures, due later in the day, and non-farm payrolls report on Friday to further gauge the impact of the latest tariffs on Fed's interest rate outlook."The PCE data is expected to show further moderation in prices and keep the door open for further Fed cuts. If we get an upside surprise, then those odds may diminish and that could weigh on gold prices," Capital.com's financial market analyst Kyle Rodda said.

IndusInd Bank share price falls nearly 3% after CEO resigns

New Delhi. Shares of IndusInd Bank slipped nearly 3% in early trade on Wednesday after CEO Sumant Kathpalia resigned, taking moral responsibility for a derivatives accounting lapse that dented the bank's net worth and triggered regulatory scrutiny. The stock was trading at Rs 814, down 2.78%, as of 9:22 am.Kathpalia's resignation marksa dramatic turn in the bank's ongoing troubles related to internal derivatives trades that were improperly accounted for, raising questions about internal oversight and risk management. In his resignation letter, he acknowledged "various acts of commission and omission" and asked that his exit be recorded by the end of the day.His departure comes just 24 hours after Deputy CEO Arun Khurana also stepped down, citing his role in overseeing the bank's treasury front office — the very unit at the center of the accounting lapses. "Considering the recent unfortunate developments... I hereby resign, effective immediately," Khurana wrote in his resignation.According to sources familiar with the matter, the Reserve Bank of India (RBI) had advised both executives to step down following an external audit that confirmed significant discrepancies in the bank's derivatives accounting.

The lapses first came to light on March 10, when IndusInd disclosed potential issues with its derivative account balances. An internal assessment had projected a 2.35% hit to net worth as of December 2024. A follow-up report by an external agency, submitted on April 15, pinned the damage at Rs 1,979 crore as of June 2024. Following this, the bank revised its earlier estimate and now expects a post-tax impact of 2.27% on net worth.The bank has said it will incorporate these adjustments into its FY2024-25 financials and pledged to tighten controls in its derivatives operations. Meanwhile, it has approached the RBI for approval to form a temporary executive committee to oversee CEO duties, but has yet to name an interim replacement.The leadership shake-up comes at a sensitive time for the private lender, which must now reassure investors and regulators that its governance framework is sound. While the full financial implications are still unfolding, analysts believe the issue, though serious, is containable if followed by robust corrective measures.

Sensex, Nifty recover early losses as FII inflows lift market sentiment

NEW DELHI. Benchmark stock market indices opened lower on Wednesday as border tensions weighed in on investor sentiment, nullifying the positive developments such as FII inflow and global trade talks. However, Sensex and Nifty pared their losses to trade higher later.The S&P BSE Sensex added 83.58 points to 80,371.96, while the NSE Nifty50 gained 18.70 points to 24,354.65 as of 9:45 am.Dr. VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Investments Limited, said that the crucial support to the market is coming from the sustained FII inflows which have touched a cumulative figure of Rs 37,325 crores in the last 10 trading sessions."The surprising resilience of the market is significant. After the reciprocal tariff tantrums and the heightened tensions between India and Pakistan, Nifty is up 5% in April. This underscores the importance of not panicking during a crisis. The weakness of the dollar and India's economic resilience are supporting this FII's India trade," he added.

Power Grid Corporation led the gainers with a solid jump of 1.65%, followed by HDFC Bank which rose 0.92%. Sun Pharmaceutical Industries gained 0.88%, NTPC added 0.80%, and Mahindra & Mahindra rounded out the top five gainers with a 0.72% increase.On the losing front, Bajaj Finserv faced the steepest decline, tumbling 6.27%, while Bajaj Finance plunged 5.39%. Tata Motors dropped significantly by 2.34%, State Bank of India fell 1.60%, and UltraTech Cement slipped 0.85%."However, investors should exercise caution. Since markets have rewarded patience and many stocks have appreciated handsomely, investors can do partial profit booking and increase the cash component in their portfolio. This strategy should be as a measure of abundant caution. There are unknown unknowns in the market now," said Vijayakumar.

Mother Dairy milk becomes costlier: Know prices of toned milk, cow milk, full cream

Mother Dairy sells around 35 lakh litre of milk per day in Delhi-NCR market through its own outlets, general trade and e-commerce platforms. It also has presence in other states including Uttar Pradesh, Haryana, Uttarakhand and Bihar.

New Delhi. Leading milk supplier Mother Dairy has increased milk prices by up to Rs 2 per litre to partly offset rising input costs. The prices have been increased in all markets where the company has a presence.Mother Dairy sells around 35 lakh litre of milk per day in Delhi-NCR market through its own outlets, general trade and e-commerce platforms. It also has presence in other states including Uttar Pradesh, Haryana, Uttarakhand and Bihar.Mother Dairy argued that it was compelled to increase milk prices for consumers because of the rise in procurement costs of milk from dairy farmers."This price revision has been necessitated to address the significant increase in procurement costs, which have gone up by Rs 4-5 per litre over the past few months," a Mother Dairy official said on late Tuesday.The surge in procurement costs is mainly due to early onset of summer and heatwave conditions, the official said. This revision represents only a partial pass-through of the increased costs, aiming to equitably serve the interests of both farmers and consumers, the official added.Mother Dairy passes on 70-80 per cent of its retail prices to dairy farmers. In Delhi-NCR, the prices of toned milk (bulk vended) have increased to Rs 56 per litre from Rs 54 per litre earlier.

Rates of full-cream milk (pouched) and toned milk (pouched) have been increased by Rs 1 per litre to Rs 69 per litre and Rs 57 per litre. Double-toned milk has become costlier by Rs 2 per litre to Rs 51 per litre. The prices of cow milk has been increased to Rs 59 per litre from Rs 57 per litre.In small packs of 500 ml, Mother Dairy has increased prices by Rs 1 per litre for full-cream, toned, double-toned and cow milk. Half litre full-cream milk will cost Rs 35, toned milk Rs 29, double-toned Rs 26 and cow milk Rs 30. Mother Dairy has 9 company-owned dairy processing plants with a total capacity of more than 50 lakh litre per day.It manufactures, markets and sells milk and milk products including cultured products, ice creams, paneer, ghee, etc. under the 'Mother Dairy' brand.The company also has a diversified portfolio with products in edible oils under the 'Dhara' brand and fresh fruits & vegetables, frozen vegetables & snacks, unpolished pulses, pulps & concentrates, etc. under the 'Safal' brand.

In Landmark Order, Supreme Court Says Digital Access A Fundamental Right

NEW DELHI. Digital access is a fundamental right and the State must ensure digital accessibility for everyone, including those from rural areas and the society's marginalised sections, the Supreme Court ruled today. The bench of Justice JB Pardiwala and Justice R Mahadevan passed the landmark judgment on two Public Interest Litigations, including one by an acid attack survivor in which she cited the problems she faced during the Know Your Customer (KYC) process at a bank.Bridging the digital divide, the court said, is no longer a matter of policy discretion but has become a constitutional imperative to secure a life of dignity.

"The right to digital access emerges as a distinct component of the right to life and liberty, necessitating that the State proactively design and implement an inclusive digital ecosystem not only for the privileged but also for the marginalised who are being historically excluded," the court said.The court noted that access to essential services such as healthcare is now largely mediated through digital platforms. So, the right to life under Article 21 should be interpreted in light of technological realities, it said.

The court has issued 20 directions to the State to make the KYC process more inclusive and stressed that it was "imperative" that guidelines are revised.

One of PILs before the court related to an acid attack survivor who suffered severe eye disfigurement and facial damage. In July 2023, she approached a bank to open an account. She could not complete the Digital KYC process, during which the bank said they needed to capture a live photograph in which she blinked.

The petition said that the mandatory requirement of proving that a customer is alive under the RBI-regulated process can only be fulfilled when he/she blink before the camera. The bank later made an exception for the petitioner following an uproar on social media. The petitioner Pragya Prasun said many acid attack survivors like her face similar issues and sought directions to the Centre to issue fresh guidelines on how such people can get through the KYC process.

We have held that there is a need for change in KYC processes for the disabled. We have given 20 directions. The petitioners who suffer from acid attacks and blindness have been unable to complete KYC process... due to facial disfigurements. Constitutional provisions confer a statutory right on the petitioners to be accommodated in the KYC process. It is imperative that digital KYC guidelines are revised with the accessibility code. In the contemporary era, where economic opportunities etc. is through digital (access), Article 21 needs to be re-interpreted in light of such technology and the digital divide increases," the court said.

Justice Mahadevan penned the order and his brother judge, Justice Pardiwala, complimented him, saying it is "brilliant".

Story of Dabaya Ram: How a former Pakistani lawmaker selling kulfi and ice-cream in India have been allowed to stay here

New Delhi. After the heinous terror attack on April 22 in Jammu and Kashmir's Pahalgam, the tension between India and Pakistan has increased manifold. The Indian government has imposed a series of stringent actions against the neighbouring country including the suspension of the Indus Water Treaty and the deportation of Pakistani nationals living in India back to their country. While many people have already left India, there are few who have allowed to stay back on humanitarian grounds, especially a former Pakistani lawmaker, who sells ice cream in our country. Amid the chaos and grief all around, his story and the gesture of the Indian government have touched the chords in the hearts of common people.Dabaya Ram is a former Member of Parliament in Pakistan who is now residing in Haryana's Fatehabad district. As per a News18 report, Ram and his family were summoned by the local police for questioning after the central government issued the directive. However, the family was later permitted to return to its home in Fatehabad district's Rattangarh village of Ratia tehsil. In the family, six people have acquired Indian citizenship but the remaining 28 are still struggling for permanent residency.

The story of Dabaya Ram

Dabaya Ram was born in that portion of Punjab (which is currently in Pakistan) around two years before the Partition of the erstwhile undivided India took place. However, the Partition changed the demographics of the land and Dabaya Ram chose to continue living in Pakistan. According to the News18 report, he and his family stood up against forced conversion in the country and in 1988, Ram was elected unopposed to National Assembly of Pakistan from the Lohiya and Bakhar districts.

However, tragedy soon turned his life upside down. Religious extremists abducted a female relative of Ram and forced her to marry someone. Ram went to the Supreme Court of Pakistan for justice, but the court dismissed his plea. Ram realised that his family was in grave danger in Pakistan, and left the country with his family in 2000. At first, they went to Rohtak on a one-month visa to attend the funeral of a relative. Soon, they decided to settle in Ratangarh.

Selling kulfis and ice-creams to make ends meet

Ram started to sell kulfis and ice cream from a cycle rickshaw to support his large family. His seven children have married within the community and have formed their own family. His family comprises of 34 members and they are trying for the last 20 years to get Indian citizenship. According to the News18 report, six members, including two women, have become Indian citizens while the remaining 28 are still waiting with their application being under process.

Over the years, Ram has renewed the visas every year till 2018. In the initial phases, his family received extensions for a year at a time. However, later, the family started to receive visas of one year and five years. Reportedly, this week, 50 Pakistani nationals with the NORI (No Obligation to Return to India) visa, crossed over to India through the Attari border's Integrated Check Post (ICP). Overall, 240 people from Pakistan, including the 50 NORI visa holders, entered India. On the other hand, 140 people from India returned to Pakistan via Attari. Also, since the Pahalgam terror attack, as per reports, 537 Pakistani nationals have left India.

Lashkar commander's network played key role in Pahalgam attack: NIA sources

New Delhi. The network of top Lashkar-e-Taiba commander Farooq Ahmad played a key role in helping the Pakistan-based terrorists carry out the attack in Pahalgam, according to National Investigation Agency (NIA) sources. Ahmad's house in Kupwara was recently demolished by security forces as part of its crackdown on the terror ecosystem in Kashmir.

Ahmad, currently believed to be in Pakistan-occupied Kashmir (PoK), has played a key role in orchestrating multiple terror attacks in Kashmir over the past two years through his sleeper cell network. Among these, the Pahalgam attack, which left 25 tourists and a Kashmiri dead, has been identified as the most significant.Sources also said that Ahmad has been facilitating infiltration into Kashmir from three sectors in Pakistan. The elusive Lashkar commander is known to have extensive knowledge of the mountainous routes of the Valley.

According to intelligence inputs, Ahmad travelled back and forth between Pakistan and India from 1990 until 2016. After the Pahalgam attack, several of his aides were taken into custody.Sources also said that for the past two years, Ahmad has been using secure communication apps to contact his network in Kashmir while operating from Pakistan.

The horrific attack, one of the deadliest in Kashmir in recent years, was carried out by three terrorists in the scenic Baisaran valley, sources said. A fourth terrorist might also have been present in the forests surrounding the tourist spot.Police have released the sketches of three terrorists behind the attack and announced a reward of Rs 20 lakh for any information leading to their arrest.

Delhi High Court to hear appeals on ban of automatic service charges in restaurants on May 9

NEW DELHI. The Delhi High Court will hear two appeals on May 9 against a previous court decision that supported the Central Consumer Protection Authority (CCPA) guidelines. These guidelines ban the automatic addition of service charges to restaurant bills.The National Restaurant Association of India (NRAI) and the Federation of Hotel and Restaurant Associations of India (FHRAI) had challenged this decision. The appeals were listed before a Division Bench, comprising Chief Justice Devendra Upadhyay and Justice Tushar Rao Gedela. However, the hearing was postponed due to technical issues with the virtual hearing system, and it will now take place on May 9.

In July 2022, the CCPA issued guidelines saying restaurants cannot add service charges to bills without asking customers. This followed many complaints from diners about service charges of 5-20% being added automatically. The NRAI and FHRAI claimed that service charges have been a common industry practice for over 80 years, based on labour agreements. But the single-judge court found no proof that the service charge directly benefits workers.

The judge ruled that forcing customers to pay it is an unfair trade practice under the Consumer Protection Act, 2019.

The court said the CCPA has legal power to stop unfair trade practices. Even though they are called "guidelines," they have the force of law. The court also banned the use of the term "service charge" on bills, as it may confuse people into thinking it is a government tax. Instead, restaurants should use terms like "voluntary contribution" or "staff welfare fund." Service charges must not be added automatically, and customers must be clearly told that tipping is their choice.The single-judge bench dismissed the petitions from NRAI and FHRAI and fined them Rs 1 lakh each, to be paid to the CCPA for consumer welfare. After this decision, both associations filed appeals.

AAP, parents slams Delhi government over 'Private School Fee Act'

Saurabh Bharadwaj and activists criticise bill for lack of transparency, unchecked fee hikes, and reduced parental involvement

NEW DELHI. In a sharp critique, AAP Delhi State President Saurabh Bharadwaj slammed the BJP-led Delhi government for crafting a 'Private School Fee Act' that empowers school managements to hike fees unchecked, eliminates audit provisions, and prevents parents from raising complaints unless they gather support from parents of at least 15% of students.

Soon after CM Rekha Gupta, along with Education Minister Ashish Sood, announced that the Act had been approved, AAP leader Saurabh Bharadwaj claimed that the new rules would dismantle transparency by replacing elected PTA members with school-appointed ones, calling it a direct attack on parental rights.

Ashok Agarwal, social jurist and education activist, further criticised the bill and said, "There are around 400 schools on government land, and they are required to seek prior permission from the government before hiking fees. So, what will the government do in that case? Will there be a new set of rules for them? There are ambiguities in the bill, it seems."

Meanwhile, questioning the government's process, Bharadwaj raised concerns over the lack of transparency, asking, "When was this bill put up for public consultation before it was brought to the Cabinet? Was there any public consultation? Did you see any advertisement anywhere stating that a new law is being brought by the Delhi government and that public consultation would be held, so that parents could give their input and suggestions about what they want?"

President of the Delhi State Public Schools Management Committee RC Jain said, "The bill is too complicated to be commented upon. The government did not consult any experienced person in the field of education before approving it. I am hearing that on the complaint of children, the school will be fined Rs 50,000. Does that make any sense?"

Mysuru tech entrepreneur kills wife, son in US; dies by suicide: Report

New Delhi. An entrepreneur from Karnataka's Mysuru has allegedly killed his family dead in Newcastle, near Washington, before killing himself. Harshavardhana Kikkeri is said to have shot his wife Shwetha and their 14-year-old son at their home in Newcastle on April 24.Reports have suggested that Harshavardhana and Shwetha's younger son has survided because he wasn't present at their home at the time of the horrific incident.

According to a report by The Seattle Times, Police found three dead bodies, blood on window, a bullet in the street in King County, as revealed by King County Sheriff's spokesperson Brandyn Hull. This was after the Police received a call from 911 last week. The intention behind the killings of mother and the elder son followed by self-killing is yet to be revealed.Harshavardhana was the CEO of HoloWorld, a robotics company headquartered in Mysuru's Vijayanagar. His wife Shwetha was the co-founder of the company and also served as a chairperson in it. The company was closed down in the aftermath of the Covid-19 pandemic, influencing the family to return to US from Mysuru in 2022.

It is reported that Harshavardhana's mother Girija left for US after learning the shocking news. His father Kikkeri Narayana was a well-known linguist and also said to be a progressive activist.

Harshavardhana hailed from Kikkeri village in Mandya district in Karnataka. He graduated from the Sri Jayachamarajendra College of Engineering in Mysuru. He specialised in robotics and his career was boasted with his stint with Microsoft in the US. He is said to have returned to India along with his wife Shwetha in 2017 to start HoloWorld only for the company operations to cease in 2022.

Delhi-Gurugram decongestion: Three-phase plan for entry-exit points on National Highway-48 underway

Shankar Vihar, Shiv Murti and Lohia Hotel to see traffic shift for smoother flow; NHAI tackles congestion in three stages

NEW DELHI. To decongest one of the most crucial stretches of National Highway-48 leading from Delhi to Gurugram, three entry and three exit points are being developed in three phases, officials said on Tuesday.According to officials, the first phase was completed earlier this month, with one entry and exit point constructed near Shankar Vihar.

The second phase, which began last week, involves developing entry and exit points near the Shiv Murti and is expected to conclude by Wednesday.The initiative follows a recent meeting between the Delhi Traffic Police and officials of the National Highways Authority of India (NHAI), where heavy congestion at Shankar Vihar and the cut near Lohia Hotel was flagged. The merging of traffic at these points frequently causes long traffic snarls, with vehicles colliding and bottlenecks forming.

To address this, the NHAI was requested to shift the current exit at Shankar Vihar approximately 500 metres ahead on the service road. Similarly, the entry point near Hotel Lohia is proposed to be shifted about 200 metres before the nearby police post, with additional attention to be given to the entry and exit at the Telco point. NHAI officials said the decongestion plan would be executed in three stages. In the first phase, only one entry at Shankar Vihar and one exit at Lohia Hotel will be allowed. This phase is scheduled for completion within a week.

The second phase will begin following the completion of a tunnel at the Telco point. The third phase, to be completed within two months, will involve developing an additional entry and exit between Shankar Vihar and Lohia Hotel.

As a temporary alternative, officials have suggested that entry to Mahipalpur and Vasant Kunj be allowed only through the service road. Signage and hoardings will be installed at key locations to guide commuters, who will be diverted to the service lane from the Shankar Vihar entry point and exit at Hotel Lohia. Last month, this newspaper reported on the proposed new entry-exit arrangements at four key locations on the carriageway.

NEWS BOX

North Korea Conducts 1st Test Firing Of Its New Warship's Weapons System

Seoul. North Korea earlier this week conducted the first test-firing of the weapons system of the new "Choe Hyon-class" warship it recently unveiled, state media KCNA reported on Wednesday.Cruise and anti-air missiles were launched and artillery fired as part of the test-firing attended by leader Kim Jong Un and senior officials, the report said.The time has come for North Korea's navy to choose to accelerate nuclear armament for maritime sovereignty and for the sake of national defence, Kim was quoted as saying.North Korean state media on Saturday revealed the 5,000-tonne warship equipped with the "most powerful weapons."Kim, in a speech from the launch reported by KCNA, said the warship would be handed over to the navy and go into service early next year.The "Choe Hyon-class" ship was named after anti-Japanese revolutionary fighter Choe Hyon, according to KCNA.

At BRICS Summit, Brazil Warns Against Protectionism Amid Trump Tariff War

Rio de Janeiro. Foreign ministers from the BRICS group of developing nations failed to reach a joint communique on Tuesday after meeting in Rio de Janeiro, but chair Brazil issued a statement speaking out against trade protectionism.In the statement, Brazil said the group's foreign ministers expressed "serious concern at the prospect of a fragmented global economy and the weakening of multilateralism".The United States has implemented a new tariffs-focused trade policy under President Donald Trump, raising concerns about a global economic slowdown, although the statement did not name the U.S.The expanded BRICS group, which includes Brazil, Russia, India, China and South Africa as well as new joiners Egypt, Saudi Arabia, the United Arab Emirates, Ethiopia, Indonesia and Iran, faces daunting challenges from U.S. trade actions.

"The ministers voiced serious concerns about the rise of unjustified unilateral protectionist measures inconsistent with WTO rules, including indiscriminate raising of reciprocal tariffs and non-tariff measures," the statement said.Brazilian Foreign Relations Minister Mauro ieira told journalists the BRICS ministers had reached a consensus on the tariffs issue, saying it could be seen in the statement issued by the South American country.He added that the nations were working to have a final joint statement at their July summit, also in Rio de Janeiro.

How Indians Are Using Their Children For Illegal Entry In US

WORLD. A disturbing trend has emerged at the US borders with Mexico and Canada, where young Indian children, often no older than six, are being found alone and frightened, without documents or guardians. These children carry a small piece of paper with their parents' names and contact details, highlighting the growing phenomenon of unaccompanied Indian minors attempting to enter the US illegally.

According to US Customs and Border Protection data, between October 2024 and February 2025, 77 unaccompanied Indian minors were apprehended at the US borders. The majority were found at the southern land border with Mexico, while a significant number crossed from Canada, braving harsh weather conditions, per a Times Of India report. This trend is part of a larger pattern, with 1,656 unaccompanied Indian minors apprehended between 2022 and 2025.

Immigration experts suggest that these children are being used as part of a broader strategy by families to secure residence in the US. In some cases, parents send their children ahead, using their presence as a reason to apply for asylum later. Others claim that the children are sent with groups of adults, only to be abandoned near border checkpoints, where they are picked up by authorities and eventually reunited with their parents.

3 Killed, Several Injured In Shooting In Swedish City: Cops

Uppsala, Sweden. Three people were killed in a shooting in the Swedish city of Uppsala on Tuesday and a murder investigation has been launched, police said.Police said it was investigating the shooting as a homicide and that it had no information about the incident being a terror or hate crime at this point.

"We have information that a person left the scene on an electric scooter," a police spokesperson told Reuters. "Whether this person is a perpetrator or a witness, or someone who has some connection to the incident, it is unclear at this time."Police said the victims were yet to be identified and declined to speculate on the motive for the killings.Electric scooters have been used several times as a mode of escape after gang conflict shootings in Sweden. Uppsala, some 40 minutes north of the capital, Stockholm, by car, has seen many gang-related shootings in the past decade, but usually outside the city centre.Swedish Justice Minister Gunnar Strommer said the Justice Ministry was in close contact with the police and that it was closely monitoring developments in the case.A brutal act of violence has occurred in central Uppsala ... This is at the same time as the whole of Uppsala has begun Walpurgis Night. What has happened is extremely serious," Strommer said in a statement.Police said earlier they had received calls from members of the public who heard gunshots in the city centre, and that emergency services had rushed to the scene.

Reports Find Both Anti-Semitic, Anti-Muslim Sentiment At Harvard

New York. Harvard University task forces charged with investigating claims of anti-Semitism, and anti-Arab and Muslim hate reported Tuesday that such prejudice had taken root on campus, urging the college to champion the fight against bigotry.

Harvard, with other prestigious US universities, has been accused by President Donald Trump of turning a blind eye to campus anti-Semitism in the wake of Hamas's October 7, 2023 attacks on Israel, and the retaliatory campaign in Gaza.

US universities, including Harvard, were at the forefront of vocal protests against Israel's military onslaught, as well as sometimes tense counter-demonstrations.

In response, Trump has sought to take control of college curriculums and staffing as well as slash funding, while deporting foreign student activists associated with the pro-Palestinian movement.A task force report on anti-Semitism and anti-Israel bias said both had "been fomented, practiced, and tolerated not only at Harvard but also within academia more widely."The report, which heard from hundreds of students and staff at dozens of listening sessions, urged the university's leadership "to become champions in the fight against anti-Semitism and anti-Israeli bias."A separate task force on combating anti-Muslim, anti-Arab and anti-Palestinian bias found "a deep-seated sense of ear among students, staff, and faculty.""Muslims, Palestinians, Arab Christians, and others of Arab descent as well as pro-Palestinian allies described a state of uncertainty, abandonment, threat, and isolation, and a pervasive climate of intolerance," the report said.- Trump's fury -

Vowing to implement changes recommended in the reports, the university's president, Alan Garber, said "Harvard cannot -- and will not -- abide bigotry.""We will continue to provide for the safety and security of all members of our community and safeguard their freedom from harassment," he said in a statement.Trump has previously bashed Harvard, labeling the prestigious university an "Anti-Semitic, Far Left Institution," as it battles his administration's bid to freeze billions of dollars of its federal funding.

He is furious at Harvard for rejecting government supervision of its admissions, hiring practices and political ideology and ordered the freezing of $2.2 billion in federal funding to the storied institution.

Trump and his White House team have publicly justified their campaign against universities as a reaction to what they say is uncontrolled anti-Semitism.

China's "Won't Kneel Down" Video Message To US Over Trump's Tariff

Beijing. As US President Donald Trump completed 100 days of his second term, China rebuked the American leader's trade war in a fiery video declaring it will "never kneel down" to his trade policies. The video shared by China's Foreign Ministry called on the international community to stand up to America's "bullying"."The US has stirred up a global tariff storm and deliberately targeted China, playing a '90-day pause' game with other nations, forcing them to limit trade with China. Bowing to a bully is like drinking poison to quench thirst, it only deepens the crisis," China said in the video that has subtitles both in English and Mandarin to amplify the message for a global audience.Citing instances of what China called the history of American economic aggression, the video said, "The US once accused Japan of dumping semiconductors and crushed companies like Toshiba. Later, it forced Japan to sign the Plaza Accord, pushing the economy into decades of anaemic growth. The US also used "long-arm jurisdiction" as a weapon, breaking up France's industrial giant Alstom, robbing the country of a national champion. "History has proven that compromise won't earn you mercy - kneeling only invites more bullying. China won't kneel down," it added. Beijing, in contrast, portrayed itself as a free-trade haven and said, "China won't back down, so the voices of the weak will be heard. When the rest of the world stands together in solidarity, the US is just a small stranded boat.""Someone has to step forward, torch in hand, to shatter the fog and illuminate the path ahead," it added.So far, US President Trump has imposed tariffs as high as 145 per cent on imports from China. Other countries are facing a blanket 10 per cent US tariff until July.The Trump administration last week said that when the new tariffs are added to existing ones, the levies on some Chinese goods could reach 245 per cent.China has retaliated with a 125 per cent tax on products from the US and vowed to "fight to the end".

US Threatens To Quit Russia-Ukraine Effort Unless "Concrete Proposals"

Washington. Secretary of State Marco Rubio warned Tuesday that the United States would end mediation unless Russia and Ukraine come up with "concrete proposals," as US patience wanes on an early priority for President Donald Trump.Trump had vowed to end the war in his first 24 hours back in the White House but, as he celebrates 100 days in office, Rubio has suggested the administration could soon turn attention to other issues.

"We are now at a time where concrete proposals need to be delivered by the two parties on how to end this conflict," State Department spokeswoman Tammy Bruce told reporters, in what she said was a message from Rubio."If there is not progress, we will step back as mediators in this process."She said it would ultimately be up to Trump to decide whether to move ahead on diplomacy.Russian President Vladimir Putin recently proposed a three-day ceasefire around Moscow's commemorations next week for the 80th anniversary of the end of World War II.But Putin has rebuffed a Ukrainian-backed US call for a 30-day ceasefire.The United States wants "not a three-day moment so you can celebrate something else -- a complete, durable ceasefire and an end to the conflict," Bruce said.

- Means of pressure -

It remains unclear if Rubio is actually ready to turn the page or is seeking to pressure the two countries -- especially Russia, which believes it has an upper hand on the battlefield and in diplomacy since Trump's outreach.Trump, criticizing his predecessor Joe Biden's support for Ukraine, reached out to Putin after taking office, easing him from the international isolation he has been in since he ordered the February 2022 invasion of Ukraine.Putin again last week met with Trump's business friend Steve Witkoff, who has taken on a role of a globe-trotting envoy.Trump in turn berated Ukrainian President Volodymyr Zelensky in a February 28 White House meeting, with Trump and Vice President JD Vance accusing the wartime leader of ingratitude for US weapons.

Ukraine quickly tried to make amends by backing US diplomatic efforts and pursuing a deal in which the United States would control much of the country's mineral wealth.

But Zelensky has held firm against formal international recognition of Russia's 2014 takeover of Crimea.

Trump has insisted that Ukraine has lost Crimea and Zelensky should give it up.

Speaking by video conference to an event in Poland on Tuesday, Zelensky said: "We all want this war to end in a fair way -- with no rewards for Putin, especially no land."

Major Escalation By Pakistan, Firing At International Border, India Responds

WORLD. In a major escalation in the aftermath of the Pahalgam terror attack, Pakistan opened fire along the International border in Jammu and Kashmir's Pargawal sector last night. Earlier, Islamabad had tried to provoke New Delhi by violating the ceasefire along the Line of Control. According to defence sources, India has responded effectively.

While the International Border is a boundary separating India and Pakistan, the Line of Control is a ceasefire line agreed upon during bilateral attempts to keep the peace. Firing across the international border is very rare and particularly provocative against the backdrop of rising tensions in the wake of the Pahalgam attack that left 25 innocent tourists and a Kashmiri dead.

Pakistan has been consistently violating the ceasefire along the Line of Control over the past few days. Last night, it opened fire at three key sectors in the Jammu region and the Indian Indian Army responded.The terror attack in Pahalgam, which crossed the big red line of not targeting tourists and civilians, has sparked massive outrage across the country and the government has decided to crack down on Pakistan, known to back terror activities on Indian soil.The Centre has suspended the Indus Waters Treaty and visa services for Pakistan nationals. It has also downsized diplomatic staff and asked all Pakistani nationals to leave India. Pakistan has responded by threatening to suspend all bilateral pacts, including the Simla agreement that validates the Line of Control.Prime Minister Narendra Modi has said there is "grief and rage" from Kargil to Kanyakumari after the terror attack. "This attack was not just on innocent tourists; the country's enemies have shown the audacity to attack India's soul," the Prime Minister has said.He has said the terrorists who carried out the attack and those who plotted it would "get a punishment they cannot imagine". "The time has come to raze whatever is left of the terror haven. The will of 140 crores will break the back of the masters of terror," he said, his words directed at Pakistan.As tensions escalate between the two countries, UN Secretary General Antonio Guterres spoke to External Affairs Minister S Jaishankar and Pakistani Prime Minister Shehbaz Sharif separately and strongly condemned the Pahalgam attack.According to the United Nations statement, the Secretary-General noted the importance of pursuing justice and accountability for the attack through lawful means. He also underscored the need to avoid a confrontation that could result in tragic consequences.

Trump Eases Auto Tariffs Burden, Offers Relief For US Carmakers

Washington.U.S. President Donald Trump signed an order to soften the blow of his auto tariffs on Tuesday with a mix of credits and relief from other levies on materials, and his trade team touted its first deal with a foreign trading partner, developments that eased investor worries about Trump's erratic trade policies.The change comes the day Trump was headed to Michigan, cradle of the U.S. auto industry and just days before a fresh set of 25% import taxes was set to kick in on automotive components. The trip, on the eve of his 100th day in office, comes as Americans take an increasingly dim view of Trump's economic stewardship, with indications his tariffs will weigh on growth and could drive up inflation and unemployment.In his latest partial reversal of tariff policies, the Republican president agreed to provide carmakers with credits for up to 15% of the value of vehicles assembled domestically. These could be applied against the value of imported parts, allowing time to bring supply chains back home.Auto industry leaders had lobbied the administration furiously during the weeks since Trump first unveiled his 25% tariffs on imported vehicles and auto parts. The levies, aimed at forcing automakers to reshore manufacturing domestically, had threatened to scramble a North American automotive production network integrated across the U.S., Canada and Mexico.

It offers the industry a "little relief" as companies invest in more U.S. production, Trump said as he left Washington for Michigan. "We just wanted to help them ... if they can't get parts, we didn't want to penalize them."The uncertainty unleashed across the auto sector by Trump's tariffs remained on full display Tuesday when GM pulled its annual forecast even as it reported strong quarterly sales and profit. In an unusual move, the carmaker also opted to delay a scheduled conference call with analysts until later in the week, after the details of tariff changes were known.

Meanwhile, U.S. Commerce Secretary Howard Lutnick told CNBC he had reached one deal with a foreign power that should permanently ease the "reciprocal" tariffs Trump plans to impose. Lutnick declined to identify the country, saying the deal was pending local approvals."I have a deal done ... but I need to wait for their prime minister and their parliament to give its approval," Lutnick said.Lutnick's comments helped further lift stock prices that had been battered by Trump's moves to reshape global trade and force goods makers to shift production to the U.S. The benchmark S&P 500 Index closed 0.6% higher for a sixth day of gains, its longest streak of gains since November.

WRONG ON EVERY PREDICTION

Trump and his team aim to strike 90 trade deals during a 90-day pause on his reciprocal tariffs announced earlier in April. His administration has repeatedly said it was negotiating bilateral trade deals with dozens of countries.

A chief Trump goal is to bring down a massive U.S. goods trade deficit, which shot to a record in March on a surge of imports aimed at front-running the levies.Trump's aggressive trade policies have cascaded through the global economy since his return to the White House in January, and the 90-day pause was announced after financial markets went into a tailspin over fears of recession and inflation, among other factors.Softening the impact of auto levies is his administration's latest move to show flexibility on tariffs which have sown turmoil in financial markets, created uncertainty for businesses and sparked fears of a sharp economic slowdown.

NEWS BOX

IPL 2025 CSK VS PBKS: Live Streaming, head to head, pitch report and weather foreca

New Delhi: The Indian Premier League has reached a level where every game or every result will not affect other teams in some way or the other. In the 49th match of the IPL 2025, we are going to witness Chennai Super Kings take on Punjab at the M Chidambaram Stadium in Chennai. CSK are experiencing their worst season so far, where they have managed to win only 2 games out of the 9 played and are currently languishing at the bottom of the table. On the other hand, Punjab Kings are stuck at the 5th spot, in the middle of the table, with 5 wins in their 9 matches.The last time these two teams met this season, Punjab Kings emerged victorious by 18 runs. Priyansh Arya, the young batter from Delhi, stole the spotlight with a blistering 100 off just 38 balls. Punjab's previous game against KKR ended without a result due to rain. After posting a strong total of 201 in the first innings, they

had to settle for just one point instead of the expected two. On the other hand, CSK's last outing reflected the struggles they've faced throughout the season. They were defeated by SRH by 5 wickets after setting a modest target of 155, which was comfortably chased down within 19 overs.With only a 0.01% chance of qualification, CSK are virtually out of the playoff race. However, they can still spoil and impact other teams' chances. Will Punjab Kings capitalise on this opportunity and climb to second place in the standings, or will CSK spoil Punjab's party at their home ground?

Live Streaming DetailsWhen will Chennai Super Kings vs Punjab Kings IPL 2025 match take place?Chennai Super Kings vs Punjab Kings IPL 2025 will take place on April 30, Wednesday at 7:30 PM IST.

We will try to come back and finish in top two: Delhi Capitals' Vipraj Nigam

NEW DELHI. Undeterred by a third home defeat, spin all-rounder Vipraj Nigam said Delhi Capitals are determined to bounce back, not just to reach the playoffs but to secure a top-two finish in the IPL standings.

DC suffered a 14-run loss to Kolkata Knight Riders after falling short in their chase of 205, and Nigam admitted a few shot selection errors cost them the match on Tuesday."There are some decisions that we take at the last moment, because of which the game gets messed up sometimes here and there. But we are still in the top four, and we have five more games left, in which we will try to come back and finish in the top two," Nigam told reporters.The Capitals currently have 12 points and occupy the fourth spot on the table."Our plan was to target their two main spinners and we did that in the first two

overs but there were a few moments where we erred in our shot selection or something like that happened because of which our set players got out."Against such a bowling line-up, it is very difficult to come and play a shot immediately. That's why if the set players kept playing, we would have easily won the match," Nigam said.The 20-year-old leg-spinning all-rounder, who went wicketless in the last four games, returned with figures of 2 for 41 and also scored a 19-ball 38."IPL is a journey where you always face ups and downs. But the main thing is how strong your mindset is, how the team atmosphere is ? the seniors' role is very important, and they have always backed me."

The Uttar Pradesh cricketer showcased his batting prowess, smashing five fours and two sixes to give DC a limmer of hope against KKR."Till last year, I had performed the same way in domestic cricket as well. I had scored 70-75 runs in 2-3 matches, but in between, I flopped in a few innings, because of which my confidence went down, and then you need support or a backup time. So it was a good thing that I got my form as soon as I came to IPL."

Firmino, Toney fire Al Ahli into AFC Champions League final

The Jeddah club will now face either Cristiano Ronaldo's Al Nassr or Japan's Kawasaki Frontale on Saturday for the continent's premier club trophy.

JEDDAH. Roberto Firmino and Ivan Toney helped fire Al Ahli into the final of the AFC Champions League Elite with a fiery 3-1 victory against fellow Saudi Arabian side Al Hilal on Tuesday.The Jeddah club, effectively playing at home as the tournament's latter stages take place in the port city, will now face either Cristiano Ronaldo's Al Nassr or Japan's Kawasaki Frontale on Saturday for the continent's premier club trophy.Al Ahli got off to an ideal start at King Abdullah Sports Stadium when, on nine minutes, Brazilian winger Galeno raced to the byline and cut back the ball for compatriot Firmino to finish emphatically.

The former Liverpool forward, the Al Ahli captain despite not being registered in their Saudi Pro League squad, took his tally for the tournament to six goals.

Al Ahli went 2-0 up just before the half hour, Riyad Mahrez putting Toney through on goal with a defence-splitting pass to leave the Englishman to round goalkeeper Yassine Bounou and roll into the net.Toney, a summer signing from English Premier League club Brentford, moved alongside Firmino in the scoring charts. Former Manchester City winger Mahrez, meanwhile, leads the tournament in assists, with eight.Record four-time Asian champions Al Hilal halved the deficit three minutes before half time, when captain Salem Al Dawsari pounced on an inadvertent touch from Al Ahli midfielder Franck Kessie to slam home his 10th goal of the campaign. Al Dawsari now leads the scoring charts by one.A frantic second-half ensued, with Toney having two goals ruled out for offside and Firmino and Galeno hitting the post, while Al Hilal were reduced to 10 men right before the hour after ex-Chelsea defender Kalidou Koulibaly deservedly received a second yellow card.

Kessie then saw his 85th-minute penalty saved by Bounou after Mahrez had been felled in the area, before substitute Feras Al Buraikan sealed the result deep into injury time moments after being introduced.

Runners-up in 2012, their only other final appearance, Al Ahli remain the only unbeaten side in this season's competition.

Al Nassr and Frontale meet in the other semi-final on Wednesday, also at King Abdullah Sports City Stadium, with an all-Saudi final still possible.

Struggling Novak Djokovic withdraws from Rome Masters, French Open hopes in doubt

New Delhi. Novak Djokovic has pulled out of the 2025 Italian Open, adding another worrying sign to what has already been a difficult season for the Serbian superstar. The 36-year-old's absence from one of his favourite clay-court tournaments has sparked fresh concerns over both his fitness and form, with just weeks to go before the French Open.The announcement was made by the tournament organisers via social media, confirming that Djokovic will not be part of this year's draw. "See you next year, Nole," read their brief but telling message.This marks the first time since 2007 that Djokovic will not compete in Rome, ending an 18-year streak at the tournament where he has won the title six times. He has lifted the trophy in 2008, 2011, 2014, 2015, 2020 and 2022, making his absence even more striking.

A tough season for the tennis great

Djokovic has been struggling with form throughout 2025. Since his early exit at the Australian Open due to injury, he has failed to win a match in four of the five events he has entered. Losses in Qatar, then in Indian Wells, followed by Monte Carlo, and most recently Madrid, have raised concerns among fans and experts alike. His only deep run came at the Miami Open, where he reached the final but lost to 19-year-old Czech rising star Jakub Mensik.The defeat to Italy's Matteo Arnaldi in Madrid by a scoreline of 6-3, 6-4 was particularly alarming. It marked the third straight tournament where Djokovic bowed out in his opening match. After the loss, he admitted the situation was unfamiliar territory. "It's a completely different feeling from what I had in 20-plus years of professional tennis," he said, hinting at the mental challenge of adjusting to these results.With the French Open set to start on May 25, Djokovic's decision to skip Rome means he will head to Roland Garros without a single clay-court match win this season. That's a first since 2006, a staggering stat for a player of his calibre.

Despite being currently ranked No. 5 and holding 12 wins in 19 matches this year, the question looms- can Djokovic bounce back in time to challenge for the Roland Garros title? With time running out and confidence shaken, all eyes will be on Paris to see if the tennis legend can turn things around.

Dembele sinks Arsenal as PSG seize edge in Champions League semi-final

LONDON. Paris Saint-Germain seized the advantage in their Champions League semi-final against Arsenal as Ousmane Dembele sealed a 1-0 win in the first leg on Tuesday.

Dembele struck in the opening minutes at the Emirates Stadium and Luis Enrique's side held on to the lead with a composed display that kept Arsenal at bay.

PSG will head into the second leg at the Parc des Princes on May 7 as favourites to reach the final against Barcelona or Inter Milan as they look to win the tournament for the first time.

But the French champions should take nothing for granted given their history of epic European collapses."We showed the kind of team we are. We tried to play our way and scored the goal early playing that way," PSG boss Luis Enrique said."We suffered sometimes but could have scored the second goal. The second match is going to be very tough."The result means a little advantage for us. We can go to the final but there is still one match."Arsenal's first defeat in 18 home European matches was a painful blow to their own bid to win a first Champions League

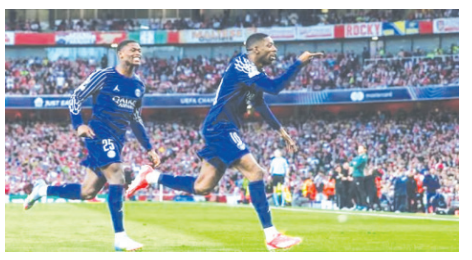

crown.Mikel Arteta had labelled Arsenal's run to the semi-finals a "beautiful story".

The last chapter might make for frustrating reading, but Arteta insisted they aren't dead and buried just yet."We put so much into the game. It's half-time and we have a big chance to be in the final," the Gunners boss said.

"We struggled in the first 15 minutes to get momentum and dominance, but in the end I was disappointed not to get a draw at least. That's the margins, that's the level."

The Gunners had beaten holders Real Madrid 5-1 on aggregate to reach their first Champions League semi-final since losing to Manchester United in 2009.They could not replicate the swaggering display that blew Madrid away 3-0 in the first leg, despite a frenzied atmosphere as kick-off approached.When Arsenal's players gathred for a pre-match huddle in the tunnel, Declan Rice implored his team-mates to give everything as he roared: "If we don't have the ball we die."a

Ousmane Dembele delivers PSG slender 1-0 lead over Arsenal in first

PSG take a narrow advantage to Paris after Ousmane Dembele's early goal sinks Arsenal in a tense Champions League semi-final first leg clash.

New Delhi. Paris Saint-Germain took a significant step toward reaching their second-ever Champions League final after edging past Arsenal 1-0 in the semi-final first leg at the Emirates Stadium. Ousmane Dembele's early goal proved decisive in a game where both teams had their moments but PSG's defensive resilience and early clinical edge saw them leave North London with a valuable lead.

The French side, who have already knocked out Liverpool and Aston Villa on their way to this stage, showed their maturity and discipline, soaking up Arsenal's pressure and creating several big chances of their own. Dembele's impact was immediate, starting and finishing a flowing move in the fourth minute. He played the ball wide to Khvicha Kvaratskhelia and then continued his run into the box, eventually finding space to slot home via the far post.Despite Arsenal pushing hard for an equaliser, Gianluigi Donnarumma stood tall, making crucial saves first from Gabriel Martinelli before the break, and later denying Leandro Trossard in the second half. PSG could have extended their lead late on but misses from Bradley Barcola and Goncalo Ramos kept the score at just one.

Arteta reflects on missed chances

For Arsenal, it was a frustrating evening and their first home defeat in European competition after 17 unbeaten matches at the Emirates. Mikel Arteta admitted his side struggled early on but felt they deserved more from the game.We couldn't get into our rhythm in the opening stages and that cost us," said Arteta. "In the end, I think we were unfortunate not to get at least a draw. These are the margins at this level."

Arsenal looked a shadow of the side that had dismantled Real Madrid earlier in the tournament. Although Myles Lewis-Skelly's pass to Martinelli offered a golden opportunity and Mikel Merino thought he had equalised only for VAR to intervene, the Gunners just couldn't find the breakthrough they needed

Happy Birthday Rohit Sharma: Top five records held by 'Hitman' of world cricket

Celebrate Rohit Sharma's 38th birthday by revisiting five iconic records that define his legacy as one of cricket's greatest modern-day batsmen.

New Delhi. Happy 38th Birthday to the legendary Indian cricketer, Rohit Sharma! Known throughout the cricketing world as the 'Hitman' – a nickname truly earned through his powerful and often explosive batting, especially dazzling audiences in the IPL Rohit has crafted a career filled with incredible milestones.

Rohit Sharma's impact on the game is undeniable, from being the only player ever to score three double centuries in ODIs and his impressive pace to reach over 11,000 ODI runs, to leading India to memorable T20 World Cup glory in 2024 and the Champions Trophy title in 2025. As we celebrate his special day today, let's dive into the record books and highlight some of the most formidable achievements held by this modern-day great.Highest individual score in ODI history Rohit Sharma's name is synonymous with incredible records in ODI, but perhaps none stand out quite like his highest individual record. No batter has come close to breaking Rohit Sharma's 264-run innings. With 33 fours and nine sixes, the innings still remains the highest individual score in ODI cricket. When Sachin Tendulkar broke the 200-run mark in an ODI in February 2010, the landscape of hitting big in the format shifted, and the highest score record was pushed further a few times before Rohit's monumental effort in November 2014.

His innings at Eden Gardens against Sri Lanka wasn't just a personal best but a new world

record that has stood unchallenged since. The most remarkable thing about this innings was that it was his comeback match following a three-month injury layoff. He steadily built his innings, reaching his fifty in 72 balls and his century in 100. But then the Hitman accelerated, needing only 25 more balls to get to 150 and hitting 200 in 151 balls and powering past 250 in just 166 deliveries on his way to that historic 264. It was a masterclass in pacing an ODI innings and remains a towering benchmark in the format.

Most double centuries in ODI

Scoring a double century in a One Day International is a truly rare feat, a monumental innings that few cricketers ever achieve. Yet, India's Rohit Sharma stands in a class of his own as he is the only player in the history of the game to have reached this incredible milestone not once but thrice.His remarkable spree began on November 2, 2013, when he blasted 209 against Australia. He then went on to score a record-breaking 264 against Sri Lanka on November 13, 2014 – an innings that remains the highest individual score in ODI. He scored an unbeaten 208 to complete his unique trio, again facing Sri Lanka, on December 13, 2017. While other formidable batsmen like Sachin Tendulkar, Virender Sehwag, Chris Gayle, and more have single double centuries to their name but Sharma ji's ability to repeatedly achieve this extraordinary feat sets him apart in the annals of ODI cricket.

Nushrratt Bharuccha

Reveals She 'Wasn't Comfortable' Wearing Bikini In Pyaar Ka Punchnama 2: 'I Told Luv Ranjan...'

Nushrratt Bharuccha candidly revealed her struggle with wearing a bikini for Pyaar Ka Punchnama 2, and how a bold solo trip abroad helped her break free from self-consciousness.

Actress Nushrratt Bharuccha, known for her relatable charm and candidness. recently opened up about a deeply personal journey she undertook before donning a bikini on-screen for Pyaar Ka Punchnama 2. Despite the glamorous perception surrounding such scenes, Nushrratt revealed she initially struggled with intense self-consciousness about wearing a bikini — something she decided to tackle head-on through a bold and empowering move.In a conversation with Hauterrfly, Nushrratt explained, "For me, it has always been about real-life experience translating into my on-screen perfor mance. I hadn't worn a bikini before, and I knew I would be uncomfortable in front of the camera. I told Luv sir (director Luv Ranjan), 'Even if I wear it, I'll be stiff and awkward. How can you get a natural shot if internally I'm not okay with it?' I realized I needed to truly own it first."

Determined to break free from her inhibitions, Nushrratt decided to take a solo trip abroad — a place where she could freely confront her fears away from familiar eyes. "In Mumbai, you can't exactly roam around wearing a bikini, so I decided to go abroad. I needed to break the internal consciousness in my mind, to normalize it for myself," she shared.

And normalize it she did. Over three straight days, from morning till night, Nushrratt delibe rately wore bikinis, letting the experience become second nature. "By the second day, I had forgotten I was even wearing a bikini. It just became normal — like, yes, I'm a woman, and there's absolutely nothing wrong with that," she said with pride.Most recently seen in Chhorii 2, Nushrratt continues to carve a space for herself as an actress who isn't afraid to acknowledge her vulnerabilities and transform them into strength.

Sheezan Khan

Falaq Naaz On Their Troubled Equation With sister Shafaq: 'She Chose Not To Talk To Us'

Sheezan Khan and Falaq Naazz have spoken out about their troubled relationship with their sister, Shafaq Naaz. Although things were stable between them during Sheezan's legal case, their bond has since fractured again. In a new interview, the sibling duo opened up about their disappointment and anger towards Shafaq, with Sheezan sharing he was hurt that Shafaq did not visit their mother when she was hospitalised.Speaking to Siddharth Kannan, Sheezan and Falaq recounted how difficult it was to care for their mother, who had fallen into severe depression. They described their mother becoming extremely vulnerable, requiring constant support. Sheezan noted that the stress from his case had been a major trigger for her condition, leading her to stop taking her prescribed medication, which further deteriorated her health.

The siblings admitted that their mother's sadness was compounded by her longing for Shafaq. When asked if Shafaq was informed about their mother's health issues, both Sheezan and Falaq confirmed that the entire family was aware.

"She (Shafaq) chose not to talk to us. She chose not to stay in touch," Sheezan revealed. Falaq added that their mother was deeply hurt by a statement Shafaq had made publicly, in which she described herself as the "neglected" child. According to Falaq, this claim devastated their mother, who had always tried to treat her children equally.Although Sheezan acknowledged that Shafaq could distance herself from her siblings, he felt she should have remained connected to their mother. He recalled their mother reaching out to Shafaq after her knee surgery and expressed sadness that despite a brief conversation when their mother was hospitalised for ten days, the exchange felt cold and formal.Falaq mentioned that she had attempted to bridge the gap between her sister and mother during the health crisis. However, Sheezan said, "When mom was hospitalized, we called Shafaq, and she refused to get involved." He added, "Fir toh thoda insaan nazron se utarta hai na (Then a person loses respect)." When asked if he had lost respect for his sister, Sheezan confirmed, "Haan, gir gayi, definitely (Yes, definitely)."

Paresh Rawal Says Akshay Kumar Is 'Not A Friend'; Alia Bhatt's Co-Star Seema Pahwa Refuses To Teach Acting To Nepo Kids

Veteran actor Paresh Rawal has shared screen space with Akshay Kumar in several iconic films such as Hera Pheri, Bhaagam Bhaag, among others, and shares a great equation with him. He always speaks highly of Akshay Kumar. In a recent interview, Paresh Rawal called Akshay a 'colleague', and explained that in the film industry, relationships are mostly professional. According to him, his true friends are the ones he made in school, and theatre. He called Om Puri, Naseeruddin Shah, and Johnny Lever his true friends.

Actress and filmmaker Seema Pahwa has spent nearly 40 years in the Indian film industry. She has been a part of films like Gangubai Kathiawadi, Dream Girl 2, Badhaai Do and Zubeidaa among others. As a reputed actress and director, Seema believes that Bollywood today has become a business about selling faces, rather than telling stories. As such, Seema revealed that she won't be training nepo kids who lack talent just so they can be launched.

A seminar for actor-politician Vijay's Tamilaga Vettri Kazhagam (TVK) booth committee was held at a private college in Saravanampatti in Coimbatore district of Tamil Nadu. Many members and supporters of the TVK attended the event, including a well-known actor.

'The Incredible Hulk' creator Kenneth Johnson believes the two Hulk movies flopped because the audiences didn't accept the CGI character in the real world. The 82-year-old screenwriter-producer was responsible for bringing the Marvel Comics character to life on the small screen in the iconic TV series, which ran from 1977 to 1982 and starred Bill Bixby as Dr David Bruce Banner and professional bodybuilder Lou Ferrigno as the giant green brute.Superstar Ajith Kumar, who was honoured with the prestigious Padma Bhushan award by the Government of India earlier this year, attended the grand investiture ceremony held at Rashtrapati Bhavan, New Delhi, on April 28.

Farah Khan Recalls Spot Boy Falling After Seeing Pooja Bedi's Flying Skirt In Pehla Nasha: 'I Had A Thong On'

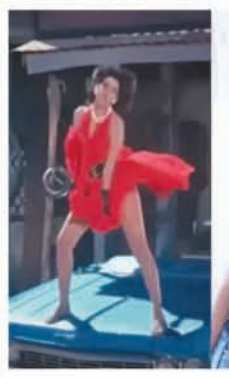

Filmmaker and choreographer Farah Khan recently hosted Alaya F and her mother, Pooja Bedi, on her YouTube channel for a fun-filled episode. As Alaya prepared her signature protein-packed blueberry pancakes, Farah and Pooja took a nostalgic trip down memory lane, recalling amusing stories from the time they worked together on the 1992 film Jo Jeeta Wohi Sikandar.

Farah told Alaya that she spent several days helping her mother learn to dance during the shoot. Complimenting Alaya's dancing skills, Farah asked whose genes she had inherited, calling her a 'fantastic dancer.' Alaya admitted that dancing didn't come naturally to her either, much like her mother, but she put in hard work to improve. In a lighthearted moment, when Pooja attempted to imitate how Alaya used to dance, Farah quipped, "This is exactly how you danced in Naam Hai Mera Fonseca in Jo Jeeta Wohi Sikandar."

Sharing a hilarious memory from the iconic Pehla Nasha song shoot, Farah turned to Alaya and said, "You know the story, right? When she stood on that car (in the Pehla Nasha song), the spot boy, who was not standing behind her but underneath her, vo gir gaye (he fell down). That's the first time I've seen a thong. They were not very common in those days." Pooja quickly interrupted, insisting Farah was exaggerating and clarifying that the spot boy was standing a little further away. She humorously added that every time she pulled her dress down at the front, it would fly up from behind.

"He was standing in the one behind and every time they would put this fan under me and I was standing like this and I'm trying very hard to pull my dress down… he put his car right I'm standing there like this… fan is going, every time I say, nothing is happening, the dress is flying. Then I'm holding it down And everyone is laughing. Why? Because it's down from here but it's flying from the back, And that's the spot where I was standing in the back and I had a thong on," Pooja said.

Farah also praised Alaya for her composed and graceful demeanour on the red carpet, saying she was far more 'elegant and calm' compared to her mother, Pooja.

Alaya made her Bollywood debut in 2020 with Jawaani Jaaneman, co-starring Saif Ali Khan. Since then, she has been part of films like Almost Pyaar with DJ Mohabbat and U-Turn. In 2024, she appeared in Bade Miyan Chote Miyan and Srikanth. Meanwhile, Jo Jeeta Wohi Sikandar, where Pooja played Devika alongside Aamir Khan and Ayesha Jhulka, was recently re-released in theatres, rekindling fond memories for fans.